हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 15.10.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 84 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपया~~ 2 रुपया

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

अधिक जानकारी के लिए
1800-890-0215
टोल फ्री नंबर

दिसम्बर की
5वीं किस्त
से 53 लाख से अधिक माताओं-बहनों को
₹2,500
का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री
मंईयां
सम्मान योजना

हर बहना को हर साल
₹30 हजार

फॉर्म डाउनलोड करने के लिए
स्कैन करें
https://www.jharkhand.gov.in/wcd

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 338911 (IPRD) 24-25

एक नजर

युवक ने छडवा डैम में कूदकर की आत्महत्या

हजारीबाग : कटकमसाडी प्रखंड के कंचनपुर गांव के निवासी धर्मेन्द्र गोप ने छडवा डैम में कूदकर आत्महत्या कर ली। 22 वर्षीय धर्मेन्द्र, संतोष गोप का पुत्र था। दुर्गा पूजा के दौरान जागरण देखकर घर लौटने के बाद, वह सुबह अपनी मोटरसाइकिल लेकर निकला। धर्मेन्द्र आस-पास के गांवों से दूध इकट्ठा करने का काम करता था। परिवार को इस घटना की कोई आशंका नहीं थी। जब धर्मेन्द्र काफी समय बाद भी घर नहीं लौटा, तब परिवार को पता चला कि छडवा डैम के पुल के पास उसकी मोटरसाइकिल और चप्पलें पड़ी हैं। गांव वालों ने तत्काल स्थानीय ओ पी पेलावल थाना प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय को सूचित किया। थाना प्रभारी ने एन डी आर एफ टीम को बुलाकर शव को बाहर निकालने का निर्णय लिया। धर्मेन्द्र के डैम में डूबने की खबर मिलते ही सैकड़ों गांववाले छडवा डैम के पुल के पास जुट गए और खोजबीन शुरू कर दी। हालांकि, अंधेरा होने के कारण उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। सोमवार सुबह धर्मेन्द्र का शव पुल के पास से बाहर निकाला गया। ओ पी पेलावल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भीखारी मेडिकल कॉलेज, हजारीबाग भेज दिया। थाना प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि मामले की जांच विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है।

प्रवासी मजदूर हेमलाल महतो का शव पहुंचा पैतृक गांव, पसरा सन्नाटा

विष्णुगढ़ : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत जोबर पंचायत निवासी , प्रवासी मजदूर हेमलाल महतो का शव पैतृक गांव पहुंचा, शव को गांव पहुंचते ही गांव में सन्नाटा छा गया । जोबर पंचायत के पारटाड गांव के हेमलाल महतो पिता स्वर्गीय सीताराम महतो उम्र 35 वर्ष लगभग की मौत 26 सितंबर को कैमरून में हो गयी थी। विदेश कैमरून की कंपनी ट्रांस्लाइन प्राइवेट लिमिटेड में हेमलाल महतो कार्यरत थे। वह पांच सितंबर को स्वदेश भारत से काम करने के लिए कैमरून गए थे। प्रवासी अंतरराष्ट्रीय मजदूर हेमलाल महतो की मौत के बाद कार्यरत कंपनी की ओर से 5 लाख रुपये बतौर सहायता राशि दी जा रही थी। लेकिन परिवार की सहमति नहीं होने पर हेमलाल महतो की शव को हजारीबाग सदर अस्पताल के मोर्चरी मैं रखा गया। लगातार झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय संगठन मंत्री महेंद्र उर्फ माही पटेल , कुमार धर्मेन्द्र महतो एवं अन्य के प्रयास से कंपनी के द्वारा परिजन को । 1200000 धन राशि की चेक दी गई। तत्पश्चात परिजनों को मृतक हेमलाल महतो की शव को भी सौपा गया।

चौपारण के कई नेता हुए भाजपा में शामिल, पूर्व विधायक ने किया स्वागत

चौपारण : चौपारण प्रखंड में सोमवार का दिन भाजपा का दिन रहा। पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव लगातार प्रखंड में भ्रमण कर जनता का मिजाज जानने में लगे हुएं। इसी कड़ी में सोमवार को मुखिया जी होटल में भाजपा मिलन समारोह का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में कई लोगों ने भाजपा का दामन थामा। पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने सबों को माला पहनकर भाजपा में स्वागत किया। शामिल में योगेश सिंह रानीक, रामजतन सिंह पपरो, सुमन सिंह, छतरपुरा, शिवपूजन सिंह खरहूँवा, अशोक सिंह पपरो,गिरजा राणा पपरो, देवेंद्र सिंह सेलहारा, दिलीप सिंह सिंघरावाँ, धीरन सिंह रानीक, कैलाश यादव भूषणडीह,बद्री सिंह रानीक, रंजीत सिंह रानीक, करुणा सिंह रानीक, दयानिधि सिंह रानीक, संतोष सिंह टांडीह, पिन्टू भुइँया नवापर, धनजय सिंह कोल्हुवा, विक्रम भुइँया अंबेडकर नगर, बिरेन्द्र सिंह बिगहा, भरत पासवान पपरो, लखिन्दर पासवान पपरो, अहमद खान, रंजीत साव, रामचन्द्र साव गंगाआहर, महिलाओं में फूल कुमारी देवी, यशोमति देवी, किरण देवी, मिना देवी, सन्तु भुइयां, उर्मिला देवी, सारो देवी आदि।

वन भूमि के अतिक्रमण को रोकने हेतु अभियान मोड पर करें कार्य : आयुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सोमवार को छतरमांडू स्थित समाहरणालय सभा कक्ष में प्रमंडलीय आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर, हजारीबाग श्री पवन कुमार की अध्यक्षता में राजस्व संबंधित विषयों पर समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया। बैठक के शुरूआत सर्वप्रथम उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार ने आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, पवन कुमार को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। बैठक के दौरान आंतरिक संसाधन , विभिन्न स्तरों के राजस्व न्यायालय वादों की समीक्षा, लंबित अन्य राजस्व विभाग से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन पर पीपीटी के माध्यम से विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। बैठक के दौरान आयुक्त ने वन

प्रमंडल विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों का विस्तार पूर्वक जानकारी ली एवं फॉरेस्ट जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने व अवैध खनन के विरूद्ध व्यापक रूप से अभियान चलने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के दौरान उन्होंने उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि जिले में जितने भी जितने भी कम्पोजिट शराब की दुकाने हैं उन सभी दुकानों का औचक निरीक्षण कर एमआरपी, डुप्लीकेसी आदि से संबंधित निरीक्षण करने का निर्देश दिया एवं किसी भी तरह से गलत पाए जाने पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जिले में स्थित बार और क्लब का भी निरीक्षण कर मानकों का जांच करने का निर्देश दिया गया। जिला परिवहन द्वारा किए जा रहें कार्यों की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने ट्रांसपोर्टिंग में चलने वाले गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन नंबर, ओवरलोडिंग, अवैध परिवहन को लेकर जिले के मुख्य मार्गो पर जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने वाहनों की रिस्ट्रिक्शन प्रक्रिया की विस्तार पूर्वक जानकारी ली। इसके उपरांत उन्होंने जिले में संचालित पेट्रोल पंप का औचक निरीक्षण कर दिए गए मानकों पर नहीं पाए जाने वाले संबंधित पेट्रोल पंप संचालक पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

विभावि एलुमनाई एसोसिएशन ने प्रभारी कुलपति का किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के नवनियुक्त प्रभारी कुलपति डॉ. पवन कुमार पोद्दार से सोमवार को एलुमनाई एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने उन्हें बुके भेंट कर स्वागत किया और विश्वविद्यालय के एलुमनाई से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. पवन कुमार पोद्दार ने बैठक के दौरान एलुमनाई एसोसिएशन की भूमिका को सराहनीय बताया और कहा कि यह संगठन विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों को एक साझा मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि एलुमनाई का सहयोग विश्वविद्यालय की प्रगति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कुलपति ने सुझाव दिया कि सभी पूर्व छात्रों की एक व्यापक बैठक आयोजित की जाए, जिससे अधिक से अधिक पास-आउट छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। बैठक में एलुमनाई एसोसिएशन ने विश्वविद्यालय परिसर में संगठन के लिए एक स्थायी कार्यालय आवंटित करने की मांग की, ताकि उनकी गतिविधियों का सुचारू संचालन हो सके। इसके साथ ही, संगठन के विभिन्न मुद्दों को लेकर कुलपति के समक्ष अपनी जरूरतें रखीं। डॉ. पोद्दार ने संगठन की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी आवश्यकताओं को प्राथमिकता से पूरा करेगा। इस मुलाकात से विश्वविद्यालय और एलुमनाई एसोसिएशन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे आने वाले समय में विभावि के विकास को गति मिलेगी। इस मौके पर एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ मोहम्मद मंसूर आलम फाखरी, सचिव डॉ सनी कुमार मेहता, अनिमा, मुकेश राम प्रजापति व भैरव आनंद शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने किया 220/33 केवी ग्रिड सब स्टेशन पंकरी बरवाडीह का ऑनलाइन शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड उर्जा संचरण निगम लिमिटेड के द्वारा पंकरी बरवाडीह में 220/33 केवी ग्रिड बिजली सब स्टेशन निर्माण का मुख्यमंत्री द्वारा ऑनलाइन शिलान्यास किया गया इस अवसर बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद भूमिपूजन व शिलापट्ट का अनावरण किया इस मौके पर झारखंड उर्जा संचरण निगम लिमिटेड के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत गाजे बाजे व फूलमाला के साथ किया वहीं विभाग के पदाधिकारियों ने विधायक को बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर एलसीडी के माध्यम से मुख्यमंत्री द्वारा ऑनलाइन शिलान्यास कार्यक्रम को दिखाया गया। तत्पश्चात एक सभा की गई जिसमें विधायक ने कहा कि चुनाव जीतने के समय से ही बिजली की समस्या का हल कैसे हो इसका समाधान ढुढ़ते रहे और बिजली विभाग के कनीय पदाधिकारियों के

साथ मिसिंग की और उन्होंने रास्ता बताया कि ग्रिड का निर्माण हो जाने से बिजली समस्या से निजात मिल पाएगा ।और मेरे द्वारा विधानसभा में आवाज उठाने के बाद कैबिनेट की बैठक में स्वीकृती हुई और लगभग 33 करोड़ की लागत ग्रिड सब स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। ग्रिड बन जाने से बड़कागांव केरेडारी टंडवा डेमोटांड़ औधौगिक क्षेत्र के लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति हो पाएगी। इससे एक वर्ग या समाज के लोगों को नहीं बल्कि सभी लोगो को लाभ मिलेगा और आंधी तुफान बारिश से बिजली कई दिनों तक नहीं आती थी उससे निजात मिलेगा। कल कारखाने उद्योग धंधे लगेंगे जिससे लोग रोजगार से जुड़ेंगे इसके लिए बहुत प्रयास किए और जमीन नहीं का मामला फंस रहा था एक बार बरवाडीह में ही भूमी उपलब्ध करवाया गया था पर वन भूमि में आने के कारण स्वीकृत रद्द कर दी गई तो एनटीपीसी से बोल कर एनटीपीसी के बिजली सब स्टेशन के अंदर ही एनटीपीसी ने जमीन देने की स्वीकृति दी और ग्रिड का निर्माण का शिलान्यास किया गया । वहीं आगे उन्होंने बताया कि आजादी इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी मचवाटांड,सिमराजरा, पंदनवाटांड में बिजली पहुंचाने का शिलान्यास आज ही किया जाना है जो एक ऐतिहासिक पल है।

अटल विचार मंच ने शहरी क्षेत्र में चलाया सदस्यता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अटल विचार मंच, हजारीबाग की सदस्यता प्रभारी प्रियंवदा के नेतृत्व में बाडम बाजार के दर्जनों महिलाओं एवं छात्राओं ने अटल विचार मंच का दामन थामा। सदस्यता ग्रहण करने वाली महिलाओं ने कहा कि यशवंत सिन्हा जी के नेतृत्व में ही झारखंड का विकास हो सकता है। उनके नेतृत्व में ही झारखंड राज्य को भय,भूख, भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर सदस्यता प्रभारी प्रियंवदा ने कहा कि अटल विचार मंच से जुड़ने के लिए आज हजारों महिलाएं तैयार हैं। अगर हमें मान सम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत करना है तो अटल विचार मंच के संस्थापक यशवंत सिन्हा जी के हाथों को मजबूत करना होगा। अटल विचार मंच के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आज हर राजनीतिक दल चिंतित है। झारखंड की जनता ने उन सभी राजनीतिक दलों के विकल्प के रूप में अटल विचार मंच को चुनने का निर्णय कर लिया है। जनता की एक ही आवाज है यशवंत है तो मुमकिन है, बाकी सब धोखा है। उक्त जानकारी अटल विचार मंच के मीडिया प्रभारी अनिल सिन्हा ने दिया।

चित्रगुप्त पूजा व प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : श्री चित्रगुप्त पूजा सह पूरे परिवार का प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में 2024 में आयोजित होने वाले पूजा के लिए शुभम प्रकाश को पूजा प्रभारी बनाया गया। शुभम प्रकाश ने बताया कि ये हम सब के लिए बहुत खुशी का बात है की हजारीबाग नही बल्कि पूरे झारखंड बिहार में ये एक मात्र मंदिर है जो पूरे परिवार के साथ स्थापित है और इस पूरे परिवार का प्राण प्रतिष्ठा इस वर्ष 03 नवंबर को होना है इसके लिए हम सब अभी से ही तयारी में जुट चुके हैं और तमाम लोगो से आग्रह भी करते है की आप सभी अपना समय दे कर पुण्य के भागी बने। पूजा प्रभारी सुभम प्रकाश ने पूजा को सफल बनाने हेतु एक समिति का भी गठन किया है मौके पर राज प्रकाश, बॉबी, अनुपम सिन्हा, दीप प्रकाश, सूमो प्रकाश, अमित सिन्हा, अनुज सिन्हा, बप्पी कारण, अन्य लोग उपस्थित रहे जिन्होंने इस बात में सहमति जताई।

जेएसएलपीएस कर्मियों की कार्यशैली एवं अनुभव को देखते हुए उनके मानदेय में हो बढ़ोतरी : अनुप्रिया साव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सोमवार को अनुप्रिया फाउंडेशन के संस्थापक अनुप्रिया साव ने झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी जी से भेंटकर झारखंड स्टेट लाइवलीहुड सोसायटी के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों के मानदेय बढ़ोतरी हेतु ज्ञापन सौंपा। अनुप्रिया साव ने मंत्री इरफान अंसारी को जेएसएलपीएस कर्मियों के मानदेय से संबंधित वर्तमान समस्याओं से अवगत कराया। अनुप्रिया साव ने बताया कि जेएसएलपीएस संगठन ग्रामीण विकास में झारखंड के लिए मिल का पत्थर साबित हुआ है, अपने स्थापना कल से लेकर अभी तक झारखंड के कई विकास परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में

जेएसएलपीएस ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जेएसएलपीएस के कर्मियों को उनके दृढ़ संकल्प एवं मजबूत इच्छा शक्ति के लिए जाना जाता है जो झारखंड के विकास में अपना सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती है। परंतु वर्तमान समय में जेएसएलपीएस के कर्मी महंगाई का मार झेल रहे, इसके अंतर्गत कार्य करने वाले सक्रिय महिला को 1500 , आजीविका पशु सखी को 1700 एवं आजीविका कृषि सखी को 1000 का मानदेय प्रति माह के दर से दिया जाता है जो इस मंहगाई के दौर में नगण्य है। इसी कारण जेएसएलपीएस के सभी कर्मी हतोत्साहित एवं ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। इनके कार्यनीति, कार्यशैली व अनुभव को देखते हुए सभी कर्मियों का मानदेय 15000 रुपए प्रतिमाह करने का सुझाव अनुप्रिया साव ने मंत्री इरफान अंसारी को दिया है। इसके साथ-साथ यात्रा भत्ता, मोबाइल भत्ता, महंगाई भत्ता , पहचान पत्र, बीमा सुविधा, ड्रेस कोड, अस्थाई नियुक्ति आदि से संबंधित मांगों को भी उनके समक्ष रखा गया। मंत्री इरफान अंसारी ने भी उनके मांगों पर सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिया है।

संक्षिप्त खबरें

सुनील कुमार सिंह बने सीकरी के थाना प्रभारी, किया पदभार ग्रहण

बड़कागांव : बड़कागांव – केरेडारी मुख्य पथ स्थित राजाबागी में एनटीपीसी एमडीओ कॉलोनी के समीप पदस्थापित नवनिर्मित सिकरी थाना के सुनील कुमार सिंह को नए थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापित किया गया। श्री सुनील 2018 बैच के हैं। इससे पूर्व देवघर जिला में 5 साल इन्होंने थाना प्रभारी के पद पर रहकर कार्य किया है। उसके बाद हजारीबाग पुलिस केंद्र में थे।थाना प्रभारी ने बताया कि इस थाने के अंतर्गत दो पंचायत बरखा गांव प्रखंड अंतर्गत सिकरी पंचायत, एवं केरेडारी प्रखंड अंतर्गत के गर्रीकला पंचायत दर्जनों गांव आएंगे। आगे उन्होंने कहा की विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को ग्रामीणों से आपसी सम्मानजस बनाकर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा।

108 एम्बुलेंस सेवा हुई ठप, कर्मी गये अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

हजारीबाग : राज्य व्यापी 108 एम्बुलेंस सेवा कर्मी अपनी बिभिन्न मांगो को लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर पूरे राज्य भर में धरना पर बैठे हैं। अपनी मांग के समर्थन में कमीर्यों का कहना है कि लगभग डेढ़ माह से वेतन नहीं मिला है। बार बार एजेन्सी बदलता रहता है जो अपने अनुसार हम सबों से डिमाण्ड करता है जो पूरा नहीं करने पर कुछेक को बिना नोटिस दिये ही निकाल देता है, 12-12 घंटा कार्य लेता है, इस क्रम में यदि कोई घटना घटित होती है तो उसका मुआवजा नहीं मिलता है ।जिससे परिवार दर दर भटकने को मजबूर हो जाते हैं । हमे न्यूनतम मजदूरी से कम वेतन दिया जाता है। इस तरह के अनेक मांगों को लेकर कर्मी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर राज्य भर में एम्बुलेंस सेवा ठप कर दिया और एम्बुलेंस गाड़ी कैम्पस में खड़ी कर धरना पर बैठे हैं ।अपनी मांग की प्रति सिविल सर्जन कार्यालय में दिया गया।

पंचायत में विधायक ने दो पथ निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

बरही : बरही प्रखंड के केदारूत पंचायत अंतर्गत खैरोन गांव में डीएमएफटी मद से 1 करोड़ 64 लाख रुपए की प्राक्कलित लागत से 2.1 किलोमीटर कालीकरण रोड खैरोंन से लेकर कटियौन तक एवं ग्राम कजरा में पीएमजीएसवाई रोड से भुईया टोली तक पथ निर्माण 900 मीटर का कालीकरण रोड 70 लाख की प्राक्कलित राशि की लागत से निर्माण होगा। जिसका विधिवत शिलान्यास बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने किया। इस दौरान विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि पांच वर्षो में बरही विधानसभा में दर्जनों सड़क उनके प्रयास से बनाए गए है। दर्जनों पुराने सड़को का मरम्मती किया गया है। कई डैम, पुल का निर्माण किया गया है। यह विकास का गति आगे भी चलता रहेगा, इस बार एक बार और मौका देकर क्षेत्र में विकास की गति को और अधिक तेज करे। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, स्वास्थ्य विभाग के विधायक प्रतिनिधि मो रिजवान, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मो गुलजार अंसारी, महेश यादव, प्रद्युम्न सिंह अर्जुन यादव, रवि यादव, भोला सिंह, देवचंद यादव आदि उपस्थित रहे।

मुखिया संघ ने बीडीओ जयपाल महतो का किया स्वागत

बरही : बरही प्रखंड मुखिया संघ ने मुखिया संघ के अध्यक्ष अध्यक्ष विजय कुमार यादव के नेतृत्व में नवपदस्थापित प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो का भव्य स्वागत किया। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान संघ के सदस्यों ने बीडीओ को सामूहिक रूप से गुलदस्ता भेंट कर उनका सम्मान किया। साथ ही क्षेत्र के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई। बीडीओ जयपाल महतो ने इस गर्मजोशी से किए गए स्वागत के लिए मुखिया संघ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बरही प्रखंड के विकास में मुखिया संघ की अहम भूमिका है और मैं सभी मुखिया के साथ मिलकर क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा। उपस्थित मुखिया ने अपने-अपने क्षेत्रों की चुनौतियों को सामने रखते हुए मुद्दों से उन्हें अवगत कराया। बीडीओ ने आश्वासन दिया कि वह सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करेंगे और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए समन्वयन स्थापित करेंगे। इस अवसर पर बरही पश्चिमी के मुखिया शमशेर आलम, कोल्हुआकला के मुखिया मंगलदेव यादव, करियातपुर के मुखिया मनोज कुमार, बेन्दगी मुखिया सिकंदर राणा, बरही पूर्वी मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर, मुखिया गोविंद साव, डपोक मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन रविदास, खिरोधर यादव सहित अन्य मुखिया उपस्थित थे।

विनोद कुशवाहा ने चलाया जनसंपर्क अभियान समस्याओं के समाधान का दिया आश्वासन

हजारीबाग : झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव और हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के भावी उम्मीदवार विनोद कुशवाहा ने बनाहापा और चुटियारो में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करना था। कुशवाहा ने क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं का गहराई से अध्ययन किया। विनोद कुशवाहा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वह उनकी परेशानियों को हल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के हित में काम करती आई है और आगे भी करेगी। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि अगर उन्हें विधानसभा में मौका मिलता है तो वे क्षेत्र के विकास के लिए नई योजनाएं लाएंगे, जो जनता की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान करेंगी। जनसंपर्क अभियान के दौरान, कई ग्रामीणों ने पानी, बिजली, और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी की शिकायत की।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 15.10.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 84 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3.00~~ रुपये 2 रुपये

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 29 प्रस्तावों पर लगी मुहर

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना तहत अब मिलेंगे ₹2500 प्रतिमाह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 29 प्रस्तावों पर मुहर लगी। बैठक में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से अब राज्य की योग्य लाभुक महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह के बजाए 2500 रुपये प्रतिमाह सम्मान राशि देने का फैसला हुआ।

यानी साल में अब 12 हजार रुपये बदले 30 हजार रुपये महिलाओं को मिलेंगे। अगस्त से प्रारंभ हुई इस योजना में महिलाओं को एक हजार रुपये की राशि भेजी जा रही है। दिसंबर से अब 2500 रुपये भेजने की तैयारी है। इसका लाभ 50 लाख महिलाओं को मिलेगा और सरकार को अतिरिक्त नौ करोड़ रुपये वित्तीय भार पड़ेगा सालाना।

कैबिनेट की बैठक के बाद कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि नेतरहाट पर्यटन क्षेत्र के विकास और भूमि अधिग्रहण के लिए 43 करोड़ आठ लाख रुपये की राशि मंजूर की गई। नेतरहाट विद्यालय की तर्ज पर चाईबासा, दुमका के साथ-साथ बोकारो में भी आवासीय स्कूल खोले जायेंगे। गढ़वा में बिलासपुर पश्चिम बीरबल चौक तक 109 करोड़ की पथ परियोजना की स्वीकृति। मनरेगा के साथ अभिसरण से बन रहे आंगनबाड़ी केंद्रों की कुल राशि 11.66 लाख खर्च होगी। कृष्णा राय जल प्रमंडल दुमका की सेवा अविधि का दैनिक वेतन अवधि में जोड़ करके पूरी राशि देने का फैसला। ज्ञानोदय योजना के तहत 50 प्रारंभिक स्कूल में विज्ञान व गणित की प्रयोगशाला स्थापित करने की स्वीकृति। बिहार राज्य निर्माण निगम लिमिटेड के बकाया स्वीकृत करने के लिए 38 करोड़ मंजूर किया गया।

अनाथ और दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षा

राज्य के दिव्यांग, अनाथ बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए निःशुल्क ट्यूशन फीस देने की स्वीकृति दी गई। इस योजना पर सालाना 24 करोड़ खर्च होगा। यह ट्यूशन फीस 10 लाख रुपये अधिकतम सालाना दी जाएगी। इसके ऊपर उन्हें खुद वहन करना पड़ेगा। इसमें प्रतिमाह 4000 रुपये उच्च शिक्षा के लिए दी जाएगी।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- राष्ट्रीय शिक्षा के तहत झारखंड के अंतर्गत राजकीय विश्वविद्यालय में चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम की स्वीकृति दी गई।
- राज्य में मदरसा माइनॉरिटी स्कूलों में संचालित शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से राज्य योजना से संचालित करने की स्वीकृति दी गई।
- रांची विश्वविद्यालय में रांची मुख्यालय एवं विभिन्न अंगीकृत महाविद्यालयों में सेवा दे रहे नेट पास कक्षा आधारित शिक्षकों की सेवा को आवश्यकता आधारित सेवा में करने की स्वीकृति दी गई।
- उच्चतर शिक्षण संस्थानों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए योजना की स्वीकृति दी गई।
- गोड्डा जिला अंतर्गत ठाकुरगंगटी में डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए 40 करोड़ की स्वीकृति दी गई।
- महिला महाविद्यालय बहरागोड़ा की स्थापना के लिए 38 करोड़ की योजना स्वीकृत। राजकीय विश्वविद्यालय में डुअल डिग्री के लिए योजना मंजूर।
- रिनपास रांची में निदेशक की नियुक्ति एवं सेवा शर्त में संशोधन किया गया। राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय जमशेदपुर बहरागोड़ा के निर्माण के लिए 254 करोड रुपये की मंजूरी दी गई। राजकीय पॉलिटेक्निक पोटका, जमशेदपुर के निर्माण के लिए 136 करोड़ की योजना मंजूरी की गई।
- असम में रह रहे 15 लाख से अधिक आदिवासी जिन्हें अब तक एसटी का दर्जा नहीं मिला है वह ओबीसी में शामिल हैं, उनके लिए झारखंड सरकार कई तरह की योजनाएं लाएगी। इसके लिए आदिवासी कल्याण मंत्री के नेतृत्व में एक सर्वदलीय कमेटी असम भेजी जाएगी। वहां की स्थिति की जानकारी लेने के बाद उनके हित को लेकर कई योजनाएं लाई जाएंगी।
- भारत सरकार और असम सरकार से भी इसके लिए समन्वय किया जाएगा। असम में करीब 70 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है जिसमें झारखंड से करीब 15 लाख (20 से 22 प्रतिशत) लोग वहां है। इन्हें सरकारी योजनाओं की सुविधा पहुंचाई जाएगी।
- पारा शिक्षकों और कस्तूरबा विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक कर्मी, सहायक अध्यापक इत्यादि को ईपीएफओ योजना का लाभ मिलेगा।

सीएम ने पांच सौ सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ और बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : हेमन्त सोरेन

- मुंबई में प्रस्तावित झारखंड भवन और पावर सब स्टेशन पकरीबरवाडीह का किया ऑनलाइन शिलान्यास।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य में नियुक्तियों का कारवां लगातार आगे बढ़ रहा है। कोई भी ऐसा महीना नहीं होगा, जब नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित ना हुआ हो। नियुक्तियों की इसी क्रम में आज एक और अहम कड़ी जुड़ने जा रही है। लगभग 500 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियो को नियुक्ति पत्र मिल रहा है। इस तरह अब आप सभी सरकार के अभिन्न अंग के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मुंबई में प्रस्तावित झारखंड भवन और 220/ 33 केवी ग्रिड सब-स्टेशन पकरीबरवाडीह का भी ऑनलाइन शिलान्यास कर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

राज्य की जनता के प्रति जो जिम्मेदारी मिली है उसपर खरा उतरें

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों से कहा कि झारखंड देश के सबसे गरीब एवं पिछड़े राज्य में गिना जाता है। आपकी नियुक्ति स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए हुई है। आप सभी को राज्य के सुदूर और दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में काम करने का मौका मिल रहा है। मेरा आप सभी से यही कहना है कि इस राज्य की जनता के प्रति जो आपको जिम्मेदारी मिली है, उस पर आप खरा उतरने का प्रयास करें । अपनी सेवा पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएं, ताकि ग्रामीणों का आप पर विश्वास बना रहे। इससे इस राज्य की व्यवस्था को मजबूत करने में हमें मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने का लगातार हो रहा प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। सिर्फ बिल्डिंग खड़ा कर देने से स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर नहीं बनाया जा सकता है। इसके लिए अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों और इलाज से संबंधित समुचित सुविधाओं को उपलब्ध कराना जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखकर हमारी सरकार स्वास्थ्य से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। आज चिकित्सक और चिकित्सा कर्मियों की नियुक्ति, आधुनिक चिकित्सीय संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ अस्पतालों के रखरखाव और मरम्मत की भी समुचित व्यवस्था है। राज्य के गरीब तथा जरूरतमंद लोगों के लिए कई स्वास्थ्य योजनाएं संचालित हैं। हमारी कोशिश राज्य के लोगों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बढ़ चुके हैं कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। इस सिलसिले में विश्व पटल पर स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी बेहतर सेवा देने के लिए पहचान बनाने वाले निजी क्षेत्र के संस्थानों का सहयोग ले रहे हैं। इसी कड़ी में अपोलो अस्पताल का शिलान्यास हाल में संपन्न हुआ है। वहीं, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की ओर से राजधानी रांची के इटकी में वर्ल्ड क्लास मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बनाया जा रहा है । मुझे विश्वास है कि यहां के लोगों को बहुत जल्द इलाज के लिए दूसरे प्रदेशों के बड़े अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्हें अपने ही राज्य में बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी।

क्रिटिकल बीमारियों का भी इलाज इस राज्य में संभव करने का हो रहा प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कई नई बीमारियां हमारे लिए चुनौती बनी हुई है। कॉविड-19 के बाद से हम लगातार स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में गंभीर बीमारियों का भी इलाज इस राज्य में संभव हो, इसके लिए प्रयास जारी है। इसके लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे निजी संस्थाओं, संस्थाओं और अस्पतालों के सहयोग से इलाज से संबंधित आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराने की कोशिश लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामान्य तौर पर नर्सिंग से महिलाएं और युवतियां जुड़ी होती हैं लेकिन मेरा मानना है कि नर्सिंग में पुरुषों की भी भागीदारी होनी चाहिए।

राज्यसभा चुनाव हॉर्स ट्रेडिंग : सीडी की सीबीआई जांच के आदेश के खिलाफ एससी जायेगी सरकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार 2016 में हुए राज्यसभा चुनाव से जुड़े हॉर्स ट्रेडिंग मामले में सीडी की जांच सीबीआई से कराने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जायेगी। सोमवार को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने एसएलपी दाखिल करने के लिए अदालत से मांगा। इस मामले में वर्तमान डीजीपी अनुराग गुप्ता और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के सलाहकार अजय कुमार की भूमिका बताते हुए रांची के जगन्नाथपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई गयी थी। आरोपों के मुताबिक, तत्कालीन राज्यसभा प्रत्याशी मुख्तार अब्बास नकवी और महेश पोद्दार के पक्ष में मतदान के लिए विधायक निर्मला देवी को प्रलोभन दिया गया था। वर्ष 2016 में बाबूलाल मरांडी ने एक ऑडियो टेप जारी किया था। ऑडियो टेप में वर्तमान डीजीपी अनुराग गुप्ता, तत्कालीन विधायक निर्मला देवी और पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की बातचीत सामने आयी थी।

दुर्गा पूजा से लौट रहीं दो नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म, चार गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सरईडीह नावाडीह गांव में दुर्गा पूजा का मेला देखकर घर लौट रहीं दो नाबालिग दलित लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना में शामिल चार आरोपितों को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, दो आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों में 26 वर्षीय विक्रम पासवान, 25 वर्षीय मनदीप पासवान, 26 वर्षीय पप्पू पासवान और 30 वर्षीय अरविंद सिंह खरवार शामिल हैं जबकि उपेंद्र भुइयां और टीमन भुइयां ने उनका साथ दिया है। घटना शुक्रवार की रात की है लेकिन रविवार की देर शाम इस मामले का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित लड़कियों और उनके परिजनों ने पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार, दोनों लड़कियां नौडीहा बाजार के सरईडीह से दुर्गा पूजा का मेला देखकर मोटरसाइकिल से अपने एक परिचित के साथ लौट रही थीं। रास्ते में पीछा करके छह आरोपियों ने दूधमनिया स्कूल के पास उन्हें रोका और रिश्तेदार को बांधकर दोनों नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। लड़कियों की उम्र 13 से 14 साल है और दोनों आपस में चचेरी बहन हैं। इसके बाद दोनों बहनें परिचित के साथ किसी तरह घर पहुंचीं और परिवार वालों को इस घटना के बारे में बताया।

परिश्रम की पराकाष्ठा और प्रयत्नों की सीमा से आगे जाकर काम करें कार्यकर्ता : शिवराज सिंह चौहान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में आज विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा नेतृत्व की सरकार बनाने के लिए तैयार है। चुनाव प्रबंधन समिति के कार्यकर्ता को जनभावनाओं को धरातल पर उतारने की जिम्मेवारी है। हम परिश्रम की पराकाष्ठा और प्रयत्नों की परिसीमा करें। हमें अब चुनाव तक पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनकर कार्य करना है। हम अपने में चुनाव जीतने की तड़प पैदा करें।

चुनाव प्रबंधन जीत की कुंजी है

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चुनाव प्रबंधन ही चुनाव में जीत की कुंजी है। प्रबंधन समिति पूर्ण योजना और पूर्व योजना पर कार्य करेगी तो सफलता हमारी झोली में होगी। विभिन्न पर्व त्योहारों के बीच अब कार्यकताओं के लिए एक ही पर्व है और वह है चुनाव पर्व। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव अभियान को व्यवस्थित तरीके से संचालित करके हमसब परिणाम को अनुकूल और सुखद बना सकते हैं। आज जनता भाजपा की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है।

अपना श्रेष्ठ पार्टी को देना है

प्रबंधन समिति के संयोजक और पूर्व सांसद सुनील कुमार सिंह ने कहा कि प्रबंध समिति के कार्यकर्ताओं को अधिकार भाव से नही बल्कि उत्तरदायित्व भाव से कार्य करना है। पार्टी ने बड़ी जिम्मेवारी इस समिति को दी है। हम सब अपना श्रेष्ठ पार्टी को दें तथा समन्वय के साथ जीत को सुनिश्चित करने में जुट जाएं। प्रबंध समिति के 29 विभागों का एक ही लक्ष्य है विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार। सुनील सिंह ने मीडिया बंधुओं से भी सकारात्मक सहयोग का अनुरोध किया।

इस बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू ने किया। मनचस्थ पदाधिकारियों का स्वागत योगेंद्र प्रताप सिंह, अमरदीप यादव, चंद्रप्रकाश, नीरज सिंह आदि ने किया। बैठक में केंद्रीय मंत्री और विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी और असम सरकार के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शरमा, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी,पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह प्रदेश महामंत्री और सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा चुनाव प्रबंध समिति के संयोजक पूर्व सांसद सुनील कुमार सिंह, सह संयोजक एवम प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, विधायक बिरंची नारायण, सीमा शर्मा सहित समिति ने शामिल कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : रवि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि विधानसभा निर्वाचन के दौरान इंफोर्समेंट एजेंसी अवैध गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए मुस्तैदी से कार्य करें। इसकी मॉनिटरिंग हर स्तर पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए निर्वाचन के कार्यों में लगे पदाधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन करें।

वे सोमवार को सभी जिलों में आगामी विधानसभा निर्वाचन के लिए गठित एफएसटी एवं एसएसटी के पदाधिकारियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण सत्र को संबोधित कर रहे थे। कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव में सभी एफएसटी एवं एफएसटी के द्वारा अवैध निर्वाचन व्यय एवं एमसीसी उलंघन के

मामलों पर पैनी नजर रखी जानी है। उन्होंने कहा कि एफएसटी एवं एसएसटी के पदाधिकारियों को अपने नजदीकी थाना एवं मुख्यालय स्तर से दिए गए संपर्क सूत्र से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करना है। निर्वाचन के दौरान बने सभी चेकपोस्टों पर प्रत्येक वाहनों की चेकिंग की जायेगी। साथ ही सभी चेकपोस्टों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से निगरानी रखी जायेगी। चेकपोस्ट पर किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी, लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारी पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी चेक पोस्टों में आवश्यकतानुसार सीएपीएफ की प्रतिनियुक्ति करते हुए निर्वाचन के दौरान प्रतिबंधित सामग्रियों जैसे अवैध शराब, अवैध कैश, हथियार आदि जिससे निर्वाचन को प्रभावित किया जा सकता है उसके आवागमन पर पूर्ण रूप से रोक रखी जानी है। इसके लिए सभी पदाधिकारी अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों का अनुपालन करते हुए कार्रवाई करें। इस अवसर पर सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता द्वारा एफएसटी एवं एसएसटी के कर्तव्यों एवं एथिकल वोटिंग से संबंधित माइकिंग, कम्युनिकेशन प्लान, सी-विजिल आदि से पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। वहीं सिस्टम एनालिस्ट एस एन जमील द्वारा एफएसटी एवं एसएसटी द्वारा उपयोग में आने आवले मोबाइल एप्लीकेशनों के इंस्टालेशन एवं इनके क्रियान्वयन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

एक नजर

मुरलीधर प्रसाद का धरधरी नदी घाट पर सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

मेदिनीनगर (पलामू) : झारखण्ड आन्दोलनकारी मुरलीधर प्रसाद के शव यात्रा को इनकी बेटियों ने कंधा देकर प्रस्थान कराया। आज बरवाडीह के धरधरीनदी घाट बरवाडीह मे झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केन्द्रीय संयोजक सतीश कुमार प्रमंडलीय अध्यक्ष बिकेश शुक्ला आन्दोलनकारी बलराम उरांव बिनय चंदेल शंकर चौधरी दिनानाथ उरांव डी एन राम बिरेन्दर ठाकुर पम्मीसरदार संतोष राम सुरेन्द्र जी ललन यादव प्रदीप सिन्हा सुग्रीव जी बिश्व नाथ साव समेत सैकड़ों लोग शामिल थे। अपने 5 बेटियों के भरापूरा परिवार से अलबिदा कर चले गथ। शव यात्रा में आन्दोलनकारियो ने पुरे जोश खरोश से नारा लगा कर श्रध्दांजलि अर्पित की। मुरलीधर प्रसाद पलामू प्रमंडल मे आजसू पार्टी से जुडकर अलग झारखण्ड राज्य के आन्दोलन की मशाल जलाकर पुरे प्रमंडल में संघर्ष के ज्वाला को धधकाने मे अहम भूमिका निभाई थी। आज नम आंखों से आन्दोलनकारी व समाजिक राजनीतिक जनता ने अलबिदा कहा।

दूर्गा पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का कर्नल डॉ संजय कुमार सिंह ने किया उद्घाटन

हुसैनाबाद (पलामू) : हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कुसुआ टोला कोईरियाडीह एवं गरेड़ियाडीह में रविवार की रात्रि दूर्गा पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा सैन्य प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक सह किसान ब्रिगेड संरक्षक कर्नल डॉ संजय कुमार सिंह देवरी ओपी प्रभारी बबलु कुमार तथा पंसस अजीत कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व फीता काटकर किया। अपने संबोधन में कर्नल संजय सिंह ने कहा कि इस गांव के लोगों का सहयोग व समर्थन मिला तो विकास के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। विधानसभा के विभिन्न गांवों में मेरे द्वारा हमेशा विकास कार्य कराने का प्रयास जारी हैं। मैं सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेता रहता हूं। उद्घाटन के उपरांत कर्नल संजय सिंह ने मां दुर्गा के दरबार में माथा टेका और क्षेत्र वासियों की सुख समृद्धि व शांति के साथ अमन चैन के लिए लोगों में सद्बुद्धि व ज्ञान के लिए प्रार्थना की साथ ही कहा कि मां दुर्गा शक्ति की देवी हैं। दशहरा असत्य पर जीत का प्रतीक है। लोक नाटक व सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए सामाजिक समरसता को बल मिलता है। तथा प्रतिस्पर्धा से मेधा और क्षमता का विकास होता है। इस दौरान कई वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

डीवीसी के ठेका कर्मी की इलाज के दौरान मौत, परिजनों ने की नियोजन की मांग

धनबाद : डीवीसी मैथन के भू-संपदा विभाग में कार्यरत ठेका कर्मी देवजीत भट्टाचार्य की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत कर्मी के परिजनों ने डीवीसी प्रबंधन से नियोजन की गुहार लगाई है। हालांकि प्रबंधन ने अब तक कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा है। ज्ञात हो कि ठेका कर्मी देवजीत भट्टाचार्य पिछले मई महीने में डीवीसी का बिल वितरण करने जा रहे थे। इसी दौरान मैथन डाइक एरिया में उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें उनकी कमर में गंभीर चोट लगी थी। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बेहतर इलाज के लिए 7 सितंबर को कोलकाता के देशन अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने 5 अक्टूबर को उनका ऑपरेशन किया था। इसके बाद 10 अक्टूबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बीएसएल में 19 अक्टूबर की हड़ताल ऐतिहासिक होगी : संघ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ अपनी मांगों को लेकर बोकारो इस्पात संयंत्र में 19 अक्टूबर को हड़ताल पर रहेगा. संघ ने हड़ताल को लेकर अपना पक्ष रखा है। अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि बीएसएल में इस बार ऐतिहासिक हड़ताल होगी। प्रबंधन भी हड़ताल को लेकर डरा हुआ है। यही वजह है कि कर्मचारियों में भय पैदा करने के लिए मशाल जुलूस में शामिल कुछ कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। जबकि संघ व कर्मचारियों ने किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि संघ व कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया था, न कि एडीएम इंचार्ज के कमरे में. यह हमारा मौलिक अधिकार है। उन्होंने याद दिलाया कि एटक नेता अनिरुद्ध, एके अहमद आदि के मामले में प्रबंधन वर्ष 2007 में दर्ज केस में हार चुका है. उन्होंने सवाल किया कि राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र चौबे, रामाश्रय सिह व बीडी प्रसाद बीएसएल के कर्मचारी नहीं हैं, फिर भी पिछले दिनो प्लांट के भीतर गोल चक्कर पर जाकर किस हैसियत से उनलोगों ने प्रदर्शन किया था। प्रबंधन संघ से जुड़े कर्मचारियों पर बदले की भावना से कार्रवाई कर रहा है। हरिओम ने कहा कि हमारी यूनियन अपने प्रत्येक सदस्य का मामला कोर्ट में लड़ेगी। महासचिव दिलीप ने बताया कि यूनियन को कर्मचारियों का भारी समर्थन मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

कतरास में जगह-जगह हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन,16 अक्टूबर तक रहेगा मेला

कतरास (धनबाद) : कतरास कोयलांचल में दुर्गा पूजा धूमधाम के साथ संपन्न हो गया. राजबाड़ी, बंगाल पड़ा, नदी किनारे, सोनारडीह, बेहराकुदर, कंको, डॉक्टर पड़ा, मालगोदाम,तिलाटाड सहित कई जगहों पर प्रतिमा का विसर्जन कर दिया गया। सिंदूर खेला कर मां को नम आंखों से दी विदाई दी। इधर कतरास शहर में जीएनएम हाई स्कूल मैदान में लगा मेला आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां भव्य रूप से वृंदावन के तर्ज पर प्रेम मंदिर बनाया गया है। मेला में झूला,मीना बाजार आदि लोगो को आकर्षित कर रहा है। रेलवे में भी दिल्ली का लोट्स टेम्पल भी लोग देखने के लिए आ रहे है। यहां मेले में बांटे जा रहे पास को लेकर हर दिन झगड़ा हो रहा है। पास को लेकर कतरास कोयलांचल को वैभव प्रदान करने वाले रानीबाजार में इस बार मेला नहीं लगा है। मेला 16 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

झारखंड कुशवाहा समाज ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

धनबाद : सोमवार को झारखण्ड कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष हकीम प्रसाद महतो के नेतृत्व में कुशवाहा महासभा के एक प्रतिनिधि मंडल झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से रांची स्थित कांग्रेस भवन में मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर झारखण्ड कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष हकीम प्रसाद महतो एवं प्रतिनिधि मंडल के द्वार अगामी विधानसभा को लेकर चर्चा किया। जिसमें हकीम प्रसाद महतो ने मांग करते हुए कहा कि जिसकी जितनी संख्या है उस हिसाब से उसको उतना हक भी मिलना चाहिए और यही बात कांग्रेस के लोकप्रिय और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी जनसभाओं में कहते है और सामाजिक न्याय की बात करतें है। जिस पर झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कामलेश ने आश्वस्त करते हुए कहा कि इस बात को मैं प्रदेश प्रभारी और केन्द्रीय चुनाव कमिटी के समक्ष भी रखूंगा। और झारखण्ड में कुशवाहा समाज को सांख्य के अनुरूप आगामी विधानसभा में प्रतिनिधित्व मिल सके इसके लिए हर संभव प्रयास करूंगा। इस मौके पर कुशवाहा महासभा के महासचिव सत्यदेव प्रसाद वर्मा,रविन्द्र वर्मा, नरेश वर्मा,राजेश कुमार शामिल थे।

पूजा करने आए मां-बेटे को जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल कर मंदिर से बाहर निकाला

बोकारो : दुनिया आज चांद सितारों पर पहुंच चूका है वही आज भी लोग पुराने रीति रिवाज प्रथा को छोड़ने का नाम नहीं ले रहे हैं इसी संदर्भ में जातिवाद एवं छुआछूत को लेकर मामला सामने आया है। बालीडीह बियाडा बाजार मे स्थित दुर्गा मंदिर में पूजा करने आए मां बेटे को वहां के पुजारी एवं कुछ लोगों ने नीच जाति बोलकर धक्का मार मंदिर परिसर से बाहर कर दिया गया। बताते चले की जोहार पार्टि बोकारो के जिला अध्यक्ष भागिरथ दिगार, पिता-स्व० साहेब राम दिगार,बालीडीह छतनीटांड़ दिगार टोला का निवासी अपनी मां के साथ पूजा करने बियाड़ा बाजार स्थित दुर्गा मंदिर में संध्या आरती के वक्त जब पहुंचे तो मंदिर परिसर में पहले से मौजूद दो पुजारी कृष्ण सिंह एवं अन्य लोगों द्वारा जाति सूचक शब्द कहकर मंदिर परिसर से बाहर निकालो की बात कही। इसके एवज में मेरी मां जब उन लोगों का विरोध की तब मंदिर में स्थाई दो पुजारी एवं उनके कुछ अन्य लोगों द्वारा जबरन मंदिर परिसर से मेरी मां का गर्दन पकड़ बाहर निकाल दिया गया यह देख जब मैने पुजारी से कहा कि यह बात गलत है इस पर वहा मौजूद आशीष कुमार गुप्ता पिता अरुण गुप्ता एवं कमेटी के कुछ अज्ञात सदस्य मुझे से जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल किए एवं गाली गलौज करने लगे उसी वक्त बियाड़ बाजार के निवासी कमेटी के कुछ सदस्य भी पहुंचे मुझे जाति सूचक शब्द हाड़ी ,डोम चमार, साला कहकर बोला गया और कहा कि यहां पूजा करने आया है और बोलते हुए मेरा कॉलर पड़कर जमीन पर धकेल दिया गया एवं कुछ अन्य लोगों द्वारा बुरी तरह से मारपीट भी की गई इस संबंध में बालीडीह थाना एवं डीएसपी मुख्यालय को मैंने एससी एसटी अधिनियम के अंतर्गत सूचना दी गई है।

देवी वरन व सिंदूर खेला के साथ दुर्गा बाड़ी की प्रतिमा का हुआ विसर्जन

मेदिनीनगर (पलामू) : रविवार को देवी वरन व सिंदूर खेला के साथ दुर्गा बाड़ी की प्रतिमा विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान एक भव्य शोभायात्रा भी निकला गया जिसमे पारम्परिक ढाक के बाजे के साथ बंगाली समाज की महिला व पुरुष शामिल हुए। शहर का भ्रमण करने के बाद कोयल नदी के तट पर प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इससे पहले सप्तमी, अष्टमी और नवमी की रात सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। सप्तमी को मासूम आर्ट ग्रुप के द्वारा प्यार की फुलझड़ी हास्य नाटक प्रस्तुत किया गया। अष्टमी को कोलकाता से आये कलाकार सोनाली रॉय और शमशाद हुसैन ने हिंदी व बांग्ला गीतों से समां बांध दिया। इनके साथ सेक्सोफोन वादक सज्जाद हुसैन ने भी अपनी प्रस्तुति दी। नवमी को बंगाली समुदाय के स्थानीय कलाकारों के अलावा नृत्यांगन डांस एकेडमी के बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सुमित भत्याचार्य व अर्पिता दासगुप्ता ने किया।

22वीं पुण्यतिथि पर याद किए गए मजदूर नेता नगीना पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : सोमवार को झरिया के मजदूर नेता नगीना पासवान की 22वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, नगीना पासवान के पुत्र कृष्णा पासवान, जितेंद्र पासवान, दलित सेना के अध्यक्ष दिनेश पासवान समेत कई लोगों ने झरिया के बस्ताकोला गौशाला मोड पर लगे मजदूर नेता नगीना पासवान की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर पहुंची झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने कहां कि नगीना पासवान मजदूर मसीहा थे। उन्होंने गरीब शोषित मजदूरों की आवाज हमेशा बुलंद की और मजदूरों को न्याय दिलाने का काम किया। आज हम सब उन्ही के बताए मार्गों पर चल कर मजदूरों की सेवा में जुटे हैं। नगीना बाबू हम सभी के अभिभावक समान थे। वह हमेशा हम सभी के प्रेरणास्रोत रहेंगे। इधर मजदूर नेता नगीना पासवान के पुत्र कृष्णा पासवान ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब मजदूरों पर प्रबंधक दमनकारी नीति अपनाते थे उस समय मजदूरों को हक दिलाने उनकी सुरक्षा प्रदान करने समेत कई कार्य के लिए नगीना बाबू हमेशा संघर्ष करते रहे । 1990 के समय जब बीसीसीएल समेत अन्य कोलियरियों में मजदूरों की घोर कमी थी तो इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार से मांग कर लगभग 8 हजार रिक्त पदों को भरवाने का काम किया। नगीना पासवान के मित्र रहे बस्ताकोला के पूर्व मुखिया रामबालक सिंह ने कहा आज अगर नगीना पासवान होते तो बीसीसीएल प्रबंधक इस तरह मजदूरों पर मनमानी नहीं करते।

ईसीआरकेयू दाखिल करेगा 22 को नामांकन पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद रेलवे में यूनियनों की मान्यता प्राप्त करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा मतदान के विभिन्न चरणों की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। इसके तहत ईस्ट सेंट्रल रेलवे जोन में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन द्वारा हाजीपुर महाप्रबंधक मुख्यालय में 22 अक्तूबर को नामांकन दाखिल करने की तैयारी की जा रही है। इस दिन इस अवसर पर यूनियन ने उक्त तिथि को रेलकर्मियों की एक विशाल जनसभा करने का कार्यक्रम किया जाएगा। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा इस दिन उपस्थित रेलकर्मियों को संबोधित करेंगे और ईसीआरकेयू को पुनः बहुमत से जीत दिलाने का आह्वान करेंगे। ईसीआरकेयू के अध्यक्ष डी के पाण्डेय और महामंत्री एस एन पी श्रीवास्तव भी अपने संबोधन में ईसीआरकेयू एवं फेडरेशन के उपलब्धियों को जनसभा में रेलकर्मियों के समक्ष रखेंगे। ईसीआरकेयू के पूर्व अपर महामंत्री तथा अनुभवी और वरीय कॉमरेड बी के सिंह भी रेलकर्मियों को एक मजबूत यूनियन बनाने के लिए ईसीआरकेयू को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए अपना संदेश रखेंगे।उक्त जानकारी देते हुए ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह धनबाद मंडल के पी एन एम प्रभारी मो ज्याऊद्दीन ने कहा कि ज्ञात हो कि रेलवे में यूनियन को जोनल स्तर पर मान्यता प्राप्त करने के लिए रेलकर्मी अपने गुप्त मतदान द्वारा यूनियन का चुनाव करते आ रहे हैं। यह पद्धति 2007 से प्रारंभ किया गया जिसमें पूर्व मध्य रेलवे में ईसीआरकेयू ने भारी मतों से जीत हासिल की। छः वर्ष बाद 2013 में भी हुए चुनाव में पुनः ईसीआरकेयू को बहुमत मिला। 2019 के कोरोना के संक्रमण काल में रेलप्रशासन चुनाव प्रक्रिया नहीं करा पाई और फिर विभिन्न राज्यों के विधान सभा एवं फिर संसदीय चुनाव में प्रशासनिक व्यस्तता के कारण भी यूनियन के चुनाव नहीं हो पाए। अंततः फेडरेशन के दबाव पर रेलवे बोर्ड ने 4 से 6 दिसम्बर' 2024 को रेलवे में यूनियन के मान्यता प्राप्त करने के लिए चुनाव कराने की घोषणा की। इसके अंतर्गत नामांकन दाखिल करने के लिए ईसीआरकेयू ने 22 अक्तूबर की तिथि निर्धारित किया है।यह जानकारी देते हुए ईसीआरकेयू धनबाद टू शाखा के अध्यक्ष सह मिडिया प्रभारी एन के खवास ने बताया कि उक्त तिथि को धनबाद मंडल के सभी शाखा सचिव तैयारियों में जुटे हुए हैं।

मेडिकल जांच के नाम पर अब नहीं होगी एक भी ठेका मजदूर की छंटनी : राजेंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र के ठेका मजदूरो की समस्याओ पर आहुत दिनांक 15 अक्टूबर के ठेका मजदूरों के हड़ताल तथा दिनांक 09 एवं 11 अक्टूबर को प्रबंधन के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता में ठेका मजदूरो के मूलभूत मांगों पर जीत को लेकर संयंत्र के कोक ओवन एवं कोक केमिकल्स विभाग में पूरे संयंत्र के ठेका मजदूरों की विशाल सभा हुई। सभा को संबोधित करते हुए संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस श्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि ठेका मजदूरों की चट्टानी एकता ने एक बार फिर प्रबंधन को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। मेडिकल चेकअप के नाम पर अब कोई भी मजदूर काम से बाहर नहीं होगा। मेडिकल चेकअप अब एक माह पूर्व से नहीं बल्कि तीन माह पूर्व से होगी और अगर किसी मजदूर का मेडिकल रिव्यु होता है तो तीन माह के भीतर हीं उनका रिव्यु करा लिया जायेगा,फिर भी बैक लॉग बढ़ता है तो एक साथ कैम्प लगाकर एक हीं दिन में सभी बैक लॉग को खत्म कर सभी का सेफ्टी ट्रेनिंग कराया जायेगा। सभी मजदूरों को अब मेडिकल जाँच के उपरांत जाँच पर्ची बी.जी.एच. उपलब्ध करायेगा और जरूरत के अनुसार ई.एस.आई.सी. को रेफर करेगा ताकि अगर किसी मजदूर को रेस्ट की जरूरत हो तो उनका वेतन चालू रखते हुए,उन्हें रेस्ट दिया जा सके। ग्रुप इन्सुरेन्स पर भी प्रबंधन ने युनियन एवं मजदूरों की मांग को जायज मानते हुए सहमती जतायी। सभी ठेका मजदूरों के लिए 10 लाख का ग्रुप इन्सुरेन्स होगा। ग्रुप इन्सुरेन्स के अंशदान की राशि बहुत हीं जल्द तय होगी। सिंह ने कहा कि हड़ताल नोटिस में हमारी मुख्य मांग मेडिकल चेकअप के नाम पर मजदूरो की छंटनी रोकने तथा ग्रुप इन्सुरेन्स पर जीत से हम उत्साहित जरूर हैं मगर लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है।

कर्ण समाज के विस्तारीकरण को लेकर की गई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास के होटल यमुना में कर्ण समाज की बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अनिल कुमार कर्ण की अगुवाई में की गई कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर श्री चित्रगुप्त जी महाराज की वंदना से की गई तदोपरांत दिवंगत आत्मा भूपति लाल दास ,भारत के गौरव रतन जी टाटा व अन्य के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई । वही कर्ण समाज की बैठक में कर्ण समाज के विस्तारीकरण को लेकर जरूरी दिशा निर्देश जारी किए गए। कर्ण समाज की सभा में आए हुए सभी लोगों ने अपने अपने राय मशवरा भी दिए । इस कार्यक्रम में कर्ण समागम के नियमावली आगामी कार्यक्रम पर विचार संगठन के निबंध एवं अन्य प्रमुख मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया गया वहीं इस कार्यक्रम के अध्यक्ष अनिल कुमार कर्ण धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम प्रभारी रंजन कुमार कर्ण एवं उप महासचिव अमरनाथ लाल दास द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासचिव मिहिर चंद्र कंठ कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार कंठ, सिद्धेश नारायण लाल दास, संरक्षक विजय शंकर मल्लिक, सीताराम मल्लिक ,डी पी सिन्हा, ऐ के कर्ण,राजेंद्र नारायण मल्लिक एवं अन्य वरिय सदस्य उपस्थित रहे ।

उपायुक्त से कार्यालय में मुलाकात कर जिले की अनेक समस्याओं के संबंध में सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी के नेतृत्व में श्रीमती जाधव विजया नारायण राव उपायुक्त बोकारो से कार्यालय में मुलाकात कर बोकारो जिले की अनेक समस्याओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहां की चास में चेक पोस्ट से आईटीआई मोड़ तक बाईपास रोड का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाए। अंचल कार्यालय चास में जमीन से जुड़े अनेक विवाद लंबित है आग्रह है कि उपायुक्त की अध्यक्षता में त्रैमासिक कैंप लगाकर विवादों का निपटारा किया जाए तथा अंचल कार्यालय में दस्तावेजों का कंप्यूटर कारण करने के दौरान हुई गलतियों को जल्द से जल्द सुधारा जाए ताकि उसे ठीक कराने के लिए आम जनता को भया दोहन से मुक्ति मिल सके।महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने मांग किया की त्योहारी सीजन दीपावली एवम छठ को देखते हुए चास में हो रहे अनियमित विद्युत आपूर्ति के लिए विद्युत विभाग को निर्देश देकर जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति में सुधार कराया जाए। जिससे उद्योग एवम व्यापार की स्थिति बेहतर हो तथा व्यापारियो को राहत मिल सके। बोकारो हवाई अड्डे को चालू करने में आ रही अड़चनों को जल्द से जल्द दूर कर हवाई अड्डे का परिचालन आरंभ कराया जाए। महासचिव ने उपायुक्त महोदय से मांग किया कि सिटी सेंटर में नगर प्रशासन विभाग बोकारो इस्पात संयंत्र के द्वारा साफ सफाई की व्यवस्था की जाती है सिटी सेंटर के सीवरेज लाइन पूरी तरह जाम एवं ध्वस्त हो चुकी है आग्रह है की बोकारो इस्पात प्रबंधन को आवश्यक निर्देश देकर सिटी सेंटर कि सीवरेज लाइनों को जल्द से जल्द ठीक कराया जाए।बोकारो जिला प्रशासन के द्वारा पूर्व में शहरी क्षेत्र एवं सेक्टर में ओपन जिम की स्थापना किया गया था जो लगने के पश्चात किसी प्रकार के मेंटेनेंस एवं रिपेयर के भाव में बेकार हो चुके हैं। उन्हें जल्द से जल्द ठीक कराया जाए। बोकारो में नए उद्योगों की स्थापना के लिए इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना की जाए। दूनदी बाजार हॉट फल एवम सब्जी का एक प्रमुख अंतर राज्य स्तर के बाजार के रूप में स्थापित हो चुका है । लेकिन यहां की सड़के बहुत ही खस्ता हालत में है। बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं जिनसे वाहनों के आवागमन में काफी परेशानी हो रहा है। जगह जगह कचड़ा जमा है।

एक नजर

छात्रों का 13 वें दिन भी सत्याग्रह रहा जारी

रांची : मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने को लेकर सोमवार को 13 वें दिन भी सत्याग्रह जारी रहा। खराब मौसम की वजह से छात्र अदालत स्थगित किया गया। बापू वाटिका सत्याग्रह स्थल से छात्र नेता इमाम सफी ने कहा विवादित सीजीएल परीक्षा रद्द और पारदर्शी परीक्षा होने तक आंदोलन जारी रहेगा। मौसम अचानक बदल जाने के कारण छात्र अदालत स्थगित करना पड़ा। लेकिन छात्रों का चौपाल लगाकर निर्णय लिया गया कि आन्दोलन जारी रहेगा। सर्व सम्मति से निर्णय हुआ कि सभी छात्र नेता और शिक्षक से समन्वय स्थापित कर बहुत जल्द बड़ा आन्दोलन होगा। मौके पर शेख मोहसिन, कहकशां कमाल, चंदन कुमार, कमलेश चौधरी, सोएब आलम, सदाब हुसैन, संतोष कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

छात्रा को महीनों से परेशान करने का आरोप, एफआईआर दर्ज

रांची : बीआइटी मेसरा क्षेत्र की रहने वाली एक प्रतिष्ठित स्कूल की छात्रा को चुटु गांव का युवक अरमान आदिल उर्फ साजन कई महीनों से परेशान कर रहा है। छात्रा के भाई और पिता के जरिये मना करने पर उन्हें जान मारने की धमकी दी। इस संबंध में छात्रा की मां ने सोमवार को बीआइटी मेसरा ओपी में शिकायत दर्ज करायी, जिसके आधार पर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। प्राथमिकी में कहा गया है कि मेरी पुत्री प्रतिदिन ऑटो से स्कूल जाती है तो उक्त युवक मेरी पुत्री को परेशान कर रहा है। छात्रा के पिता और भाई ने अरमान आदिल को समझाने का प्रयास किया तो वह उन्हें जान मारने का धमकी देने लगा। इतना ही नहीं साप्ताहिक बाजार से सब्जी लेकर लौटने दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया। कई बार मना करने के बाद वह नहीं माना और छात्रा का पीछा करता रहता है। अब तो वह छात्रा के ऑटो से बैठने से लेकर स्कूल के पास ऑटो से उतरने तक उसका पीछा करता है। युवक का मोबाइल नंबर का पता लगा कर हमलोग उसे समझाने का प्रयास किये लेकिन वह नहीं माना। आरोप है कि अरमान आदिल आपराधिक किस्म का युवक है और जेल भी जा चुका है। छात्रा की मां ने प्राथमिकी में लिखा है कि लगातार पीछा करने से उनकी पुत्री हमेशा दहशत में रहती है और काफी डरी-सहमी है। छात्रा के परिवार वालों ने पुलिस से उक्त युवक पर कार्रवाई करने की मांग की है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

चर्च में चोरी का प्रयास, कई कीमती सामानों को तोड़ा

रांची : बरियातू रोड स्थित सेवेंथ डे एडवेंटिस्ट चर्च में अपराधियों ने चोरी करने का प्रयास किया। इस दौरान अपराधियों ने चर्च में रखे कई कीमती सामानों को तोड़ दिया। दानपेटी में रखे पांच-छह सौ रुपये भी ले गये। इस संबंध में चर्च के इंचार्ज कोर्नेलियस मुर्मू ने सदर थाना में सोमवार को प्राथमिकी दर्ज करायी है। इसमें उन्होंने कहा कि अपराधी चर्च के मेन गेट का ताला तोड़ कर अंदर घुसे और सारा सामान को उलट-पलट कर दिया। इस दौरान चर्च के अंदर रखे माइक, कैमरा का की-बोर्ड, स्पीकर, प्रोजेक्टर, टेबल, एम्लीफायर का की-बोर्ड आदि को तहस-नहस कर दिया। दान पेटी को तोड़ कर उसमें रखे रुपये ले गये। साथ ही बाइबल, गाना की किताब आदि को भी क्षति पहुंचायी। आरोप है कि एक समुदाय विशेष की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए ऐसा किया गया। मुर्मू ने सदर पुलिस से मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा दूसरे दिन भी ठप कर्मचारियों ने घेरा स्वास्थ्य मंत्री का आवास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में एंबुलेंस सेवा दूसरे दिन भी ठप रहा। एंबुलेंस ठप हो जाने से मरीजों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एंबुलेंस कर्मचारी वेतन भुगतान न होने से नाराज हैं और हड़ताल पर चले गए हैं। इससे राज्य में संचालित करीब 500 एंबुलेंस का परिचालन बंद हो गया है। सोमवार को सैकड़ों कर्मचारियों ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के मोरहाबादी स्थित आवास का घेराव किया। कर्मचारियों का कहना है कि जब पुरानी कंपनी मेसर्स जिकित्जा हेल्थ केयर लिमिटेड की जगह पर सिकंदराबाद की कंपनी इएमआरआइ ग्रीन हेल्थ सर्विसेज काम कर रही थी। निविदा समाप्त होने पर मेसर्स जिकित्जा ने दो महीने का वेतन नहीं दिया है। वहीं इएमआरआइ ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की भी निविदा समाप्त होने पर नयी एजेंसी मेसर्स सम्मान फाउंडेशन को काम सौंपा गया है। कर्मचारियों को भय है कि एजेंसी के बदलने के बाद सितंबर माह का वेतन भी लंबित नहीं हो जाये। वहीं उनका कहना है कि उन्हें पीएफ की सुविधा भी नहीं मिलती है। काम करने का कोई समय नहीं है, 12 घंटे की ड्यूटी होने के बावजूद उन्हें अधिक समय तक काम करना पड़ता है। वहीं कर्मचारी स्थाई करने की भी मांग कर रहे हैं। उनका कहना है, जब तक उनकी मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे।

बता दें कि राज्य में इस एजेंसी से करीब 1500 कर्मचारी जुड़े हुए हैं। शनिवार को ही एजेंसी से जुड़े कर्मचारियों ने काम प्रभावित करना शुरू कर दिया था। लेकिन इसका असर रविवार से पड़ने लगा। वहीं इएमआरआइ ग्रीन का 40 करोड़ रुपये भी बकाया है। जिसके भुगतान के लिए स्वास्थ्य विभाग से लगातार पत्राचार चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा सांसद कालीचरण सिंह से रिम्स में मिले मुख्यमंत्री, ली स्वास्थ्य की जानकारी

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को रिम्स पहुंचे, वहां उन्होंने कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में इलाजरत चतरा सांसद कालीचरण सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनसे बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री रिम्स के पेइंग वार्ड में भर्ती गुवा गोलीकांड के शहीद वंशज (पश्चिमी सिंहभूम जिले के नुवामुंडी निवासी) दुरगुरिया सिरका के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली तथा उनसे बातचीत कर उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने सांसद कालीचरण सिंह एवं शहीद वंशज दुरगुरिया सिरका के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने इलाजरत अन्य मरीजों से भी मुलाकात की तथा उनका कुशलक्षेम पूछा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि रिम्स प्रबंधन पूरी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने उपस्थित चिकित्सकों को सभी मरीजों का बेहतर इलाज एवं जरूरी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बारह पड़हा जतरा पूजा सात नवम्बर को

रांची : बारह पड़हा जतरा पूजा समिति मिसिर गोंदा के तत्वावधान में जतरा पूजा की तैयारी लेकर सोमवार को एक बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मौजा के पाहन बिरसा पाहन ने किया और संचालन कृष्णा उरांव ने किया। मौके पर बिरसा मुंडा ने कहा कि इस वर्ष 07 नवंबर को बारह पड़हा जतरा पूजा का आयोजन होगा । जतरा एवं अखड़ा स्थल में पाहन एवं कोटवार के जरिये विधिवत रूप से परंम्पारागत रीति रिवाज, विधि-विधान, 12 मुर्गों की बलि प्रथा और धार्मिक कर्मकाण्ड से पूजा-अर्चना होगी। समिति के अध्यक्ष कृष्णा उरांव ने कहा कि जतरा पूजा की तैयारी को लेकर 12 गांवों के पाहन के साथ बैठक हुई। इस बार भी रीति-रिवाजों के साथ जतरा पूजा सम्पन्न किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से पड़हा महतो राजा संदीप उरांव, जयपुर मौजा के पिंकल गाड़ी, भीठा मौजा के सोनू पाहन, कोंगे जयपुर के निर्मल पाहन, रंजीत पाहन, हथिया गोंदा के लाखों उरांव, मतलु कच्छप, पतरा गोंदा के लखन मुंडा, चंदवे के विनोद पाहन, सुजय पाहन, टिकली टोली के डब्लू मुंडा, गोलु मुंडा, समिति के अध्यक्ष कृष्णा उरांव, सचिव मुकेश लकड़ा, कोषाध्यक्ष ललित लिंडा, संरक्षक देवनारायण उरांव, जगन्नाथ उरांव , मंगा उरांव और सुरेश टोप्पो सहित अन्य मौजूद थे।

एचईसी को हर हाल में बचाना है : अजय नाथ शाहदेव

रांची : पिछले दस महीनों से लगातार संघर्षरत एचईसी सप्लाई कर्मियों के आंदोलन में सोमवार को कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव शामिल हुए। अजय नाथ शाहदेव ने उपस्थित कर्मियों से कहा कि उनके न्याय की लड़ाई में वे भी कदम से कदम मिलाकर साथ खड़े हैं। यह बेहद दुखद है कि पर्व त्योहारों के समय भी उन्हें कई महीनों के वेतन से वंचित किया गया है। 1622 सप्लाई कर्मियों का परिवार आज भुखमरी के कगार पर आ गया है। उन्होंने मौके पर एचईसी प्रबंधन से टेलीफोनिक वार्ता कर यथाशीघ्र मुद्दे के समाधान को लेकर वार्ता की है। पिछले दिनों एचईसी प्रबंधन द्वारा बगैर साइन किए गए एकतरफा सुलह पत्र को वायरल करने और समाचार में प्रकाशित होने पर सभी आंदोलनरत कर्मी खफा थे। उन्होंने एचईसी प्रबंधन से कहा है कि अपना हठ छोड़ें और एचईसी को बचाने व मजदूर हित में यथाशीघ्र मामले का समाधान करें। मौके पर मजदूर नेता रंथू लोहार, दिलीप सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में एचईसी कर्मी उपस्थित थे।

श्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा के अवसर पर कल होगा कार्यक्रम

रांची : श्रीश्याम मित्र मण्डल द्वारा हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर खाटूनरेश का विशेष पर्व उत्सव आयोजित बुधवार 16 अक्टूबर को विविध कार्यक्रमो के साथ होगा। श्रीश्याम मित्र मण्डल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि खाटूधाम के श्रीश्याम मंदिर की परम्परा के अनुसार ही हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा उत्सव होगा। श्री नारसरिया ने बताया कि इस दिन मुख्य समारोह रात्रि 9 .00 बजे प्रारंभ होगा, जिसमें खाटूनरेश की अखण्ड पावन ज्योति प्रज्वलित करके भजन संकीर्तन की शुरूआत होगी। श्री परितोष, एवं मिनी प्रीतम भजनों का संगीतमय गायन करने के लिए आ रही है। श्री खाटूनरेश सहित श्रीश्याम मंदिर में विराजमान देवी देवताओं को वस्त्र, विशेष श्रृंगार श्वेत (सफेद) रहेगा। राजनीगंधा, गुलाब, कोरोनेशन, आर्किड, मोती आदि के सफेद फूलों की मोटी-मोटी फूल मालाओं से विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इस दिन सभी के आभूषण भी श्वेत (सफेद) होंगे। प्रसाद भी लगभग सफेद ही रहेगा। खीर - पुड़ी व हरा मिरचा की लुंजी, श्वेत काजू मेवा , श्वेत नारियल का भोग अर्पित किया जाएगा। वर्ष भर सिर्फ एक बार गर्भगृहो में भी सफेद लाईट जलेगी। कोलकाता - बेंगलोर से फूल मालायें आ रही हैं। मण्डल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में भजन- संकीर्तन का कार्यक्रम होगा। देर रात तक भजनों का कार्यक्रम चलेगा। सभी तैयारी जोरों से चल रही है। एक भक्त परिवार द्वारा सभी कार्यक्रम की सेवा अर्पित की जाएगी। प्रातः कालीन सामान्य क श्रृंगार होगा। विशेष श्वेत श्रृंगार का दर्शन भक्तजन सायं 5 बजे के उपरांत किया जा सकता है। खाटूधाम की परम्परा के अनुसार खाटूनरेश के गर्भगृह से प्राकृतिक पंखा इसी दिन हटाया जाएगा। मण्डल के अध्यक्ष अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्रवण ढाढ़निया, प्रदीप राजगढ़िया, श्यामसुंदर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू, पंकज गाड़ोदिया, अनिल नारनोली, स्नेह पौदार, रौनक पौदार, संजय सराफ, अरविन्द सोमनी, अभिषेक सरावगी, निखिल नारनोली सहित अनेक कार्यकताओं का शरद पूर्णिमा उत्सव की दायित्व दिया गया है। खाटूनरेश के सभी भक्तों से निवेदन है बुधवार को सायंकाल के बाद दर्शन करने एवं रात्रि 9 बजे से होने वाले भव्य भजन संकीर्तन समारोह में अवश्य पधारें।

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी ने विधानसभा चुनाव को लेकर की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी की सोमवार को रांची के दलादिली स्थित प्रदेश पार्टी कार्यालय में हाई लेवल की बैठक आयोजित की गयी। पार्टी के संयोजक मनोज कुमार, राष्ट्रीय सचिव विजय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष शिव उरांव ने बैठक में पार्टी के जरिये प्रदेश में चल रही आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा की। इस दौरान भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़न पर रोक, मानव तस्करी, पलायन तथा सहारा इंडिया, एपीलाईन, साईं प्रकाश, वेलफेयर, पल्स, विश्वामित्र, इत्यादि दर्जनों नॉन बैंकिंग कंपनी में लोगों के जमा पैसे के जल्द भुगतान की मांग जैसे राज्यहित की मांगों को विधानसभा में जोरदार तरीके से उठाने एवं समाधान निकालने के लिए पार्टी के जरिये घोषित प्रत्याशियों को राज्य की जनता से चुनाव जीता कर विधानसभा भेजने की अपील की गई। साथ ही पार्टी के जरिये झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए दूसरी सूची 21 अक्टूबर को जारी करने के लिए प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक में मुख्य रूप से मैंना उरांव, सुखदेव कुमार, आदित्य सिंह, जोहन एक्का, बसंत बड़ाईक उपस्थित थे।

रांची शहर नागरिक मंच की बैठक में जन समस्याओं पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में शीघ्र ही विधानसभा चुनाव होने वाला है। चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों ने लोगों के लिए घोषणा पत्र तैयार करने और जीतने पर विभिन्न तरह की सेवाएं दिए जाने का भरोसा दिलाना शुरू कर दिया है। इस संबंध में रांची शहर नागरिक मंच ने सोमवार को देवी मंडप के समीप बैठक की। मंच लोगों को चुनाव के प्रति जागरूक कर रही है।

मंच के अमृतेश पाठक ने बताया कि झारखंड में विभिन्न राजनीतिक दलों के जरिये मुफ्तखोरी और निकम्मेपन को बढ़ावा देने के लिए अनाप-शनाप घोषणाएं की जा रही हैं। लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दल अपनी अपनी ओर से राजकीय कोष को लूटने और लूटाने को तैयार हैं। टैक्स पेयर और आम जनता की गाढ़ी कमाई से जमा टैक्स का सदुपयोग करने की बजाय रेवड़ियां बांटी जा रही हैं। एक होड़ मची है कि कौन कितना ज्यादा लूटा सकता है। कोई यह बताने को तैयार नहीं है कि लूटाने के लिए पैसे किस प्रकार से और कहां से आएंगे। वर्तमान में किन किन योजनाओं की राशि काटी गई है, कौन कौन से विकास कार्य रोके जा रहे हैं, इसे सत्तापक्ष भी बताना नहीं चाह रहा। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि रांची राजधानी होने पर यहां इतनी समस्याएं क्यों हैं। आज तक बेहतर सड़क, 24 घंटे बिजली, शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से भी राजधानी रांची निवासी वंचित हैं। अव्यवस्थित शहरीकरण से बारिश में पूरा रांची डुबा रहता है। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को आज तक जन उपयोगी नहीं बनाया गया। एक भी बड़े उद्योग-धंधे स्थापित नहीं हुए। बड़े तामझाम से बाहरी निवेश का दावा हवा हवाई साबित हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार पलायन हो रहा है। लोग रोजी रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए बाहर निकल रहे हैं। खेतों को सिंचाई के लिए एक योजना धरातल पर नहीं उतरी। महिलाओं को प्रशिक्षित कर स्वावलंबन और आत्म सम्मान से उपार्जन के उपाय करने की बजाय उन्हें मुफ्तखोर की संज्ञा दिलवा कर अपमानित किया जा रहा है। बैठक में राजीव झा, डॉ सत्यप्रकाश मिश्रा, राजकुमार वर्मा सहित अन्य भी उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट का ईडी को निर्देश, मधु कोड़ा मामले में हाई कोर्ट जाए एजेंसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में ट्रायल पर लगी रोक हटाने के लिए ईडी को हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया है। दरअसल ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर झारखंड हाईकोर्ट द्वारा 8 नवंबर 2023 को पारित उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोप तय करने के खिलाफ कोड़ा की याचिका को स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट को आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की याचिका की सुनवाई के लिए 25 नवंबर की तारीख तय की है। हाईकोर्ट को यह निर्देश दिया कि वह ईडी द्वारा याचिका दायर किए जाने के सात दिनों के भीतर याचिका पर विचार करें।

मिल्लत एकेडमी स्कूल के पूर्ववर्ती छात्रों ने किया रक्तदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मिल्लत एकेडमी स्कूल पूर्ववर्ती छात्रों के द्वारा तस्लीम महल, रांची में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। इसमें 14 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदान से मिले रक्त को नागरमल मोदी सेवा सदन, रांची को समर्पित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिल्लत एकेडमी स्कूल के पूर्व प्राचार्य शमीम खान सर थे। विशिष्ट अतिथि इमारत-ए-शरिया झारखंड/बिहार एवं ओडिशा के जिम्मेदार एवं रहमानिया 30 के निदेशक मौलाना डॉ फहद रहमानी साहब, मिल्लत के पूर्व प्राचार्य अंजुम सर, पूर्व शिक्षक मौलाना डॉ ओबैदुल्लाह कासमी, समाजसेवी एवं डॉ असलम परवेज, डॉ उजैर अजीज, शहर काजी कारी जान मोहम्मद मुस्तफी, मिल्लत पंचायत के सदर जावेद अख़्तर, मरहबा के महासचिव मो नेहाल, जमीतुल मोमिनीन पंचायत रांची के सदर मो जबीउल्ला, मोमिन पंचायत रांची के रज्जाक अंसारी एवं झारखंड के जूनियर राइफल शूटर यासीन अली शामिल थे।

मिस्बाह उद्दीन, ओसामा, नाशित हमीदी, मो अर्शदुल्लाह, जावेद हुसैन, सैफ नईम, अब्दुल गफ्फूर साजली, काशिफ नाबिल, कन्वेनर जुबैर खान, कोषाध्यक्ष तबरेज अजीज, अनस गुलजार, शरीम शकील, तनवीर अहमद एवं जावेद अहमद ने रक्तदान किया।

पुण्यतिथि के अवसर पर डोरण्डा स्थित शहीद देवेंद्र मांझी की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड आंदोलनकारी महासभा, आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच एवं शहीद देवेंद्र मांझी फाउंडेशन के तत्वाधान में शहीद देवेंद्र मांझी के पुण्यतिथि के अवसर पर डोरण्डा स्थित शहीद देवेंद्र मांझी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। माल्यार्पण महासभा के अध्यक्ष राजू महतो एवं आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक एवं शहीद देवेंद्र मांझी फाउंडेशन के सचिव प्रवीण केरकेट्टा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासभा के अध्यक्ष राजू महतो ने कहा की झारखंड अलग राज्य का निर्माण लंबे त्याग और संघर्ष संघर्ष के साथ- साथ अनेकों कुर्बानियां दी गई तब जाकर राज्य का निर्माण हुआ। शहीदों के श्रृंखलाओं में शाहिद देवेंद्र मांझी का नाम सर्वोपरि है उन्होंने झारखंड के आदिवासी मूलवासी जनता के लिए के लिए जल जंगल जमीन की लड़ाई एवं उनके मालिकाना हक दिलाने की लड़ाई लड़ी आज भी अलग राज्य निर्माण के 24 वर्ष बाद आदिवासी मूलवासी जनता का भावना के अनुरूप एवं शाहिद देवेंद्र मांझी के सपनों का झारखंड नहीं बन पाया है और ना ही अलग राज्य निर्माण के इस महान सपूत को अभी तक शाहिद का दर्जा नहीं दिया जाना अत्यंत शर्मनाक है। श्री महतो ने सरकार से मांग की है शाहिद देवेंद्र मांझी को सरकारी स्तर से शहिद का दर्जा अभिलंब दिया जाए एवं शाहिद देवेंद्र मांझी का गगनचुंबी प्रतिमा स्थापित किया जाए। इस अवसर पर आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय श्री विजय शंकर नायक ने कहा कि झारखंड के इस वीर सपूत ने अपनी प्राणों की आहुति देकर बलिदान देने का एक मिसाल कायम किया है जिसे झारखंड की जनता कभी भी नहीं भूल सकती है और झारखंड में आदिवासी मूलवासी जनता के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सब कृत संकल्प हैं और यही शहिद देवेंद्र मांझी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्री नायक ने आगे कहा कि अगर राज्य की सरकार शहिद देवेंद्र मांझी का आदमकद प्रतिमा नही लगाती है तो आने वाले दिनो मे आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच की ओर से एक भव्य और विशाल आदमकद प्रतिमा देवेन्द्र मांझी चौक मे वीर शहीद देवेन्द्र मांझी का लगाया जायेगा। इन्होने चौक का भी अविलंब सुंदरीकरण की मांग किया क्योंकि मेकन ब्रिज के निर्माण के दौरान चौक जहां तहां से क्षतिग्रस्त हो चुका है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के सचिव परवीन केरकेट्टा ने कहा कि शहिद देवेंद्र मांझी के सपनों को साकार करने के लिए हम सभी उनके बतलाए मार्ग में चलने को हमेशा अग्रसर रहेंगे। इसमें कोई कोर कसर नहीं रहेगा कार्यक्रम में बिरसा मुंडा, गुमड़ा उरांव, विधु उरांव, विजय उरांव, ढूंढे प्रधान, गगन महतो, संजू राणा मुंडा, यासीन अंसारी, सुनील कुमार, राणा जफर अली कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

रामलीला का बदलता स्वरूप समाज के लिए खतरा

विनोद कुमार सिंह

एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है। एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

आप में से यहाँ कोई राम है?

दिल्लीवासियों का सम्बन्ध राम लीलाओं से काफी ही पुराना है। जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का ऐतिहासिक। रामलीला मैदान है। जिसके जुड़ी हुई कुछ किस्से आज भी सुनने को मिलती रहती है। पिछले दिनों दिल्ली व एन सी आर राम भक्तों व रामलीलाओं मंचन व जयश्री राम व हर हर महादेव के नारे से पुरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दिल्ली व एन सी आर वाले शाम होते हीअपने परिवार के सदस्यो के संग रामलीला का आनंद लेने घर से निकल पड़ते थे। मुझे भी कुछ रामलीलाओं को अवलोकन का सुअवसर मिला। इस दौरान मुझे एक जिज्ञासु व दर्शक की पैनी नजर से रामायण के कई पात्रओ के बारे में बारीकी से जानने का अवसर मिला। रामलीलाओं स्थलों व मंचों के कई क्षण व दृश्य ऐसे आयें जिसने मुझे ना प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने को मजबूर कर दिया। इन में दो उल्लेखनीय पहलू है। रामलीला कर राम -रावण युद्ध का प्रसंग। आप को बता दें राम -रावण का युद्ध काफी ही शिक्षाप्रद व रोचक है। आज रामलीलाओं में मर चुका है रावण का शरीर,सुनसान है किले का परकोटा,चारो दिशाओं में उदासी पसरी है,किसी के घर में नही जल रहा दीया। विभीषण के घर छोड़ कर सागर के तट पर बैठ है विजय श्री राम। विभीषण को लंका का राज्य पाठ सौंपते हुए ताकि सुबह हो सके निंविघ्न राज्याभिषेक,स्वयं राम लक्ष्मण से पुछते अपने सहयोगियों के कुशल क्षेम,चरणो में हनुमान बैठे। लक्ष्मण मन से क्षुब्द है। भ्राताश्री राम सीता माता को अशोक बाटिका मे क्यों नही लेने जाते है।

विभीषण का राज्याभिषेक हो गया है। लंका में राम प्रवेश कर एक भव्य भवन पहुंच गये है। हनुमान को अशोक वाटिका में संदेश देने भेजते है कि रावण मारा गया है और अब विभीषण लंकापति है। हनुमान का यह संदेश सुनकर माँसीता खामोश है,निहारती है उस रास्ते को। उनके मन में प्रश्न उठते है कि रावण का वध करते ही बनवासी राम,राजा राम बन गये क्या। लंका पहुंच कर वे क्यूं नही जानना चाहते है,एक वर्ष कहाँ रही सीता,कैसे रही उनकी सीता। माँ सीता के नयनों से अविरल बहते हए अश्रुधार। ना राम भक्त हनुमान नही समझ पाते, ना रामायण के रचयिता बाल्मिकी कह नही पाते है। माँ सीता आज सोचती है कि अगर राम आते मै उन्हें यहाँ के परिचायिकाओं से, जिन्होने रावण के आदेश पर मुझे भयभीत तो किया,लेकिन नारी के पूर्ण गरिमा प्रदान की,वे रावण की अनुचरी थी लेकिन मेरे लिए माताओं के समान थी। अगर स्वयं राम आते यहाँ मै उन्हें इसे मिलवाते,यहाँ के अशोक के वृक्षों से जिन्होंने मुझे अपने विश्वास पर अड़े की आपर शक्ति देती रही,यहाँ की पुष्प व लताओं से जिन्होनें उनकी सीता कीआँसुओं को ओंस के कणों की तरह सहेज कर रखा। लेकिन वे अब तो वे राजा राम है कैसे आते अपनी सीता को लेने के लिए। देखते देखते कई पहर बीत गए,लंकापति विभीषण के नेतृत्व में माता सीता जी का श्रंगार की गई। भव्य पालकी मे बैठी हुई माँ सीता आज मन मन सोच रही है कि राजा जनक जी ने उन्हें इसी तरह से घर से विदा किया था। तभी वातावरण में स्वर गुंजता है कि सीता को मेरे पास पैदलआने दो। भुमि सुता माँ सीता जमीन पर कॉपती हुई चलते मन में ज्वलंत प्रशन उठते है कि मैंने स्वयंवर में जिसका वरण किया था क्या ये वही है यह पुरुष,जिसके प्रेम में अयोध्या का महल छोड़ कर उनके संग वन वन भटकी थी। हाँ रावण नें गोद मे उठाया था। मुझसे क्या था प्रणय निवेदन वह स्वयं में राजा था,चाहता तो बल पूवर्क ले जाता राजमहल में,लैकिन उसने मेरे स्त्रीत्व का अपमान कभी नही किया। रावण के विषय में सही जानकारी से आज बहुत लोग अपरिचित है। रावण कौन था,क्या रामायण का एक पात्र मात्र था आपके मन में भी कुछ ऐसे सवाल होंगे तो मै बता दूँ कि रावण एक महाज्ञानी,महा पराक्रमी और महाबलशाली था। रावण चारों वेदों का जानकार था। वह धरती पर मौजूद सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक था। हालांकि उसके अहंकार के कारण उसका अंत हुआ। रावण भगवान शिव का परम भक्त था और उसे यह बरदान था कि कोई भी देवी-देवता का उसका अंत नहीं सकता। यही कारण है कि रावण का वध करने के लिए भगवान विष्णु को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा। भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। रावण के अंत से पहले भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच कई दिनों तक युद्ध चला। धर्म और अधर्म के बीच हुआ यह युद्ध कितने दिनों तक चला,इस बार में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया। युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी। जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया। इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था। अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ। रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे। शास्त्रों के अनुसार रावण की सेना में करोड़ो लोग थे,बावजूद इसके भगवान श्रीराम और उनकी वानर सेना ने बहुत पराक्रम के साथ युद्ध किया और श्रीराम ने रावण का अंत कर दिया। सिर्फ रावण ही नहीं बल्कि उसकी सेना में ऐसे कई पराक्रमी योद्धा थे,जिन्हें किसी मनुष्य के लिए हराना असंभव था। इसलिए भगवान विष्णु के अवतार के साथ-साथ भगवान शिव और अन्य देवताओं ने भी अवतार लिए थें। श्रीराम-रावण के युद्ध में रावण के चार भाइयों कुम्भकर्ण,खर,दूषण और अहिरावण ने हिस्सा लिया था। इनमें से अहिरावण का अंत हनुमानजी ने किया था जबकि बाकी तीन भाइयों का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। युद्ध में रावण के सात शूरवीर पुत्र भी उतरे थे। इनमें से मेघनाद, प्रहस्त और अतिकाय का अंत लक्ष्मणजी ने किया जबकि नरान्तक, देवान्तक और अक्षय कुमार का अंत हनुमान के हाथों हुआ। रावण के एक पुत्र त्रिशिरा का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। आगे की कथा आप सभी स्वयं जानते है-स्वयं सीता को अग्नि परीक्षा तक देने पड़ी राम,सीता व लक्ष्मण अयोध्या लौटे,नगर वासियों नें दिवाली मनाई थी। आप सभी भी दिवाली मनाने की तैयारी में जुट गए होगें। मै उदास हूँ,कुछ सोचने को मजबुर हो गया हूँ दशहरे की रात से। देश की राजधानी में रामलीला मंचन व मंच से लेकर रावण को जलाने के जशन में समाज की जानी हस्तियों ने ना सिर्फ शिरकत की बल्कि अपने को गौरवान्वित महसुस कर रहें। आज जिसने भी जलाई है क्या उसमें से किसी में मयार्दा पुरुषोत्तम राम के गुण थें क्या। चाहे वे केन्द्रीय मंत्री हो,मुख्य मंत्री हो या राजनीतिक दलों के राजनेता हो,समाजसेवो हो यहाँ तक कई संवैधानिक पदों पर आसीन माननीय-सम्मानीय हो या फिहस्तियाँ हो,कोई भी हो व्यक्ति हो या जिसने भी रावण दहन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया हो उनको लेकर मेरे मन में बार वह बार एक सबाल पूछ रहा है। यहाँ आपमें से कोई राम है क्या। मुझे तो यहाँ कोई भी राम नही मिला। वही दूसरी तरफ रामलीला आयोजक की व्यवस्था पर भी कई सवालिया निशान उठता है। रामलीला स्थलो की व्यवस्था,मंच के बाहर अव्यवस्थित पाकिंग,अस्थाई रूप से बनाई चारदीवारी पर पान मासला अन्य विज्ञापन सम्बन्धी विशालकाय पोस्टरों,रामलीला में आने जाने दर्शकों के मन जरूर दुष्प्रभाव सरकारी महकमे के आल अफसरों की उपस्थिति,दिल्ली पुलिस,आदि के साथ लाला जी का फोटो से व्यापार व रुतबा में स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ता है। आयोजको का ध्यान रामलीला के सरकारी व सार्वजिक स्थान के लिए उपलब्ध कराई जाती है। जहाँ पर केन्द्र सरकार राज्य सरकार,कई स्वायत संस्थानों को रियायती दरों पर बिजली पानी,सुरक्षा व्यवस्था,मैदान उपलब्ध कराई जाती है। आयोजको द्वारा रामलीला मंचन के लिए चंदे से बड़ी रकम उगाई की जाती है। जिसका कोई हिसाब किताब कोई आडिट रिपोर्ट होती है या नही । भगवान ही जाने। एक रामलीला मंच में आयोजकों के द्वारा अपने लिए शीश महल की शान शौकत उपलब्ध थीं हद तो तक हो जब - भगवान श्री राम की प्रतिमा-खुले मैदान में स्थापित किया गया। इतना ही नही - हिन्दु देवी देवताओं की प्रतिमा को जमीन पर कुछ रखी गई थी लाला जी व उनके परिवार व मित्र परिजनों की आलीशान महलों में शीसें अन्दर - खान पान की व्यवस्था,फोटो सुट प्राईवेट प्रचार प्रसार के लिए कथाकथित झोला छाप आई -माईक लेकर मीडिया कर्मियों का खास इंतजाम था। फोटो सूट आदि व्यवस्था की गई थी। जो कि साधारण व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ रामलीला देखने को आते है। सबसे पहले उन्हें यहाँ प्रवेश के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। जैसे तैसे वह पहुंचते है फिर आयोजकों के प्राईवेट सिक्युटी गार्ड जिसे आयोजको अपने मित्र व परिजनों की आव भगत - शान शौकत रखी गई है। वे आम जनता को प्रताड़ित करने से नही चुकते है। ऐसे में अपने स्वभाव के मुताबिक तीरक्षी नजर अगर आप को कोई राम दिखे तो हमे भी बतायेगा जरूर। एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है। एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

संपादकीय

हत्या से सनसनी

मुंबई के बांद्रा ईस्ट में अज्ञात व्यक्तियों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की कार से आए तीन लोगों ने नजदीक से गोली मार कर हत्या कर दी। गोली लगने के बाद गंभीर रूप से घायल बांद्रा पश्चिम से तीन बार विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री रहे सिद्दीकी को पास के लीलावती अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने सुपारी हत्या की शंका जताई है। हमलावरों में से दो को लोगों ने मौके पर ही दबोच लिया। सिद्दीकी 40 साल कांग्रेस में रह चुकने के बाद हाल में कांग्रेस छोड़कर राकांपा (अजीत) में शामिल हुए थे। उनका पुत्र विधायक है। जिस तरह से इस घटना को अंजाम दिया गया है, उससे राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ी हालत का पता चलता है। विपक्ष भी सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार और खास तौर पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस पर हमलावर है, जिनके पास गृह विभाग भी है। चर्चा है कि हत्या को गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के गुर्गो ने अंजाम दिया है। गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई ने अभिनेता सलमान खान को भी धमकी दे रखी हैङ्क और बाबा सिद्दीकी सलमान खान के काफी करीबी थे। पुसिल हर कोण से घटना के तार जोड़ने में जुट गई है, और महाराष्ट्र पुलिस के तेजतर्रार अफसरों को इस काम में लगाया गया है। भले ही इस घटना में कोईराजनीतिक एंगल दिखाई न पड़.रहा हो लेकिन इसके राजनीतिक असर से इनकार नहीं किया जा सकता। जल्द ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं, और इस प्रकार घर के बाहर हमलावर बेखौफ हत्या को अंजाम देने में सफल हो जाते हैं, तो निश्चित ही कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े.होंगे। लॉरेंस विश्नोई गैंग ने जिस तरह से एक के बाद एक हरकत से पुलिस को चुनौती दी है, उससे जरूरी हो गया है कि पुलिस सख्ती दिखाए। इसलिए पुलिस भी सख्ती दिखाना चाहती है। कुछ समय पहले सलमान खान के घर के बाहर भी रैकी करते हुए लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गे पकड़े.गए थे। अंड़रवर्ल्ड.के 87 से ज्यादा गैंगस्टर्स को मार गिराने और कई सरगनाओं का सफाया करने वाले एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक को बाबा सिद्दीकी हत्या मामला सौंपा गया है। दरअसल, जरूरी है कि गैंगस्टर्स को काननू-व्यवस्था पर, चुनाव से ऐन पहले तो कतई नहीं, हावी न होने दिया जाए। आमजन का कानून-व्यवस्था पर विश्वास बना रहना जरूरी है, और ऐसा गुंड़ा और अराजक तत्वों पर शिकंजा कसकर ही किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दुसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है।.....

मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

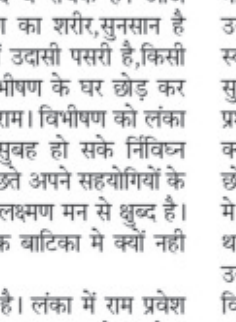

संजय गोस्वामी

डॉ. कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था. वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिडेंट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे।

एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ। अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल यार्नी स्ट के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े। अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका। 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, ऌक्व् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए। इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे।ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई. आई. आई. टी. हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए ह्व्हाट कैन आई गिवह्न पहल की शुरूआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 - 2004) ह्यएम.टी.वी. यूथ आइकॉन ऑफ द इयर अवार्डह्न के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म ह्यआई ?म कलामह्न उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं। जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही।इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई ! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देते। ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे। 27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रह पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6:30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई।जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए।

हरित ऊर्जा : सस्ती प्रौद्योगिकी वक्त की मांग

अजय प्रताप तिवारी

बढ़ती जनसंख्या, घटते संसाधन न सिर्फ मानव जीविका को प्रभावित करते हैं, बल्कि इनसे ऊर्जा संसाधन भी प्रभावित होते हैं। आज वैश्विक स्तर पर घटते ऊर्जा स्रोत के समाधान की तलाश में सभी देश अपने-अपने स्तर पर काम कर रहे हैं। ऊर्जा की बढ़ती मांग और जीवाश्म ईंधन के दहन से ग्रीनहाउस गैसों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे जलवायु परिवर्तन की घटनाएं बढ़ रही हैं।

ग्रीनहाउस गैसों को कम करने तथा ऊर्जा की मांग को पूरा करने में हरित ऊर्जा कारगर साबित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट (2024) के अनुसार अगले तीन वर्षों में दुनिया भर में बिजली की मांग बढ़ेगी। इसे पूरा करने तथा पर्यावरणीय प्रभाव कम करने के लिए हरित ऊर्जा की ओर दुनिया देख रही है। भारत सौर ऊर्जा, जलीय और पवन ऊर्जा पर काफी जोर दे रहा है। भारत में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। सौर ऊर्जा को बढ़ावा और ऊर्जा संबंधी समस्याओं को कम करने के लिए पीएम सूर्य घर योजना को सरकार प्रोत्साहन दे रही है।

योजना के अंतर्गत एक करोड़ परिवारों को 300 यूनिट तक खे बिजली प्रदान की जाएगी। योजना का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में बिजली की समस्या खत्म करना तथा सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करना है। योजना केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रहा है। इस योजना की खास बात यह है कि इसके तहत एक सोलर पैनल लगवाने के बाद कई वर्षों तक बिजली की मुफ्त आपूर्ति मिलती रहेगी। यह योजना आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से लाभदायक है। देश के आर्थिक विकास और उन्नति में ऊर्जा का महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। देश में ऊर्जा के विभिन्न आयामों को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन भी होता है। आने वाले कुछ वर्षों में एनर्जी सेक्टर में स्किल्ड वर्करों की मांग बढ़ेगी। भारत में बिजली समस्याओं से छुटकारा पाने में पीएम सूर्य घर योजना कारगर साबित हो रहा है लेकिन इसके समक्ष चुनौतियां कम नहीं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली भंडारण के लिए पूरी तरह से बैटरियों पर निर्भर होना पड़ता है, जो महंगी होती है तथा बैटरियों का सीमित जीवनकाल होता है, जिस वजह से बार-बार बदलना बड़ी समस्या बन सकती है। सौर ऊर्जा परिवर्तनशील और अनियमित प्रकृति की है। इसका एकमात्र हल भंडारण ही है। वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा का भंडारण प्रति वर्ष 23 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

अमेरिका और चीन में सौर ऊर्जा भंडारण सबसे ज्यादा है जबकि भारत में भंडारण की क्षमता सौर ऊर्जा उत्पादन से बहुत कम है। भारत वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में तीसरे स्थान पर होने की संभावना है, लेकिन अक्षय ऊर्जा भंडारण में विश्व में शीर्ष पांचवां देश होगा। सोलर पैनल्स का औसत जीवनकाल 20-25 वर्ष होता है, लेकिन समय के साथ इनकी उत्पादन क्षमता घटने लगती है, इन्हें बदलने की आवश्यकता होती है, इसलिए भविष्य में अधिक निवेश की आवश्यकता होगी।

भारत में सोलर पैनल और अन्य उपकरणों की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, जो आमजन के लिए आर्थिक बोझ हो सकता है, भले ही सरकार सब्सिडी दे रही हो लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक किल्लत बड़ी समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सिडी मिलने में देरी और सब्सिडी की जटिल प्रक्रिया होने से सोलर पैनल्स में निवेश करने से लोग हिचकिचाते हैं। लोगों में सोलर पैनल्स की तकनीकी जानकारी की भी कमी है, जिससे वे इस योजना के लाभ समझ नहीं पाते। सोलर पैनल्स के प्रदर्शन पर जलवायु परिवर्तन का भी प्रभाव पड़ सकता है। मौसम में अप्रत्याशित परिवर्तन होते हैं, तो इससे ऊर्जा उत्पादन प्रभावित हो सकता है। देश में सोलर पैनल्स की स्थापना के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की भी कमी है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से पर्यावरणीय प्रभाव कम होने के साथ ही ई-कचरा भी बढ़ेगा जिसकी रीसाइक्लिंग के लिए काफी निवेश करना होगा।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर चेताया है कि जीवाश्म ईंधन का

उपयोग कम नहीं किया गया तो ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 2050 तक बढ़ कर दोगुना हो जाएगा। इसलिए आज वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए तकनीकी सुधार और लागत कम करने के लिए अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए। सौर उपकरणों और पैनलों पर करों में छूट देना चाहिए ताकि इन्हें सस्ता और सुलभ बनाया जा सके। सौर ऊर्जा से संबंधित आवश्यक अवसंरचना के विकास पर ध्यान देना चाहिए। पीएम सूर्यघर योजना बिजली की उच्च लागत उत्पादन को कम करते हैं तथा बिजली की उत्पादकता को बढ़ाते हैं। जरूरत इस बात की है कि सौर ऊर्जा की भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए सरल और सस्ती प्रौद्योगिकी का विकास किया जाए।

एंबुलेंस कर्मियों ने की हड़ताल से मरीजों की बढ़ी परेशानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): पलामूमें 108 एंबुलेंस चालक और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नेशिनों ने छह सूत्री मांगों को लेकरबेमियादी हड़ताल पर चलेगए हैं। 108 एंबुलेंस के कर्मियों केबेमियादी हड़ताल सेरेफर होनेवालेमरीजों की परेशानी बढ़गई है। रेफर होने वाले मरीज पूरी तरह सेप्राईवेट एंबुलेंस केभरोसेहो गए हैं। हालांकि हड़ताल के पहले दिन डेढ़ बजेतक मेदिनीराय राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल सेएक भी मरीज को रेफर नहीं किया गया। एंबुलेंस कर्मियों का कहना है कि तीन माह सेवेतन भुगतान नहीं होन से आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि 24 घंटे सातों दिन सेवा देते हैं। पलामू के सिविल सर्जन डॉ अनील कुमार नेकहा कि रेफर होने वाले मरीजों को परेशानी ना हो इस कारण वेप्राईवेट एंबुलेंस वालेको तेल खर्चपर मरीजों को रांची पहुंचने अपील किया है। उन्होंने कहा कि 108 एंबुलेंस कर्मियों की मांग जायज है। हड़ताल पर चलेजाना समाधान नहीं है। पलाम ूजिले में 108 एंबएं लेंस 32 है, जिसमें 28 चालू अवस्था मेंहै,जबकि चार खराब पड़ा है। जबकि चालक और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नेशियन मिलाकर 92 कर्मी अपनी सेवा दे रहे हैं। कर्मियों ने कहा कि फिलहाल जीवीके एमआरआई कंपनी झारखंड में 108 एंबुलेंस संचालित कर रही है। इस कंपनी काटेंडर अगस्त 2024 मेंसमाप्त हो गया है। अब नई कंपनीसम्मन फाउंडेशन को टेंडर मिला है। जब भी नई कंपनी टेंडरलेता हैतो चालक सेरजिस्ट्रेशन के नाम पर 15 हजार औरइम रजेंसी मेडिकल टेक्नेशियन से 25 हजार रुपए तक अवैध वसूली करती है। राशि नहीं देनेपर काम सेहटा दिया जाताहै। कर्मियों नेएम आरएमसीएच में एंबुलेंस खड़ा कर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते दिखे। छह सूत्री मांगों में सभी एंबुलेंस कर्मियों को एनआरएचएम सेस्थायी कर वेतन भुगतान करने, कर्मियों को एफएफ ईएसआईसी की सुविधा देने, रजिस्ट्रेशन के नाम पर अवैध वसूली को बंद करने, बकाया वेतन का भुगतान करने, वेतन भुगतान में बढ़ोतरी करनेआदि की मांगें शामिल है। इस अवसर पर आशीष रंजन, अनुज कुमार, दिलीप ठाकुर, विनोद कुमार, विजय कुमार यादव, पंकज कुमार, पंकज पासवान, प्रकाश चौधरी, आशीषयादव समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे।

सरिया थाना के समीप चला वाहन चेकिंग अभियान

सरिया(गिरिडीह): पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के निदेर्शानुसार सरिया थाना के समीप सोमवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसका नेतृत्व ए एस आई वंदे उरांव ने किया। इस दौरान दर्जनों दो पहिया,चार पहिया वाहन की डिक्की की जांच की गई। वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस,वाहन से संबंधित कागजात आदि की भी जांच की गई। इस संबंध में थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि वाहन चेकिंग रूटीन वर्क है। उन्होंने दो पहिया वाहन चालकों से अपील किया है कि संभावित दुर्घटना से बचने के लिए वे ट्रैफिक नियमों का आवश्यक रूप से पालन करें।

विधायक ने सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार के दिन संध्या में ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल रांची के अंतर्गत बंता बुंडू पथ से छोटा चांगरु भाया हजाम तक पथ निर्माण जिसकी कुल लंबाई 2 किलोमीटर एवं बन्ता बुंडू रोड से बुरुडीह तक पथ निर्माण कार्य जिसकी कुल लंबाई 2.16 किलोमीटर का शिलान्यास झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने किया। इसी क्रम में उन्होंने जन संवाद करते हुए कहा कि विकास को नया आयाम देना ही मेरा मुख्य उद्देश्य है। पुल, पुलिया और सड़क का निर्माण हो जाने से आवागमन सरल हो जाता है तथा ग्रामीण क्षेत्र भी विकास के राह पर अग्रसर हो जाता है। मौके पर लोगों ने स्थानीय विधायक के समक्ष जन समस्याओं को भी रखा जिसका निदान उन्होंने शीघ्र ही कर देने की बातें कहीं। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक, उप प्रमुख आरती देवी, पूर्व उप प्रमुख प्रफुल्ल कुम्हार समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक ने 17 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत की राशि सौंपी

अनगड़ा/नामकुम : खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर स्वीकृत मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत कोष के तहत खिजरी विधान सभा क्षेत्र के कुल 17 पीड़ित व्यक्तियों को कुल 8,15,000/-(आठ लाख पन्द्रह हजार) रुपये का लाभ दिलाया। जिसकी सोमवार को विधायक के आवास लुपुंगटोली में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के हाथों लाभुकों को चेक सौंपा गया। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जनता के हर सुख दु:ख में मैं एवं हमारी सरकार खड़ी है। जनता के हर समस्या के सामाधान का प्रयास करुंगा। आज जिन पीड़ित लाभुकों के बीच चेक का वितरण किया गया उसमें साखो देवी, नवागढ़, अनगड़ा 50,000/-, विश्वासी टोप्पो, टुटीहारा, नामकुम 50,000/-, बिमला देवी आरा, ओरमांझी 50,000/-, जेशिला लकड़ा, कचनार टोली, हटिया 50,000/-, रिया कुमारी, टुण्डाहुली, ओरमांझी 50,000/-, परम पावन बाण्डो, उलीडीह , नामकुम 50,000/-, नोषद अंसारी, महेशपुर, अनगड़ा 50,000/-, मनोज कुमार भट्टाचार्य, हाहे, अनगड़ा 50,000/-, सुरेश तिर्की, डहुआ बगान टोली, अनगड़ा 50,000/-, मुनिता देवी, गबारबेड़ा, अनगड़ा 50,000/-, पुष्पा मंजुला मिंज, तिरिल आश्रम, धुर्वा 50,000/-, मुक्तलाल टोपनो, परताडीह, नामकुम 50,000/- दीपक मुण्डा, रामदास, अनगड़ा 50,000/-, राजकमल सिंह मुण्डा, सपारोम, नामकुम 40,000/-, राजू नायक, आदर्श नगर, धुर्वा, 50,000/-, नितू कुमारी, बनियाईन टोली, अनगड़ा 35,000/- एवं बिनू मुण्डा, जोरार, नामकुम 40,000/- का चेक एवं ड्राफ दिया गया।

सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से मिले जेएमएम नेता, दी सांत्वना

छतरपुर (पलामू): छतरपुर प्रखंड के रुदवा गांव में सड़क दुर्घटना में मृतक एतवरिया कुंवर एवं गौतम कुमार के परिजनों से झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य चन्दन प्रकाश सिन्हा एवं प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र राम ने मिलकर सांत्वना दिया। मौके पर चन्दन प्रकाश सिन्हा ने कहा की परिवार के किसी भी सदस्यों का गुजर जाना बहुत ही दुखद है। इस दुख की घड़ी में पूरा झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार उनके साथ है एवं सरकारी प्रावधान के अनुसार हर संभव सहयोग किया जाएगा। मौके पर ही उनके आवास के जर्जर स्थिति को देखते हुए आवास कोऑर्डिनेटर संतन कुमार को तत्काल आवास स्वीकृत करते हुए कार्य प्रारंभ करने का आदेश दिया। साथ ही यह भी कहा कि यदि उनका नाम अबूआ आवास की सूची में नहीं है तो फिर किन लोगों का नाम सूची में शामिल किया जा रहा है।

शराब के नशे में पत्नी की हत्या, हुआ गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर थाना क्षेत्र के जयपुर गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी, जहां शराब के नशे में एक पति ने अपनी पत्नी की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना रविवार की देर रात की है जब 40 वर्षीय अनीश एक्का ने अपनी 37 वर्षीय पत्नी रजनी एक्का की लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी।

अनीश एक्का शराब के नशे में अपनी पत्नी से झगड़ रहा था। जिसके बाद उसने लाठी से पीट-पीटकर अपनी पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। रजनी एक्का की मौत सोमवार की सुबह हो गई। आरोपी पति ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार किया और बताया कि उसकी पत्नी ने अहले सुबह पानी मांग कर पिया था जिसके बाद उसकी मौत हो गई। सोमवार की सुबह 7:00 बजे मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी अनीश एक्का को घर से गिरफ्तार कर लिया और रजनी एक्का के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

क्षेत्र में शराब के नशे की समस्या

यह पहली घटना नहीं है जो शराब के नशे में हुई है। क्षेत्र में शराब के नशे के कारण कई अपराध और दुर्घटनाएं होती रहती हैं। शराब के नशे में आए दिन हत्या जैसे मामले देखने को मिलते रहते हैं। यह घटना शराब के नशे के खतरों को एक बार फिर से उजागर करती है।

किसान को धमकाकर पुलिस ने की 1.25 लाख की अवैध वसूली

▶ पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर लगाई न्याय की गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में एक गरीब किसान के साथ पुलिस की अवैध वसूली का मामला सामने आया है। किसान रोशन एक्का ने पुलिस अधीक्षक संभु सिंह को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनसे 1.25 लाख रुपये की अवैध वसूली की है। रोशन एक्का ने बताया कि वह एक किसान है और उसका बेल बीमारी से मर गया जो बचा है वह भी बूढ़ा हो गया है जिसके कारण वह वह अपने गांव सोनाटोली से बैल और गाय खरीदने के लिए बलरामपुर गए थे। वहां से एक जोड़ा बैल 2 गाय और बछड़ा लेकर आये जब वह वापस लौट रहे थे। तो डुमरी थाना प्रभारी रास्ते में पकड़कर गाड़ी में बंद कर दिया। इसके बाद प्रकाश तिर्की शिवकुमार साहू एवं मुकेश कुमार भी गाड़ी के पास पहुंचे और हम लोगों को गाड़ी के अंदर देखें फिर प्रकाश तिर्की ने कहा मेरा भाई लोग है सर छोड़ दीजिए जहां से बेल खरीद वहां से मैं ग्रामीण एवं सरपंच से कागज बनवाकर लाया हूं। कागज दिखाने पर थाना प्रभारी में कागज देखने से इनकार कर दिया। डुमरी थाना प्रभारी का कहना है कि पुलिस अधीक्षक गुमला को व चैनपुर थाना प्रभारी को पता हो गया है जिसके कारण एसपी सर नहीं मानेंगे इसलिए 125000 देना ही होगा। पैसा दिए बगैर हम लोगों को गाड़ी से छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुए मैं गरीब किसान किसी प्रकार अपना काम चलाने के लिए बैल गाय खरीद कर लाया और उतना पैसा में कहां से देने सकूंगा बोला और थाना ले चलने के लिए कहा। तभी वहां मौजूद शिव कुमार साहू व मुकेश कुमार आपस में बात करने लगे और पैसा देने के लिए तैयार हुए। वही रात 12:00 बजे शंख नदी पुल के पास डूंगरी थाना प्रभारी को 50000रु दिए। आगे रोशन तिर्की ने आरोप लगाते हुए कहा कि शिवप्रसाद साहू मुकेश कुमार को प्रकाश तिर्की का ट्रैक्टर है यह लोग डुमरी थाना प्रभारी के साथ साथ घाट बनाकर अवैध रूप से बालू का कारोबार करते हैं।

विकास कार्यों को अवरुद्ध करने वाली है ईडी की कार्रवाई, चुनाव में जनता देगी इसका जवाब : दीपक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): झामुमो के युवा नेता दीप तिवारी ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा पर्यटन, कला, संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड के मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर एवं उनके सचिव व रिशेतेदारों के घर प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) की कार्रवाई से कार्यकर्ता डरने वाले नहीं है। आगामी विधानसभा चुनाव में अपने जनाधार को देख भाजपा हतोत्साहित है। इसीलिए चुनाव के ठीक पूर्व ईडी जैसी जांच एजेंसियों का सहारा लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सरकार, माननीय मंत्री एवं पार्टी को कमजोर करने की कोशिश में जुटी है। दीपक तिवारी ने कहा कि झामुमो दिशोम गुरू शिबु सोरेन के संघर्ष की पार्टी है, जिन्होंने झारखंड के लिए लड़ाई लड़ी और इसके उत्थान एवं विकास के लिए आज भी संघर्षशील हैं। माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जबसे राज्य की बागडोर संभाली है, भाजपा वाले तरह-तरह का हथकंडे अपनाकर तोड़ने का कार्य कर रहे हैं। भाजपा नेतृत्व को जानने-समझने की जरूरत है कि झामुमो झारखंड के आंदोलनकारी की पार्टी है और यहां का विकास उनके हाथों हो रहा है। झामुमो के एक-एक कार्यकर्ता पार्टी के साथ हैं। आगामी चुनाव में भाजपा को जनता जवाब देगी। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि पूरे पलामू प्रमंडल की जनता माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन एवं माननीय मंत्री श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के कार्यकाल और उनके द्वारा क्षेत्र में किये गये विकास कार्यो से संतुष्ट एवं खुश है। जनता आगामी विधानसभा सभा चुनाव में झामुमो-सह-इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों पर प्यार बरसायेगी। इसका परिणाम भी क्षेत्र में अभी से ही दिखने लगी है। इससे विपक्षी दलों के बड़े-बड़े नेताओं में खलबली मच गई है। यही कारण है कि चुनाव घोषणा के पूर्व विपक्षी दलों द्वारा पलामू प्रमंडल में राष्ट्रीय नेताओं को बुलवाकर तरह-तरह के लोकलुभावन घोषणा से आम जनता को दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। दीपक तिवारी ने कहा है कि छापेमारी एवं विपक्षियों के लोकलुभावने वादे पलामू की जनता जान चुकी है।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, कोडरमा ।

पत्रांक ..../ दिनांक .... /

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 24/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, कोडरमा ।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय :– 21.10.2024 को 1.00 बजे अपराह्न तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 22.10.2024 को 3.00 बजे अपराह्न तक ।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 22.10.2024 को 3.30 बजे अपराह्न ।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : क. कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय। ख. अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल,हजारीबाग का कार्यालय ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– क. कार्यपालक अभियंता भवन प्रमण्डल, कोडरमा का कार्यालय।
7. कार्य की विवरणी :–

Group No.	Name of Work	Estimate Cost	Cost of BOQ	Earnest Money	Time of Completion
1	Repair & Renovation of Assistant Engineer (Tilaiya Sub -Division) Residence at Koderma	11,36,810.00	2500.00	23000.00	2 Month

निविदा की शर्तें को www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है ।

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन प्रमण्डल, कोडरमा

PR 338821 Building (24-25)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, रांची।
अतिअल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
(द्वितीय निविदा)
(प्रथम निविदा का PR-336894 Dt.-24-09-2024)
दिनांक :– 09.10.2024

1.कार्य की विवरणी :–

क्र0	ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र की राशि (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	प0नि0वि0/रांची–30/2024–25	पथ अवर प्रमंडल सं0–3, रांची अन्तर्गत विभिन्न पथों में साधारण मरम्मति कार्य।	61,97,128	1,24,000	10,000	03 माह

2. वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि : 15.10.2024 10.30 बजे अपराह्न से
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समय : 22.10.2024 12.00 बजे दोपहर तक
4. निविदा खोलने की तिथि/समय : 23.10.2024 12.30 बजे अपराह्न
5. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता / प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क नं0 : कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गोंदराबादी, रांची–834008. 0651–2361018
6. ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन नं0 : 0651–2403007

- पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार में निबंधित संवेदकों के लिए *UCAN* निबंधन आवश्यक है।
- नियम एवं शर्तो के लिए वेबसाईट *http://jharkhandtenders.gov.in* पर देखें।
- प्राक्कलित की राशि घट–बढ़ सकती है, जो *Online Sale* के समय देखा जा सकता है

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमंडल,रांची।

PR 338757 Road Construction Dept Road Division Ranchi(24-25)D

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, पलामू
(जिला शस्त्र शाखा)
दूरभाष सं0–06562–224033 (का)/224044(आ) Email Id: dc-pal@nic.in

आदेश

आगामी विधानसभा आम चुनाव, 2024 के निमित जिला से निर्गत सभी शस्त्र अनुज्ञप्तियों, शस्त्रों एवं अनुज्ञप्तिधारियों का भौतिक सत्यापन कराया जाना है, उक्त के आलोक में शस्त्र सत्यापन (Arms Verification) हेतु निम्नांकित तिथियां निर्धारित की जाती है।

क्र0सं0	प्रखंड/अंचल का नाम	थाना का नाम	शस्त्रों के भौतिक सत्यापन हेतु निर्धारित तिथि
1	मनातू	मनातू थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
2	तरहसी	तरहसी थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
3	लेस्लीगंज (नीलाम्बर–पीताम्बरपुर	लेस्लीगंज थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
4	सतबरवा	सतबरवा थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
5	पांकी	(i) पांकी थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
		(ii) पीपराटांड थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
6	सदर मेदिनीनगर	(i) शहर थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
		(ii) सदर थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
7	रामगढ़	रामगढ़ थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
8	चैनपुर	चैनपुर थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
9	पाण्डू	पाण्डू थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
10	बिश्रामपुर	(i) बिश्रामपुर थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
		(ii) रेहला थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
11	उंटारी रोड	उंटारी रोड थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
12	नावाबाजार	नावाबाजार थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
13	छत्तरपुर	छत्तरपुर थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
14	पण्डवा	पण्डवा थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
15	नौडीहा बाजार	नौडीहा बाजार थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
16	पाटन	(i) पाटन थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
		(ii) नावाजयपुर थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
17	हुसैनाबाद	हुसैनाबाद थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
18	मोहम्मदगंज	मोहम्मदगंज थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
19	हैदरनगर	हैदरनगर थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
20	हरिहरगंज	हरिहरगंज थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024
21	पीपरा	पीपरा थाना	दिनांक–14.10.2024 से 17.10.2024

जिला में उपलब्ध शस्त्रों के भौतिक सत्यापन हेतु उपरोक्त निर्धारित सत्यापन कार्यक्रम के अनुसार संबंधित अंचल अधिकारी थाना प्रभारी अपने क्षेत्रान्तर्गत सभी शस्त्रों का भौतिक सत्यापन करते हुए दिनांक–18.10.2024 को निम्नांकित प्रपत्र में (Joint Arm Verification Report) अधोहस्ताक्षरी को एवं पुलिस अधीक्षक, पलामू को समर्पित करेंगे।

शस्त्र सत्यापन से संबंधित विहित प्रपत्र

क्र0 सं0	थाना का नाम	अनुज्ञप्ति संख्या	शस्त्र का प्रकार एवं शस्त्र संख्या	अनुज्ञप्तिधारी का नाम एवं पता	Arms Verification के भौतिक सत्यापन की तिथि	अभ्युक्त
1	2	3	4	5	6	7

इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाय।

ह0/–
उपायुक्त, पलामू

PR 338763 Palamu(24-25)#D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय,खूँटी
(जिला शस्त्र शाखा)

आदेश

विधान सभा चुनाव 2024 को स्वच्छ शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त तरीके से सम्पन्न कराने हेतु शस्त्र नियमावली–2016 के नियम–63 एवं शस्त्र अनुज्ञप्ति की शर्त–9 एवं 14 के तहत् खूँटी जिला के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के अनुज्ञप्ति एवं उसपर धारित शस्त्रों का भौतिक सत्यापन कराना आवश्यक है।

अतः शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के अनुज्ञप्ति/शस्त्रों का भौतिक सत्यापन करने हेतु निम्नलिखित पदाधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख अंकित थाना क्षेत्र के लिए दण्डाधिकारी के रूप में प्राधिकृत किया जाता है। संबंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी अपने थाना/ओ0पी0 क्षेत्र के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को सूचित करते हुए उनके अनुज्ञप्ति एवं उस पर धारित शस्त्रों का भौतिक सत्यापन कराना सुनिश्चित करेंगे। वैसे अनुज्ञप्तिधारी जिनके शस्त्र किसी थाना/दुकान आदि में पूर्व में जमा हो तो शस्त्र जमा करने संबंधी कागजात प्रस्तुत करेंगे साथ ही वैसे अनुज्ञप्तिधारी जो जमानत पर है अथवा जिनका अपराधिक इतिहास रहा हो अथवा गत चुनाव दंगे वगैरह फैलाने में संलिप्त रहा हो वैसे सभी अनुज्ञप्तिधारियों दिनांक 20.10.2024 तक किसी लाईसेंसी दुकान/संबंधी थाना में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। इसे संबंधित थाना प्रभारी जिला खूँटी सुनिश्चित करेंगे। अंचल एवं थानावार शस्त्र सत्यापन की तिथि एवं स्थान निम्न प्रकार से निर्धारित किया जाता है।

क्र0	दण्डाधिकारी का नाम/पदनाम	थाना/प्रखण्ड क्षेत्र	शस्त्र सत्यापन का स्थान	शस्त्र सत्यापन की तिथि
1	श्री शिशुपाल आर्य, अंचल अधिकारी, खूँटी	खूँटी थाना	खूँटी थाना	16.10.2024
2	श्रीमती कोमल कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, खूँटी	मरंगहादा थाना	मरंगहादा थाना	16.10.2024
3	श्रीमती वंदना भारती, अंचल अधिकारी, कर्रा	कर्रा थाना	कर्रा थाना	16.10.2024
4	श्रीमती अनुराधा कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, खूँटी	जरियागढ़ थाना	जरियागढ़ थाना	16.10.2024
5	सुश्री पूजा बिन्हा, अंचल अधिकारी, तोरपा	तोरपा थाना	तोरपा थाना	16.10.2024
6	श्री विपिन चन्द्र विश्वास, कार्यपालक दण्डाधिकारी, खूँटी	तपकरा थाना	तपकरा थाना	16.10.2024
7	श्री शंकर कुमार विद्यार्थी,अंचल अधिकारी, मुरहू	मुरहू थाना	मुरहू थाना	16.10.2024
8	श्रीमती [illegible], कार्यपालक दण्डाधिकारी, खूँटी	सायको थाना	सायको थाना	16.10.2024
9	श्री प्रशांत डांग, अंचल अधिकारी, रनिया	रनियाँ थाना	रनियाँ थाना	16.10.2024
10	अंचल अधिकारी, अड़की	अड़की थाना	अड़की थाना	16.10.2024

उपरोक्त प्राधिकृत सभी दण्डाधिकारी संबंधित थाना प्रभारी के साथ समन्वय स्थापित कर शस्त्रों का भौतिक सत्यापन निर्धारित तिथि तक करते हुए संयुक्त हस्ताक्षर से सत्यापन प्रतिवेदन दिनांक 24.10.2024 तक इस कार्यालय को निम्नांकित विहित प्रपत्र में उपलब्ध करना सुनिश्चित करेंगे ताकि संयुक्त प्रतिवेदन के अनुसार अनुज्ञप्तिधारियों का अनुज्ञप्ति नवीकरण किया जा सके।

क्र0	शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी का नाम/पता	शस्त्र अनुज्ञप्ति कब तक नवीनीकृत है।	शस्त्र अनुज्ञप्ति संख्या एवं UIN No.	धारित शस्त्र का प्रकार एवं संख्या	धारित शस्त्र को अंतिम रूप से किस वर्ष सत्यापित किया गया।

शस्त्रों का भौतिक सत्यापन निर्धारित तिथि को पूर्वाह्न 11:00 बजे से 4:00 बजे अपराह्न तक किया जाय। निर्धारित तिथि तक सत्यापन नहीं कराने वाले अनुज्ञप्तिधारियों के विरूद्ध शस्त्र अधिनियम/नियमावली के तहत् शस्त्र अनुज्ञप्ति को निलंबित/रद्द करने की कार्रवाई की जायेगी।

ह0/–
जिला शस्त्र दण्डाधिकारी,
–सह–उपायुक्त,खूँटी

PR 338907 District(24-25).D

एक नजर

सुरक्षा गार्डों के आंदोलन से ललमटिया कोलियरी में कोयला ढुलाई 4 घंटे ठप

गोड्डा : ईसीएल की राजमहल परियोजना की ललमटिया कोलियरी में कार्यरत ठेका कंपनी के सुरक्षा गार्डों ने वेतन बढ़ोतरी की मांग को सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। मामला निजी एजेंसी आरसीएमएल बिरला में कार्यरत एसआईएस के सिक्योरिटी गार्डों से जुड़ा है। सुरक्षा गार्ड पूर्व से चली आ रही हाई पावर कमेटी (एचपीसी) दर से भुगतान की मांग कर रहे हैं। सुरक्षा गार्डों ने परियोजना के जीरो प्वाइंट स्थित लोडिंग प्वाइंट पहुंचकर कोयला ढुलाई कार्य 4 घंटे तक ठप कर दिया। सूचना मिलते ही ईसीएल के पदाधिकारी ललमटिया थाना पुलिस व सीआईएसएफ जवानों के साथ जीरो प्वाइंट पहुंचे गार्डों को समझाने का प्रयास किया। झामुमो नेता मानस दत्ता ने मध्यस्थता कर प्रबंधन व सुरक्षा गार्डों के बीच वार्ता कराई। तय हुआ कि मंगलवार की शाम चार बजे राजमहल परियोजना के एरिया कार्यालय में प्रबंधन के अधिकारियों व एसआईएस के गार्डों की वार्ता होगी। इसके बाद आंदोलन समाप्त हो गया।

नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

गोड्डा : ललमटिया में मेला देखने गई किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म मामले में आरोपी तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना बीते शनिवार की देर संध्या बोआरीजोर थाना क्षेत्र में हुई थी। पीड़िता की मां ने रविवार को बोआरीजोर थाना पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत की। पुलिस ने कांड संख्या 22/24 के तहत एफआईआर दर्ज कर लिया। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ महगामा के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू की गई। टीम ने तीनों आरोपियों राकेश टुडू, उमेश टुडू व जोहान बेसरा को गिरफ्तार कर सोमवार को कोर्ट में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। छापेमारी टीम में बोआरीजोर थाना प्रभारी विजय कुमार केरकेट्टा, पुलिस निरीक्षक वीरेंद्र पासवान, उपेंद्र कुमार महतो, एसआई आनंद कुमार साहा, अंकित कुमार झा, रोमा कुमारी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

टोंटो थाना क्षेत्र से पुलिस ने दो आइईडी बरामद, नक्सली योजना विफल

चाईबासा : 10 अक्टूबर से एक संयुक्त अभियान गोइलकेरा थानान्तर्गत ग्राम कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र तथा टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है। अभियान के दौरान 14 अक्टूबर को टोन्टो थानान्तर्गत तुम्बाहाका से चिड़ियाबेड़ा के बीच जंगली/पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये 02 आइइडी बरामद कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता ने नष्ट कर दिया है। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने दी। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, चमन, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील हैं। इसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 इठ, 203 इठ, 205 इठ, झारखण्ड जगुआर एवं सी०आर०पी०एफ० 60 इठ, 197 इठ, 157 इठ, 174 इठ, 193 इठ, 134 इठ, 26 इठ,11 इठ की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

भाजपा सत्ता में आयी तो फिर करेगी स्कूल बंद और बिजली बिल होगा महंगा : दीपक बिरुवा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : सारंडा-कोल्हान में जल, जंगल और जमीन आंदोलन के अगुवा रहे देवेंद्र माझी की शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे आदिवासी कल्याण एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि भाजपा अगर फिर सत्ता में आयी तो स्कूलों को बंद करने के साथ बिजली बिल महंगा कर देगी। हेमंत सोरेन की सरकार ने राज्य में विकास की कई योजनाएं शुरू की, जिससे छात्र, किसान, गरीब और महिलाएं सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। मंत्री ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मांगों को दोहराते हुए केंद्र सरकार से बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये लौटने की मांग की. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ये पैसा लौटा देती है तो राज्य और तेज गति से विकास के पथ पर दौड़ने लगेगी। देवेंद्र माझी को गरीबों का सच्चा मसीहा बताते हुए कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि उनके विचारों को आगे बढ़ायें। जल संसाधन मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि देवेंद्र माझी के आंदोलन और संघर्ष के कारण हमारा अस्तित्व बचा हुआ है। 18 साल के शासनकाल में भाजपा ने आदिवासी अधिकारों को कमजोर करने का काम किया। रघुवर दास का शासन नहीं कुशासन था। उन्होंने केंद्र सरकार से बकाया राशि की मांग करते हुए कहा कि अगर सरकार राशि लौटा देती है तो हम राज्य से पलायन को रोक देंगे। उन्होंने आने वाले चुनाव में फिर से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनाने की अपील की। इससे पूर्व दोनों मंत्रियों ने गोइलकेरा बाजार स्थित शक्ति स्थल पर देवेंद्र माझी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा, बामिया माझी, गुरुचरण हांसदा, मानीहंस मुंडा, मरियम चेरेवा, कालिया जामुदा आदि ने संबोधित किया। श्रद्धांजलि सभा में जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, कालीपद सोरेन, प्रदीप अग्रवाल, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अकबर खान, सोमवारी बहन्दा, विजय सिंह सामाड, प्रखंड सचिव सुरेश सुरीन, कायदा मुखिया सोमवारी बांहदा, तरकटकोचा पंचायत के मुखिया गणेश बोदरा, राकेश चौरसिया, अगना कंडुलना, दीनू हादसा, बजरंग प्रसाद गुप्ता, दिनेश नायक, सुखलाल मुर्मू, दिनेश गुप्ता, बजरंग प्रसाद गुप्ता, प्रिंस खान, प्रीतम गुप्ता, अमूल्य प्रधान, मुकेश जायसवाल, ईशा खान, वरदान भुईयां समेत विभिन्न गांव से पहुंचे कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

हेंसाकोचा व रायडीह में विधायक ने किया दो पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत स्वीकृत चांडिल प्रखंड क्षेत्र के धुनाबुरु पंचायत के रायडीह से जुरगु के बीच कुउम घाट में पलना नाला पर पुल निर्माण व हेंसाकोचा पंचायत के रांगाडीह से पारसीडीह के बीच पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक सविता महतो ने विधिवत शीलापट्ट अनावरण कर किया। इस दौरान विधायक ने कहा रायडीह से जुरगु के बीच कुउम घाट में 3 करोड़ 31 लाख रुपये व रांगाडीह से पारसीडीह के बीच 2 करोड़ 36 लाख रुपये कि लागत से पुल का निर्माण होगा। विधायक ने कहा दोनों पुलों का निर्माण ग्रामीणों का बरसों पुराना मांग था जिसे पूरा किया गया। उन्होंने कहा दोनों पुल का निर्माण होने से दर्जनों गांव के लोगों को यातायात में काफी सुविधा होगी। विधायक ने पुल निर्माण करने वाले संवेदक को पुल का निर्माण स समय व गुणवत्तापूर्ण करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिला परिषद सविता मार्डी, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य माधव सिंह मानकी, सुधीर किस्कु, प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा किशोर महतो, मातकाम डीह मुखिया सुकलाल मांझी, चौका मुखिया कुनाराम मांझी, खुंटी मुखिया सुकराम टुडू, बुद्धेश्वर सिंग मुंडा, कुनाराम मांझी, सुदामा हेंबब्रम, राहुल वर्मा, पोशुपती महतो, लोम्बदर महतो, अरुण महतो, भादरू सिंह मुंडा, बैद्यनाथ टुडू,समेत काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता व ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

माताओं-बहनों के ऊपर अत्याचार करने वाले रावण रूपी चरित्र को नष्ट करने की जरूरत : हरेलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नीमडीह : नीमडीह प्रखंड के झिमड़ी सोना डूंगरी में ऐतिहासिक रावण दहन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रंजीत महतो एंड लिपिनी झूमर दल ने लोगों का खूब मनोरंजन कराया। रावण दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। वहीं, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आजसू केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो शामिल हुए। इस अवसर पर हरेलाल महतो ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि माताओं - बहनों के ऊपर अत्याचार करने वाले रावण रूपी चरित्र को नष्ट करने की जरूरत है, तभी साफ सुथरा समाज की स्थापना होगी। हरेलाल महतो ने कहा कि वे अपने निजी स्तर से पूरे ईचागढ़ विधानसभा के जनता की सेवा कर रहे हैं, आगामी विधानसभा में जनता के आशीर्वाद व सहयोग से सेवा कार्यों में वृद्धि करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि पर्व त्यौहार के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए। इससे लोगों का जुड़ाव अपने संस्कृति, भाषा व परंपरा के प्रति बढ़ता है। इस मौके पर आयोजन समिति के यंग बॉयज क्लब के अध्यक्ष गणेश महतो, पदमोलोचन महतो, दिगंबर सिंह, दुर्योधन गोप, दिनेश महतो, परसुराम गोराई, दिनेश महतो, शालावत महतो, शक्तिपद महतो, भरत महतो, सिदाम मछुआ, सुशील मछुआ, भगत सिंह, सतीश मूदि, चंदन महतो, आदित्य महतो, संतोष महतो आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों ने फिर किया वोट बहिष्कार का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत बोरियो प्रखंड क्षेत्र के बिशनपुर और पोआल पंचायत के दस गांव के ग्रामीणों ने एक बार फिर से सड़क समस्या को लेकर वोट बहिष्कार का एलान किया है। सोमवार के दिन तारापुर, सुवारमारी, मुगार्बानी, सहित दस गांवों के ग्रामीण तारापुर गांव के पास एकजुट होकर वोट बहिष्कार का एलान कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि तारापुर गांव के पास कच्ची सड़क इतनी कीचड़मय है कि ईधर से पैदल गुजरना भी मुश्किल है, वाहनों और दोपहिया वाहनों की बात तो दूर है। सड़क न होने के कारण आठ से दस किलोमीटर दूर ग्रामीणों को घूमकर जाना पड़ता है। विगत लोकसभा चुनाव से पहले इन गांवों से सड़क निर्माण को लेकर वोट बहिष्कार का एलान किया गया था, तब ग्रामीणों को प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव व अंचलाधिकारी विजय हेमराज खालको के द्वारा आश्वासन देकर मतदान कराया गया था, दोनों पदाधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को भरोसा दिलाया गया था कि लोकसभा चुनाव के बाद सड़क का निमार्ण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि लोकसभा चुनाव के बाद सरकारी स्तर से इन गांवों की सुविधा के लिए सड़क निर्माण कार्य को प्रारंभ किया गया है, लेकिन सिर्फ सड़क किनारे मेटल गिराकर रख दिया गया है। पंचायत जनप्रतिनिधियों या ग्रामीणों को ये भी नहीं पता है कि सड़क किस योजना के तहत बनाया जायेगा, और कितने दिनों में इनका निमार्ण कार्य पूर्ण किया जाएगा। क्योंकि सड़क निमार्ण के लिए किसी भी प्रकार की योजना पट्ट या बोर्ड नहीं लगाया गया है। जबकि इन ग्रामीणों को जल्द से जल्द सिर्फ सड़क चाहिए ताकि इन्हें परेशानियों का सामना न करना पड़े। यही वजह है कि सड़क निर्माण में अति विलंबता को देखते हुए ग्रामीण एक बार फिर से वोट बहिष्कार का एलान कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द सड़क बना दिया जाता है तो मतदान अवश्य किया जाएगा, लेकिन सड़क निर्माण कार्य में देरी हुई तो मजबूरन वोट बहिष्कार करना पड़ेगा। प्रदर्शन के दौरान पूर्व मुखिया गैबरियल बास्की, पसंस बेटाराम हेंब्रम, टुनटुन ठाकुर सहित दर्जनों ग्रामीणों मौजूद थे।

बरहरवा-फरक्का मुख्य पथ से हो रही बोल्डर चिप्स की अवैध ढुलाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : बोल्डर चिप्स की अवैध ढुलाई पर अंकुश लगाने को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा बरहरवा फरक्का मुख्य पथ पर मिजार्पुर फुटानी मोड़ पर स्थापित की गई चेक नाका से होकर बगैर माइनिंग के सैकड़ों ट्रकों का परिचालन होने की समाचार आजकल सुर्खियों में है। हालांकि चेक नाका पर तैनात दंडाधिकारी एवं अंचल अधिकारी के द्वारा इस खबर को एक अफवाह बताया गया है। यदि चेक नाका के आसपास के ग्रामीण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की माने तो इस पथ से होकर प्रत्येक दिन सैकड़ों ट्रैकों का परिचालन होता है पर इसके अनुपात में चेक नाका पर महज 20 से 30 चालान ही जमा होने की बात सामने आई है।बरहरवा के पूर्व जिला परिषद वृंदा राय के पति ओमप्रकाश राय मिजार्पुर पंचायत के उप मुखिया आलमगीर आलम, पंचायत समिति सदस्य शिव ठाकुर मरांडी तथा अनय भाजपा नेताओं का कहना है कि नियोजित ढंग से इस पथ से होकर प्रत्येक दिन बगैर माइनिंग वाले बोल्डर चिप्स बंगाल के और ले जाया जाता है। बताया जाता है कि इस खेल में छोटे पदाधिकारी से लेकर स्थानीय छुट भैया नेताओं की भी मुख्य भूमिका है। बताया जाता है कि कुछ महीना पहले भी इस पथ से होकर बगैर माइनिंग चालान के ट्रकों का परिचालन होने को लेकर समाचार पत्रों में समाचार भी प्रकाशित हुई थी, जिस पर आला अधिकारी ने कड़ी कार्रवाई भी किया था, पर कालांतर में माइनिंग चोरी का यह धंधा अब फिर से परवान चढ़ने लगा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि इस पथ से होकर परिचालित होने वाले बगैर माइनिंग चालान वाले बोल्डर चिप्स के वाहनों पर यदि अंकुश नहीं लगाया गया तो स्थानीय लोग एवं जनप्रतिनिधि बहुत जल्द सड़क पर उतरने को विवश होंगे। इस संबंध में प्रशासन का पक्ष जानने के लिए जब अंचल अधिकारी बरहरवा रामजी वर्मा से संपर्क किया गया।

विधानसभा कार्यकर्ता स्तरीय सम्मेलन में जोश और उत्साह का माहौल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के श्रीकुंड स्थित मिल्लत हाई स्कूल मैदान में पूर्व विधायक अकिल अख्तर के नेतृत्व में पाकुड़ विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व विधायक अकील अख्तर का अभिनंदन किया गया,जिनके नेतृत्व और समाजसेवा के प्रति उनके समर्पण को जनता ने सराहा। जनता के बीच से आई आवाजों ने स्पष्ट रूप से बताया कि अकील अख्तर ने जनहित में जिस प्रकार से कार्य किया है,उससे उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। जनता ने यह भी कहा कि उनका समर्पण और ईमानदारी,जनता के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की उनकी नीति का प्रमाण है। पाकुड़ विधानसभा के अंतर्गत आयोजित कार्यकर्ता स्तरीय सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकताओं ने भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा नेता अफीफ अमसल ने कहा कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होकर कार्यकताओं ने एकजुटता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया, जो आने वाले दिनों में संगठन की मजबूती के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने सम्मेलन में आए सभी कार्यकताओं का तहे दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया। जिनकी मेहनत और समर्पण ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। वहीं अकील अख्तर ने अपने संबोधन में कार्यकताओं को धन्यवाद देते हुए कहा आपकी मेहनत और समर्पण ही हमारे संघर्ष की असली ताकत है। आज का सम्मेलन इस बात का प्रतीक है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आप सभी के समर्थन से ही हम आने वाले समय में और भी बड़े परिवर्तन ला सकेंगे। इस सफल आयोजन में संगठन की दिशा और भावी योजनाओं पर भी चर्चा की गई, जिसमें कार्यकताओं की सहभागिता और संगठन के सशक्तिकरण को प्रमुखता दी गई। सम्मेलन ने यह संदेश दिया कि आने वाले समय में कार्यकताओं की भागीदारी और अधिक मजबूत होगी। सम्मेलन के समापन के दौरान कार्यकताओं और जनता ने अकील अख्तर को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उनकी नेतृत्व क्षमता की सराहना की।

आकलन से अधिक पहुंचे लोग,मंच पड़ गया छोटा,तपती धूप में भी डटे रहे लोग

उक्त कार्यक्रम को लेकर आयोजन कमेटी द्वारा अथक तैयारी किया गया था। प्रखंड, जोन एवं पंचायत स्तर पर प्रभारियों द्वारा एकजुटता के साथ उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर मेहनत की गई थी। जिसके फलस्वरूप आकलन से भी अधिक लोग पूर्व विधायक अकिल अख्तर को सुनने कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। आलम यह था कि श्रीकुंड बाजार सहित पलाशबोना तक वाहनों की लंबी कतार के कारण काफी जाम लग गया एवं हजारों कार्यकर्ता कार्यक्रम तक अंत तक पहुंच ही नहीं पाए। लोगों के लिए कुर्सियां एवं मंच भी छोटा पड़ गया, जिससे लोग तपती धूप में डटे रहकर पूर्व विधायक अकिल अख्तर को सुना। इससे पूरे कार्यक्रम स्थल में उत्साह का माहौल बना रहा।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक विद्यालय हरिशचंदपुर खोलकर शिक्षक गायब, वीडियो वायरल

साहिबगंज : जिला अंतर्गत बरहेट प्रखंड क्षेत्र के बरहेट पंचकठिया संथाली पंचायत के अंतर्गत हरिशचंद्रपुर गांव में प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को विद्यालय खोलकर शिक्षक गायब रहने का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो का पुष्टि नहीं करता। जानकारी के अनुसार सोमवार कि अगले सुबह 8: 45 गांव के बच्चे विद्यालय पहुंचे, जहां विद्यालय में बच्चे मौजूद रहे, लेकिन बच्चे 9.30 बजे तक विद्यालय में शिक्षकों के इंतजार करते रहे और 9:30 के बाद विद्यालय खोला गया। इसकी जानकारी बच्चों ने अभिभावक एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विनोद ठाकुर को सूचना से अवगत कराया। इसके बाद अभिभावक एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष विद्यालय पहुंचकर नियमित समय पर विद्यालय नहीं खुलने की जानकारी ली,लेकिन विद्यालय में शिक्षक गायब रहे। वही विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष विनोद ठाकुर ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक समवेल मरांडी, शिक्षक दीनबंधु दास, कई महीनो से विद्यालय खोलकर दोनों स्कूल से गायब रहते हैं, बच्चों की पढ़ाई लिखाई स्कूल में शिक्षक की अनुपस्थिति में होती है। सरकार विद्यालय में शिक्षकों को पढ़ने के लिए प्रतिनियुक्ति किए हैं ताकि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षक स्कूल खोलकर दोनों निजी काम से घर चले जाते हैं 3:00 बजे वापस स्कूल लौटते हैं और स्कूल बंद कर घर चल जाते हैं। बीते एक सप्ताह पूर्व विद्यालय में नया प्रबंध समिति का गठन हुआ है,लेकिन विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनमानी ढंग से स्कूल का संचालन कर रहे हैं। बच्चों की मध्य भोजन में भी अनियमितता है। वही अभिभावक ने स्कूलों में जमकर हंगामा किया। इधर स्कूलों की खोज खबर लेने वाले शिक्षा विभाग बेखबर हैं,ना तो स्कूल पहुंचते हैं ना ही बच्चों की शिक्षा में कोई ध्यान है। मौके पर ग्राम प्रधान बाबूराम मरांडी, जमीन किसको, दानियल बेसरा, बर्नार्ड किस्कू, लाल किस्कू, पुरन टूरी, अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

आदिवासियों का जल, जंगल, जमीन, सुरक्षित नहीं : विक्टर माल्टो

साहिबगंज : जिला अंतर्गत बरहेट प्रखंड क्षेत्र के भोगनाडीह मैदान में सोमवार को आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के बैनर तले कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के केंद्र संयोजक विक्टर माल्टो, शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम में बरहेट विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी पहाड़िया ग्राम प्रधान बैठक में शामिल हुए। इस दौरान जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड में आदिवासी, पहाड़िया समाज के लोग सुरक्षित नहीं है, यहां के जल, जंगल, जमीनों को दोहन किया जा रहा है। आदिवासियों की खरीद बिक्री जमीन धड़ल्ले से जारी है, इसके लिए सीएनटी एसपीटी सरकार शक्ति से लागू नहीं कर रही है। संथाल परगना में आदिवासी खतरे में है,यहां के जमीन बाहरी लोगों के कब्जे में जा रहे हैं। वर्तमान सरकार ग्राम प्रधान को अधिकारों से वंचित रखा गया है। पी पेसा एक्ट, सीएनटी एसपीटी एक्ट, संथाल परगना रेगुलेशन एक्ट अधिनियम कानून संथाल परगना में लागू नहीं है। आदिवासी पहाड़िया सरकार से चिंतित हैं। बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधानों को कहां की अपने हाथ एवं अधिकार कानून की रक्षा के लिए मिलकर स्वयं मजबूत करें। आगामी आने वाले विधानसभा चुनाव में निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें। संथाल परगना की जमीनों को दोहन होने से बचाए। वहीं मौके पर बेटका मुर्मू, यूनीकी मुर्मू, प्रधान टुडू, शिवचरण हसदा, बबलू पहाड़िया, शिव चरण माल्टो, के अलावा अन्य ग्राम प्रधान मौजूद थे।

एंबुलेंस चालकों ने सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन, सौंपा मांगपत्र

साहिबगंज : साहिबगंज जिले में कार्यरत 108 एंबुलेंस के चालकों ने सोमवार को सिविल सर्जन कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। सदर एसडीओ को मांगपत्र भी सौंपा। ये एंबुलेंस चालक व कर्मी निजी एजेंसी जेडएचएल व जीवीके ईएमआरआई कंपनी के अधीन कार्यरत हैं। उन्होंने एजेंसी पर पिछले 3 माह से वेतन का भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया। चालकों ने बताया कि कंपनी ने उन्हें पिछले साल जुलाई व अगस्त तथा जीवीके ईएमआरआई कंपनी ने उन्हें इस साल सिंतबर का वेतन नहीं दिया है। जीवीके ईएमआरआई कंपनी का टेंडर अगस्त में ही समाप्त हो गया है, लेकिन कंपनी ने अभी तक कर्मियों को जॉइनिंग लेटर भी नहीं दिया है। टेंडर लेने वाली नई कंपनी रजिस्ट्रेशन के नाम पर मनमानी रकम मांगती है। पीएफ व ईएसआईसी की सुविधा भी उन्हें नहीं मिल रही है। कर्मियों ने बकाया वेतन भुगतान करने, एनएचआरएम से उन्हें स्थायी करने व एनआरएचएम से समय पर वेतन भुगतान करने की मांग की। प्रदर्शन में नीलेश कुमार सिंह, माणिक मंडल, योगेश, राजू ठाकुर, रीना कुमारी, मो. राशिद, अशोक, पवन, चंचल हांसदा आदि शामिल थे।

ढाई घंटे चांडिल स्टेशन में रुकी रही बक्सर-टाटा ट्रेन, यात्री परेशान

सरायकेला : चक्रधरपुर रेल मंडल के कांड्रा और मानीकुई रेलवे स्टेशन के बीच ट्रैक मेंटेनेंस का काम चलने के कारण चांडिल-टाटानगर रेलखंड के डाउन लाइन को ब्लॉक कर दिया गया था। इसके कारण इस रूट पर चलने वाली कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रूकना पड़ा। कई ट्रेन विलंब से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई तो मालगाड़ियों को भी विभिन्न स्थानों में इंतजार करना पड़ा। रेल लाइन पर मेंटेनेंस का काम चलने के कारण बक्सर-टाटा सुपर एक्सप्रेस आद्रा रेल मंडल के ट्रेन चांडिल जंक्शन पहुंची और ढाई घंटे तक रूकी रही। लंबे समय तक स्टेशन में ट्रेन के रूके रहने से यात्री परेशान रहे। अधिकांश यात्री ट्रेन से उतरकर सड़क मार्ग से जमशेदपुर रवाना हो गये। कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित जानकारी के अनुसार चांडिल-टाटानगर रेलखंड के कांड्रा और मानीकुई स्टेशन के बीच मेंटेनेंस का काम चलने के कारण डाउन लाइन को ब्लॉक कर दिया गया था।

आहर से मिली 2 दोस्तों की लाश

भोजपुर। में सोमवार की सुबह आहर से 2 दोस्तों की लाश मिली है। दोनों बीते दो दिनों से लापता थे। परिजनों ने साजिश के तहत उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है। वहीं, आहार से 100 मीटर की दूरी पर उनकी बाइक भी मिली है। साथ ही दोनों मृतक दोस्तों के पॉकिट से फाइटर और गांजा काटने वाला कटर भी मिला है। घटना नारायणपुर थाना क्षेत्र चवरिया गांव की है। बताया गया कि दोनों दोस्तों के बुलाने पर विजयादशमी के मेले में घूमने गए थे। मृतकों की पहचान संदेश थाना क्षेत्र के बरतियर गांव निवासी रिटायर्ड आर्मी जवान संतोष कुमार राय के 25 वर्षीय बेटे रौशन कुमार और गड़हनी थाना क्षेत्र के खरचैया गांव निवासी संतोष कुमार सिंह के 17 वर्षीय बेटे आदर्श कुमार उर्फ रजनीश के रूप में हुई है। आदर्श की मां ने कहा कि आखिरी बार बेटे से बात हुई तो एकवारी गांव में था, वो नक्सलियों का इलाका है। मैंने उससे कहा था कि वो गलत जगह चला गया है, तुरंत वापस आ जाए। उसके साथ उसका दोस्त रौशन भी था, प्रकाश से मिलने गया था। स्कूल में उसका एक लड़के से झगड़ा हुआ था। वो भी उन लोगों का ही दोस्त है। वो लड़का उसे जान से मारने की धमकी भी देता था। 3-4 माह पहले भी कहा था कि जहां दिखोगे वहीं मार देंगे। आशंका है कि स्कूल के झगड़े में ही दोनों की हत्या हुई होगी। वहीं, दोनों शव के चेहरे फुले हुए थे। लड़कों के नाक और मुंह से खुन भी निकल रहा था। साथ ही सिर पर गहरे चोट के निशान थे।दोनों पिछले 11 सालों

से नगर थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले में रहते थे। आदर्श इंटर का छात्र था जबकि रोशन स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तैयारी करता था। आदर्श की मां ज्ञानती देवी ने बताया कि 12 अक्टूबर विजयादशमी के दिन अपने दोस्त रौशन के साथ मेला घूमने निकला था। मेला घूमने के दौरान शाम साढ़े चार बजे उससे फोन पर बात हुई थी। कहा था कि मम्मी घर जल्दी आ जाएंगे, अभी जगदेव नगर मोहल्ले में है। कहा कि एकवारी गांव निवासी मुकेश राय के बेटे प्रकाश राय से मिलने आए हैं। मैं बोली कि तुम सही जगह नहीं गए हो, जल्दी घर आ जाओ,आदर्श ने कहा कि मां कुछ नहीं होगा। हम जल्दी घर आ जाएंगे, तुम चिंता नहीं करो। ज्ञानति ने देवी ने बताया कि जब 8वीं क्लास में निजी स्कूल में पढ़ता था तब एक लड़के से उसका झगड़ा हुआ था। वो मेरे बेटे को बराबर जान से मारने की धमकी देता था। पिछले दिनों भी कहा था कि तुम जहां भी मिलोगे वहां तुम्हें मार देंगे। मुझे शक है सभी ने साजिश के तहत आदर्श और रौशन को बुलाकर हत्या की है। रौशन के पिता ने बताया कि दोनों प्रकाश के बुलाने पर एकवारी गांव गए थे। रौशन के सिर में चोट के निशान हैं। 12 अक्टूबर की शाम घर से निकला था, एकवारी जाकर उसने बताया था कि हम यहां आए हैं। रात के बाद दोनों का मोबाइल बंद बताने लगा था। हम लोगों ने काफी खोजबीन की, लेकिन दोनों का कुछ पता नहीं चल सका। आज सुबह हम डेहरी खोजने जा रहे थे। इसी बीच पुलिस ने बताया कि दोनों का शव चवरिया गांव के आहार से बरामद किया गया है। पिता ने आरोप लगाया है दोस्तों के बुलाने पर दोनों एकवारी गए थे।नारायणपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने फोन पर सूचना दी कि आहार में शव उपला रहा है। घटना की सूचना में के बाद मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को आहार से ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया। थानाध्यक्ष राकेश ने बताया कि आदर्श के पॉकिट से फाइटर और रौशन के पॉकिट से गांजा काटने वाला कटर सहित कुछ नशीला पदार्थ मिला है। दोनों का मोबाइल भी उन्हीं के पॉकिट से बरामद किया गया है। आहार से ही बाइक बरामद हुई है। शवों को पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। परिवार वाले जो आवेदन देंगे, उस आधार पर मामले की जांच की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

पार्टी में बुलाकर युवक को मारी गोली, मौत

मुजफ्फरपुर। में रविवार शाम अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान विकास कुमार के रूप में हुई है। गोली उसके कमर में लगी है। पुलिस का कहना है 5 से 6 लोग घर से बुलाकर युवक को एक पार्टी में ले गए। पार्टी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद इस वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि, पार्टी किस चीज की थी इसका पता अभी नहीं चल पाया है। पुलिस के मुताबिक, गोली लगने के बाद विकास को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, परिजनों का कहना है कि 3 कट्ठा जमीन विवाद में हत्या युवक की हत्या की गई है। परिजनों के मुताबिक, 5 से 6 लोग मेला दिखाने के बहाने खेत में ले गए और युवक की हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए SKMCH भेज दिया है। परिजनों के आवेदन पर पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। घटना पानापुर ओपी क्षेत्र जामी मठिया ढाब के पास की है। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पत्नी रिंकू कुमारी ने बताया, रविवार शाम 5 बजे के बाद राज, मदन, रघु, चंदन सहनी और सारिख सहनी घर पर आए थे। मेरे पति को मेला देखने की बात कहकर खेत में ले गए, वहां उनलोगों ने गोली मरवा दिया। पहले से जमीन विवाद चल रहा था। पहले भी कई बार धमकी मिल चुकी है।'पानापुर ओपी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने कहा कि रविवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग आपस में बैठ कर पार्टी कर रहे थे। इस दौरान किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। जिस दौरान गोली चली। जिसमें विकास कुमार को एक गोली लगी। इलाज के दौरान मौत हो गई है। घटना को लेकर कोई कोई पुराना विवाद सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोजपुर में हत्यारे पति को किया गिरफ्तार

भोजपुर। जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के राम शहर गांव में कविता देवी हत्या हुई थी। मामले में मृतका के पिता बलिराम लाल के बयान पर पति भोला लाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी पति भोला लाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मृतका के पिता ने आरोपी पति पर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप लगाया है। कविता के पिता बलिराम लाल ने लिखित आवेदन में पुलिस को बताया है कि कविता की शादी भोला लाल से 2013 में हुई थी। 11 अक्टूबर की रात कविता की उसके पति भोला लाल ने पीटपीटकर और बिजली के तार से मारकर उहत्या कर दी थी। पति भोला लाल ने मुझे फोन कर सूचना दे दिया था पापा कविता की तबीयत अच्छी नहीं लग रही है। जैसे ही हम अपने बेटी और भोला लाल के घर के पास पहुंचे तो भोला लाल के शोर की आवाज आई। देखा कि घर का गेट थोड़ा सा खुला था, जैसे ही मेन गेट के पास से अंदर देखा मेरी बेटी का शरीर जमीन पर पड़ा दिखा। पूरा शरीर जख्म से भरा हुआ था और खून जमा दिखाई दे रहा था। कविता के पति भोला लाल हमेशा उसके साथ मारपीट करता था। भोला शादी के बाद से ही कविता को अच्छे से नहीं रखता था। हमेशा किसी न किसी बात को लेकर उसके साथ मारपीट करता था। वह कई बार जेल भी जा चुका है। 10 सितंबर को नशे की हालत में मारपीट के आरोप में जेल भी गया था।

जमीन संबंधी मामलों को सुलझाने में 28 डीएम फेल,10 पास

पटना। जमीन संबंधी आम लोगों के मामलों को सुलझाने में राज्य के मात्र 10 जिलों के डीएम पास हुए हैं। 28 डीएम फेल हैं। कुल 100 अंक में मात्र 10 डीएम को 36 से ज्यादा नंबर मिले हैं। उसमें भी मात्र दो डीएम को ही 50 से ज्यादा अंक मिले हैं। सबसे कम नंबर लाने वाले तीन जिले अररिया, सहरसा और पश्चिमी चंपारण हैं। लोगों की जमीन संबंधी शिकायतों से परेशान राजस्व विभाग ने राजस्व संबंधित कार्यों की बेहतर प्रगति के लिए सभी डीएम की पहली बार रैंकिंग जारी की है। सबसे नीचे 38वें रैंक वाले अररिया डीएम अनिल कुमार को मात्र 20.09 अंक, 37वें रैंक वाले सहरसा डीएम वैभव चौधरी को 25.11 और 36वें रैंक

वाले पश्चिम चंपारण के डीएम दिनेश कुमार राय को 26.03 अंक मिले हैं। टॉपर बांका डीएम अंशुल कुमार को 56.80 और सेकंड टॉपर शेखपुरा डीएम आरिफ अहसन को 51.33 अंक मिले हैं। थर्ड टॉपर सीवान डीएम मुकुल गुप्ता को 42.68 अंक मिले। ये रैंकिंग सितंबर माह की कार्यों की है। विभाग की योजना इस रैंकिंग को अब डीएम के कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट में जोड़ने की है। मकसद यह है कि सभी डीएम अपने जिलों में राजस्व संबंधित कार्यों की समीक्षा में रुचि लें। अधीनस्थ अधिकारियों से समस्याओं का तेजी से निपटारा कराएं। इससे राज्य में चल रहे सर्वे के काम में भी आसानी होगी। कम से कम समय में सरकार जमीन विवादों का निपटारा कर पाएगी। ओवर ऑल 10 टॉप जिले बांका, शेखपुरा, सीवान, सुपौल, औरंगाबाद, नालंदा, कैमूर, जहानाबाद, बेगूसराय और काम के निपटारे पर ये अंक तय म्यूटेशन निपटारे पर 100 में 25 अंक, परिमार्जन प्लस पर 25, अभियान बसेरा पर 20, ई-मापी पर 10, डीएम कोर्ट के केस निपटारे पर 10, आधार सीडिंग पर 5, एडीएम कोर्ट पर 2.5 और डीसीएलआर कोर्ट पर 2.5 अंक म्यूटेशन निपटारे के सुपरविजन करने वाले टॉप 3 जिले के डीएमः बांका, सुपौल, कैमूर। सबसे कम नंबर वाले 3 जिलों के डीएमः अररिया, रोहतास, गया। 2. परिमार्जन प्लस का सुपरविजन करने वाले टॉप 3 जिले के डीएमः वैशाली, शेखपुरा, कैमूर। सबसे कम नंबर वाले 3 जिलों के डीएमः रोहतास, गोपालगंज, जमुई। 3. अभियान बसेरा का सुपरविजन करने वाले टॉप 3 जिले के डीएमः शेखपुरा, बांका, सीवान। सबसे कम नंबर वाले 3 जिलों के डीएमः सहरसा, लखीसराय,

4 हाथ-पैर वाले बच्चे का जन्म, अस्पताल में लगी भीड़

अररिया। के भरगामा प्रखंड क्षेत्र में चार हाथ व चार पैर वाले बच्चे का जन्म हुआ है। स्थानीय इसे दैवीय चमत्कार मान रहे हैं। लोगों ने बच्चे को भगवान का अवतार बताया है। दरअसल भरगामा प्रखंड के रहडिया वार्ड संख्या-9 निवासी किशोर राय की पत्नी सुलेखा देवी ने रानीगंज सामुदायिक अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया है। बच्चे का एक सिर, चार हाथ, चार पैर व तीन कान है। चार हाथ व चार पैर वाले बच्चे के जन्म होने पर लोग इसे दैवीय चमत्कार मान रहे हैं। लोगों ने बच्चे को भगवान का अवतार बताया है। स्थानीय ग्रामीण अरविंद कुमार ने बताया कि स्थानीय महिलाओं ने कहा है कि देवी दुर्गा के विसर्जन के बाद इस बच्चे का जन्म माता दुर्गा का आगमन है। ग्रामीण महिला रंजू देवी ने कहा कि माता की असीम कृपा है कि विसर्जन के बाद देवी दुर्गा ने फिर से अपने रूप को धारण कर इस मां के कोख से जन्म लिया है, जो पूरे गांव की रक्षा करेगी। उन्होंने बताया कि जन्म के बाद दूर-दूर के लोग पूजा अर्चना कर रहे हैं, व दान भी दे रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस अद्भुत बच्चे के जन्म के बाद कोई इसे कुदरत का करिश्मा, तो कोई भगवान का अवतार बता रहा है। इस बच्चे को देखने के लिए अस्पताल से लेकर रहडिया गांव में लोगों की भीड़ भी लग गई। नर्सों ने परिजनों को इस बात की जानकारी दी कि बच्चा सामान्य नहीं है, बल्कि एक अनोखा बच्चा है। बच्चे की जन्म की जानकारी पूरे अस्पताल में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई व लोग इसे कुदरत का करिश्मा मानने लगे। बच्चे के जन्म के बाद कई लोग उसे देखने के लिए अस्पताल भी पहुंच रहे हैं। बताया जा रहा है कि रहडिया से महिला रानीगंज अस्पताल में प्रसव पीड़ा के बाद पहुंची थी, जहां उन्होंने अद्भुत बच्चे को जन्म दिया। सदर अस्पताल की डॉक्टर कहती हैं कि इसमें अद्भुत, अजूबा या देवी करिश्मा जैसी कोई बात नहीं है। मेडिकल साइंस में इससे भी पहले ऐसा कई बार हो चुका है।
हालांकि बच्चे के जन्म के कुछ घंटे बाद ही इसने दम तोड़ दिया, जबकि परिजन इसे देवी का स्वरूप मानकर रविवार को भी पूरे दिन पूजा अर्चना करते रहे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा-लोग डिस्प्यूटेड होते हैं, बंगला नहीं

पटना। सम्राट चौधरी ने डिप्टी सीएम के लिए तय बंगले में गृह प्रवेश किया, सीएम और दूसरे मंत्री-विधायक भी आए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा- मुझे डिप्टी सीएम नहीं बनना है भाई, नहीं बनना है। मेरे लिए बिहार का विकास इकलौता इश्यू है। मैं इसी में लगा हूं। वे मीडिया से मुखातिब थे। मौका, उनके डिप्टी सीएम हाउस (5 देशरे मार्ग) में गृह प्रवेश का था। उनसे पूछा गया था- सम्राट जी, आप इस अभिशप्त बंगले में आए हैं। डिप्टी सीएम रह पाएंगे क्या; दोबारा बन पाएंगे? उन्होंने कहा कि बंगला डिस्प्यूटेड नहीं होता है। लोग डिस्प्यूटेड होते हैं। उनका इशारा डिप्टी सीएम के रूप में इस बंगले में रहे तेजस्वी यादव की तरफ था। यह पूछे जाने पर कि आपकी पार्टी के नेताओं ने

तेजस्वी पर इस बंगला से बहुत सारा सामान ले जाने का आरोप लगाया है, सम्राट ने कहा- यह जांच का विषय है। इसे अफसर देख रहे हैं। उन्होंने कई बार यह लाइन कही कि मेरे लिए बंगला कोई मुद्दा नहीं है। बिहार की जनता विकास चाहती है। मैं उसके इस अरमान को पूरा करने में लगा हूं। सम्राट के गृह प्रवेश के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा अन्य मंत्री, विधायक, नेता भी वहां गए। 10 साल में 4 डिप्टी सीएम यहां रहे, किसी का भी कार्यकाल पूरा नहीं 5 देशरार मार्ग वाला बंगला डिप्टी सीएम के लिए तय है। बीते 10 साल में यहां 4 डिप्टी सीएम रहे। 2 बार तेजस्वी यादव, 1-1 बार सुशील कुमार मोदी तथा तारकिशोर प्रसाद। इनमें से किसी ने भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया। लिहाजा, इस बंगला से जुड़ी यह धारणा स्थापित सी हो गई है कि यहां जो रहता है, वह टर्म पूरा नहीं कर पाता है। सम्राट पांचवें डिप्टी सीएम हैं, जो यहां रहने आए हैं।

इसी को लेकर सम्राट से सवाल पूछा गया था कि इस अभिशप्त बंगला में रहते हुए क्या आप अपना टर्म पूरा कर पाएंगे?

किशोर समेत दो लोगों को बाइक ने मारी टक्कर, घायल

औरंगाबाद। शहर के बस पड़ाव स्थित महादेव टोला में घर के दरवाजे पर बैठे एक किशोरी समेत दो लोगों को तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक सवार ने रौंद दिया। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार रात की बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। घायल की पहचान औरंगाबाद शहर के महादलित टोला निवासी राजेश डोम के 17 वर्षीय पुत्री संजू कुमारी और 37 वर्षीय रघु डोम के रूप में की गई है। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान परिजनों ने बताया कि दोनों अपने दरवाजे पर बैठे हुए थे। इसी दौरान बाइक सवार टक्कर मार कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी नगर थाना को दी।सूचना पर नगर थाना की पुलिस पहुंची और बाइक को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। वहीं दोनों घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया गया। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है, लेकिन प्रशासन द्वारा समझाने बुझाने के बाद लोग शांत हुए। फिलहाल घायलों का सदर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

ट्रेन के मालगाड़ी से टकराते ही तेज आवाज हुई

समस्तीपुर। मैसूर से दरभंगा आ रही बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस शुक्रवार को तलिमनाडु में कवरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास मालमाड़ी से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। जिसके बाद स्पेशल ट्रेन से यात्रियों को लाया गया। ट्रेन सुबह 4:13 बजे समस्तीपुर पहुंची और 4:25 में दरभंगा के लिए रवाना हो गई। दरभंगा में ट्रेन 5.20 में पहुंची। समस्तीपुर में 64 यात्रियों को उतरना था, लेकिन 25 ही उतरे। ट्रेन में 350 यात्री थे जो सुरक्षित घर पहुंचे चुके हैं। यात्रियों ने बताया कि 'हादसा बहुत डराने वाला था। ट्रेन स्पीड में थी। अचानक से तेज आवाज आई। ट्रेन तब तक मालगाड़ी से टकरा चुकी थी। बाहर निकलने लगे तो बड़ा सा नाला था। पानी में कूदकर हम सुरक्षित जगह पहुंचे। बाहर निकलकर देखा तो ट्रेन के इंजन में आग लगी थी। कोच एक दूसरे के ऊपर चढ़े हुए थे।B-2 कोच में बैठकर मैसूर से दरभंगा के लिए निकले गणेश ने बताया कि 'जहां हादसा हुआ वहां

मालगाड़ी खड़ी थी। इसके बाद भी ट्रेन के सिग्नल दे दिया। तेज आवाज हुई। हम समझ गए कि गाड़ी पटरी से उतर चुकी है। हम लोग बैग छोड़कर कूद गए। हादसे के बाद बोगियों की की दिशा ही बदल गई थी।' गणेश B-2 कोच में सफर कर रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि' हादसे के बाद हम लोगों को पहले स्टेशन पर ले जाया गया। फिर मैरिज हॉल में ले जाया गया। खाना-पीने की व्यवस्था थी। कोई साहब आए थे। उन्होंने कहा कि रातों-रात हम आपको नहीं भेज सकते। सुबह होते ही घर के लिए भेज देंगे। बाद में सरकारी बस आई। हम लोगों को लोकल स्टेशन ले जाया गया। लोकल ट्रेन लगी थी। वहां से चेन्नई स्टेशन लाया गया। वहां से हमें ये ट्रेन मिली।'दरभंगा के राढ़ी गांव के रहने वाले मोहम्मद नजीर ने बताया कि 'मैं बागमती एक्सप्रेस के एस-7 कोच में यात्रा कर रहा था। ट्रेन हादसा होने के बाद लोग अपने सामान और सहयोगियों के साथ इधर-उधर भागने लगे। जंगल में ट्रेन हादसा हुआ, इस वजह से लोग घबरा गए। वहां के प्रशासन ने तत्परता दिखाकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। यात्रियों का बहुत ही ख्याल रखा गया। ट्रेन में भी कोई परेशानी नहीं हुई।' खाना खाकर सोने जा रहा थे, तभी हुआ हादसा समस्तीपुर उतरे सुनील कुमार ने बताया कि 'जिस वक्त हादसा हुआ मैं खाना खाकर सोने जा रहा था। इसी दौरान तेज झटका लगा, मैं अपनी सीट से नीचे गिर गया। मैं बेहोश हो गया था, बाद में होश आया तो एहसास हुआ कि कुछ लोग उठाकर बाहर निकाल रहे हैं। मेडिकल टीम ने इलाज किया। काफी चोट लगी थी। बाहर डिब्बे एक-दूसरे पर चढ़े थे। इस हादसे में मेरा सारा सामान गुम हो गया। बैग में पैसे और टिकट था। वह भी नहीं मिल पाया। पर्स भी नहीं मिला। दशहरा के मौके पर बच्चों के लिए कई गिफ्ट खरीदे थे। घर आया हूं, लेकिन पास में एक फूटी कौड़ी भी नहीं है। सिर्फ कपड़े पहने हैं। ट्रेन में रेलवे प्रशासन की ओर खाना खिलाया गया है। समस्तीपुर जंक्शन पर चाय-नाश्ता भी मिला।'दरभंगा की मदीना ने कहा कि 'ट्रेन में तेज आवाज हुई थी। कोच के अंदर काफी अफरा-तफरी मची थी। लोग कह रहे थे गाड़ी पलट गई है। हमारा कोच भी पटरी से अलग हो गया था, लेकिन हम लोगों को कुछ नहीं हुआ, अल्लाह ने बचा लिया। किसी तरह कोच से बाहर निकले।कुछ देर बाद ही आसपास के लोगों ने मदद की और सभी लोगों को पास के ही एक स्टेशन पर पहुंचाया।

जहां से चेन्नई सेंट्रल स्टेशन लाया गया। मेरा सारा सामान मिल गया। अब घर सुरक्षित पहुंचकर राहत महसूस कर रही है।'

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ-सफाई और रंग-रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलाकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां-बाप की मशक्कत

- मां-बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना-फिरना होता है मां-बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार-भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा - दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली - दोनों हथेलियों पर धीमे-धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट - दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे - अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन-मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने-जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक-दूसरे को दें वक्त

एक-दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खटटास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक-दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक- दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

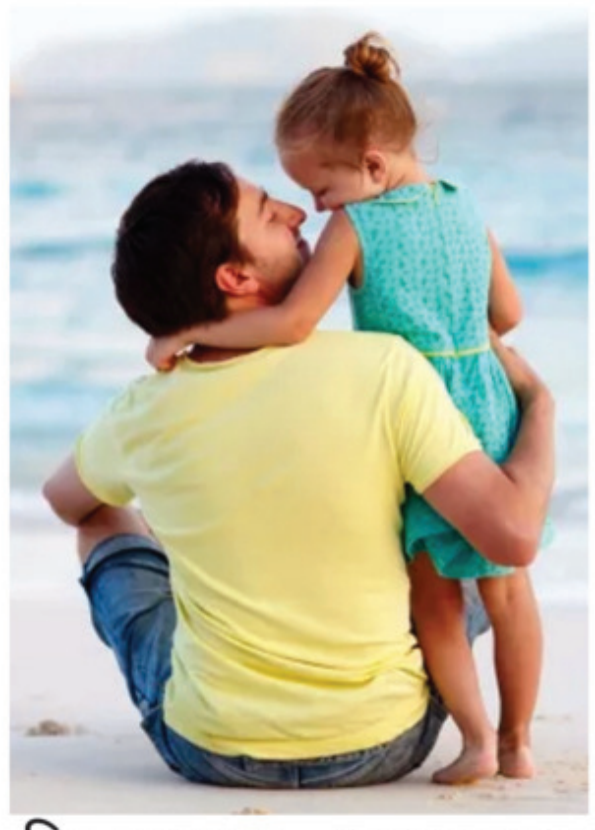

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या-क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी-कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ-दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं- बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना-माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार-पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच-छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे-धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दे पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टस अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टस भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ऊभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोर्टस, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

कोहली में है रनों की भूख, हर मैच के बाद आकलन सही नहीं: गौतम गंभीर

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी पदार्पण के समय थी लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है।

कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिये आस्ट्रेलिया जाना है।

गंभीर ने यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी।' उन्होंने कहा, 'यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह इस श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में भी रन बनाएगा।'

गंभीर ने कहा कि किसी खिलाड़ी का आकलन एक खराब मैच या श्रृंखला के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हर मैच के बाद आकलन सही नहीं है। अगर आप हर मैच के बाद ऐसा करने लगे तो यह उनके लिये सही नहीं होगा। यह खेल है और विफलता का सामना करना ही होता है। अगर हमें नतीजे अनुकूल मिल रहे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है।' उन्होंने कहा, 'रोज कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। हमारा काम खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना है। मेरा काम सर्वश्रेष्ठ 11 का चयन करना है, किसी को बाहर करना नहीं। हमें आठ टेस्ट लगातार खेलने हैं और सभी की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर है।'

रानी रामपाल अंतरराष्ट्रीय करियर को कहेंगी अलविदा, इस दिन करेंगी ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल जल्द ही अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगी। बता दें कि, रानी लंबे समय यानी की 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह भारत-जर्मनी मैच के दौरान अपने फैसले का ऐलान कर सकती हैं।

रानी रामपाल ने 2008 में भारत के लिए डेब्यू किया था। जहां उन्होंने 254 मैचों में 120 गोल अपने नाम किए हैं। साथ ही 2018 में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर और 2014 के एशियाड में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा थीं। इसके अलावा रानी रामपाल की कप्तान में भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में चौथा हासिल किया था टीम पदक से चूक गई थी।

ओलंपिक के बाद उस दौरान के कोच श्योर्ड मरीन्ये अपने पद से हट गए थे और उनकी जगह यानेक शॉपमैन

जिम्मेदारी संभाली थी। ऐसा माना जाता है कि यानेक और रानी के बीच रिश्तों में कुछ नोकझोंक थी। उस दौरान रानी रामपाल चोट से भी जूझ रही थीं, शायद ये वजह थी कि साल 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 6 मुकाबलों में 18 गोल करने के बावजूद उनकी टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई।

सिराज से पहले जोगिंदर सहित ये क्रिकेटर भी बने डीएसपी

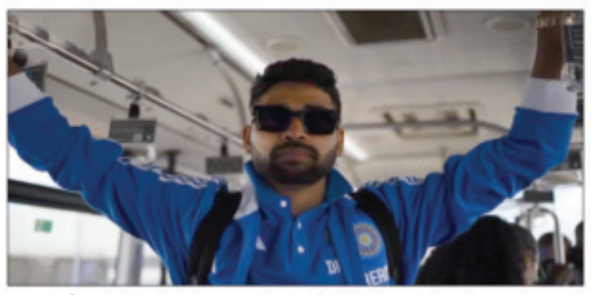

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को तेलंगाना पुलिस में डीएसपी की नौकरी मिली है। सिराज भारतीय पुलिस में डीएसपी बनने वाले पहले क्रिकेटर नहीं हैं। उनसे पहले दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और 2007 टी20 विश्वकप की अंतिम गेंद पर विकेट लेने वाले जोगिंदर शर्मा और महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी ये पद मिला था।

सिराज को टी20 विश्व कप 2024 में उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए तेलंगाना सरकार ने डीएसपी बनाया है। सिराज को तेलंगाना कैबिनेट ने कुछ महीने पहले ही हैदराबाद में घर बनाने के लिए भी 600 वर्ग गज जमीन दी थी।

वहीं तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा ने 2007 टी20 विश्व कप के फाइनल में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को टी20 विश्वकप जिताया था। तब भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहली बार इस ट्रॉफी जीती थी। जोगिंदर के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें हरियाणा पुलिस में डीएसपी की जगह मिली थी। उन्होंने साल 2007 में ही हरियाणा पुलिस में डीएसपी का पद संभाला था। जोगिंदर ने 2023 में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं हरभजन भी पंजाब पुलिस में रहें हैं। इस पूर्व स्पिनर को पंजाब सरकार ने डीएसपी बनाया था। उन्होंने अब पुलिस की नौकरी छोड़ दी है। भज्जी ने टीम इंडिया के लिए 103 टेस्ट, 236 एकदिवसीय और 28 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 417 विकेट जिबकि एकदिवसय में 269 विकेट लिए हैं। हरभजन 2011 वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं.

वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत सिंह को भी पंजाब सरकार ने डीएसपी बनाया है। हरमनप्रीत ने एकदिवसीय विश्व कप 2017 सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन की पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था।

महिला टी20 विश्व कप: अब पाकिस्तान से उम्मीदें, भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में कर सकता है मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से 9 रन से मिली हार के बाद भारत को अब पाकिस्तान से उम्मीदें हैं जो उसे महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने चार मैचों में से चार जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करके अपना सेमीफाइनल स्थान सुनिश्चित किया। दो जीत और दो हार के बाद चार अंक हासिल करने वाले भारत को पाकिस्तान से न्यूजीलैंड को हराने की उम्मीदें करनी होंगे ताकि नेट रन-रेट के आधार पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच सके। हालांकि, कीवी टीम की जीत उन्हें अंतिम-चार में पहुंचा देगी और भारत को बाहर कर देगी।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया, 'यह कुछ ऐसा है जो हमारे नियंत्रण में नहीं है। अगर हमें एक और मैच खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन जो भी वहां होने का हकदार है, वह टीम वहां होगी।' छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एलिसा हीली की अनुपस्थिति

को मात देते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। शुक्रवार को पाकिस्तान पर जीत के दौरान बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लगने के कारण हीली के बाहर होने के बाद ताहलिया मैकग्राथ ने ऑस्ट्रेलिया की अगुआई की।

हीली की जगह ग्रेस हैरिस ने 40 रन बनाए और मैकग्राथ ने 32 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 151-8 का स्कोर बनाया। जवाब में भारत ने 142-9 का स्कोर बनाया जिसमें कौर ने नाबाद 54 रन बनाए और उन्होंने दीप्ति शर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की जिन्होंने 29 रन बनाए और मैच को अंतिम ओवर तक ले गए। भारत को आखिरी छह गेंदों पर 14 रन चाहिए थे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने सिर्फ चार रन दिए जिससे उसने चार विकेट खो दिए। इस जीत ने टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की जीत की लय को 15 तक पहुंचा दिया।

पाक टीम से अब कोई उम्मीदें नहीं बचीं : शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की है। पाक टीम को बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही टीम सबके पूर्व दिग्गजों के निशाने पर है। तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक शो के दौरान कहा कि टीम हर क्षेत्र में खराब खेल रही है। अख्तर ने कहा कि, जो बोएंगे वही काटेंगे। टीम के हालात बहुत खराब है हार जीत होती रहती है पर मैच में संघर्ष तो करना चाहिये। यहां तो टीम मुकाबला ही नहीं कर पायी। पिछले दो दिनों में हमने जो देखा, उससे कहें अब कोई उम्मीद नहीं बची है। इससे पता चलता है कि हम अच्छा नहीं कर सक रहे हैं। पहले बांग्लादेश के खिलाफ दोनो मैच हारे और उसके बाद इंग्लैंड ने 800 से

ज्यादा रन बनाकर पारी से हराया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि प्रशंसक भी कह रहे हैं कि पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट खेलना बंद कर देना चाहिए। आईसीसी तक सोच रहा होगा कि क्या हमें पाकिस्तान में टीमें भेजनी चाहिए और उनका टेस्ट दर्जा बरकरार रखना चाहिए। ये बहुत निराशाजनक है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट, प्रशंसकों के साथ ही उभरती प्रतिभाओं को नुकसान पहुंचेगा। मैं पीसीबी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह इस गड़बड़ को सही करे।

महिला टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज खेलेगी भारतीय महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप 2024 दुबई में 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। इसके तुरंत बाद ही भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलती नजर आएगी। उक्त मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार तीन मैचों की श्रृंखला आईसीसी महिला वनडे चैंपियनशिप 2022-25 का हिस्सा है। न्यूजीलैंड वर्तमान में टीम चैंपियनशिप स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है, जिसने अब तक अपने 18 एकदिवसीय मैचों में से केवल 8 जीते हैं। भारत, जो 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप का मेजबान है, मेगा इवेंट के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका है। भारत के अलावा चैंपियनशिप तालिका में शीर्ष पांच टीमें मुख्य कार्यक्रम में आगे बढ़ेंगी, जबकि शेष 4 टीमों को विश्व कप के लिए अपना स्थान हासिल करने के लिए क्वालीफायर से गुजरना होगा। छोटी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए दोनों टीमें अपना पूरा जोर लगा सकती हैं। सीरीज में बिजी रहने वाली क्रिकेटर इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल 2024) के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगी। इस साल के डब्ल्यूबीबीएल में भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना, बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स, विकेटकीपर यास्तिका भाटिया, ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, दयालन हेमलता और शिखा पांडे 8 टीमों की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। न्यूजीलैंड की कप्तान सह बल्लेबाजी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन, सलामी बल्लेबाज सुजी बेट्स और लेग स्पिन ऑलराउंडर अमेलिया कर भी टूर्नामेंट में खेलेंगी। डब्ल्यूबीबीएल 2024 के बाद भारतीय टीम 5-11 दिसंबर तक मौजूदा वनडे विश्व कप धारक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलने हैं। भारत और न्यूजीलैंड हाल ही में चल रहे टी20 विश्व कप में मिले थे, जहां न्यूजीलैंड ने 6 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत पर 58 रन से जीत दर्ज की थी।

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज से किया नजरअंदाज, भारत ए के पूर्व कप्तान ने लगातार चौथा शतक जड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क । पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए नजरअंदाज किए गए भारत ए के पूर्व कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने सोमवार (14 अक्टूबर) को लगातार अपना चौथा शतक जड़ा। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच की दूसरी पारी में बंगाल के लिए ओपनिंग की और फिलहाल 151 गेंदों पर 114 रन बनाकर खेल रहे हैं। ईश्वरन ने अब तक भारत के लिए नहीं खेला है, ने इससे पहले पहली पारी में 17 गेंदों पर पांच रन बनाए थे। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले मैच में बल्ले से अपने शानदार प्रदर्शन से पहले ईश्वरन ने पिछले महीने दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी के लिए लगातार दो शतक लगाए और फिर उसी मैदान पर खेले गए ईरानी कप 2024 के मैच में मुंबई के खिलाफ 191 रन की पारी खेली। वह इंडिया सी के खिलाफ 157 रन बनाकर नाबाद रहे और अनंतपुर में इंडिया डी के खिलाफ 116 रन बनाए। उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई जो बुधवार (16 अक्टूबर) को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरू होने वाला है। भले ही ईश्वरन ने टेस्ट टीम में जगह बना ली हो, लेकिन मौजूदा समय में उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका मिलने की संभावना कम ही है। कप्तान रोहित शर्मा खेल के पांच दिवसीय प्रारूप में भारत के लिए ओपनिंग करते हैं, उनके साथ यशस्वी जायसवाल भी हैं जिन्होंने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है।

भारतीय हॉकी टीम की पूर्व कोच यानेक शॉपमैन लौटीं भारत, इंडिया में औरतों की इज्जत नहीं होने का लगाया था आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। इसके बाद टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने हॉकी इंडिया के माहौल को लेकर काफी कुछ कहा। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत में औरतों की बातों की अहमियत नहीं है। अब वही शॉपमैन भारत लौट आई हैं। एक बार फिर कोचिंग स्टाफ का हिस्सा लेंगी लेकिन इस बार भारतीय टीम के डगआउट में नजर नहीं आएंगी।

हॉकी इंडिया लीग में रविवार को पुरुष टीमों ने बोली लगाई। ऑक्शन के दौरान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ भी मौजूद थे। इस दौरान यानेक शॉपमैन भी ऑक्शन रूम में दिलाई दी। वह 15 अक्टूबर को ओडिशा महिला टीम की टेबल पर भी नजर आ सकती है। उन्हीं लोगों के बीच जिन पर उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए थे और फिर भारत छोड़कर चली गई थीं।

शॉपमैन ओडिशा की महिला टीम का हिस्सा हैं। उन्हें बतौर टेक्निकल डायरेक्टर टीम से जोड़ा गया है। इसी जिम्मेदारी के लिए शॉपमैन वापस आई हैं। ओडिशा वही राज्य है जहां शॉपमैन आखिरी बार महिला टीम के साथ नजर आईं। भारतीय महिला टीम ने उनके कोच रहते हुए ओडिशा में ही ओलंपिक क्वालिफायर खेला था। भारत टॉप 3 में नहीं पहुंचा और पेरिस का टिकट हाथ से निकल गया।

बता दें कि, शॉपमैन ने अपने पद से

इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देते हुए उन्होंने कई गंभीर बयान दिए। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उन्होंने कहा था कि भारत ऐसा देश हैं जहां महिलाओं की बातों को, उनकी सोच को अहमियत नहीं दी जाती है। साथ ही उन्होंने हॉकी इंडिया पर महिला और पुरुष टीम के बीच भेदभाव करने का भी आरोप लगाया था।

भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में चौथे नंबर पर ही उतरेंगे स्मिथ : बेली

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज सीरीज में अपने चौथे नंबर पर ही उतरेंगे। डेविड वार्नर के संन्यास के बाद स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अवसर दिया गया था पर वह असफल रहे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने भी माना कि स्मिथ को उनके पारंपरिक स्थान पर ही उतारा जाएगा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर दूसरे ही टेस्ट में

नाबाद 91 रन बनाए पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और चार पारियों में कुल 51 रन ही बना पाये। बेली ने कहा कि इसको लेकर 'पैट कमिंस, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और स्टीव स्मिथ से उनकी लगातार बात हो रही है। स्टीव ने पारी सलामी बल्लेबाज की जगह अपने ही चौथे नंबर नीचे उतरने की इच्छा जताई है। इसके बाद कमिंस और एंड्रयू ने कहा कि वह इस सत्र में बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से सीरीज शुरु होगी।

ग्रीन की जगह बेनक्रॉफ्ट को मिल सकता है अवसर: टेलर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के चोटिल होने के कारण नवंबर में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विकेटकीपर बल्लेबाज कैमरन बेनक्रॉफ्ट को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन का अपनी पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलना तय नहीं है। ऐसे में ग्रीन के बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना होगा। इसके तहत ही उसे बदलाव भी करने होंगे। ग्रीन पिछले साल एशेज सीरीज के दौरान भी टीम से बाहर थे तब मिचेल मार्श आए थे। वहीं इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास के बाद माना जा रहा था कि बेनक्रॉफ्ट को पारी की शुरुआत के

लिए रखा जाएगा पर तब चयनकर्ताओं ने ग्रीन को टेस्ट टीम में वापस बुला लिया और स्टीव स्मिथ से पारी की शुरुआत कराई गई पर स्मिथ अनुभवी होने के बाद भी सलामी बल्लेबाज के रूप में विफल रहे थे। ऐसे में टेलर का मानना है कि स्मिथ को फिर से चौथे नंबर पर भेजा जाएगा। टेलर ने कहा, 'मुझे लगता है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे ऐसे में मेरा मानना है कि बेनक्रॉफ्ट को उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिलेगा। बेनक्रॉफ्ट हालांकि विवादों में भी रहे हैं। साल 2018 के गेंद से छेड़छाड़ मामले में उनपर 9 महीने का प्रतिबंध लगा था। वह पिछले दो वर्षों से शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे हैं। टेलर के अनुसार युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। हाल में कोंस्टास ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था।

पांड्या ने करियर में कई चुनौतियों का सामना किया : आकाश

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ऑलरांउडर हार्दिक पांड्या ने अपने करियर में कई मुश्किलें भी झेली हैं। उनका करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर कहा कि जिस प्रकार निजी जिंदगी और पेशेवर चुनौतियों का सामना कर पांड्या आगे बढ़े हैं उससे उनके जुनून का पता चलता है। इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में 18 गेंदों पर ही 47 रन बना दिये थे। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में पांड्या ने जिस प्रकार सर्जरी से उबरकर वापसी की है। वह प्रेरित करने वाला है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं इसमें आईपीएल के दौरान हुई हूटिंग भी है। पांड्या ने बांग्लादेश के खिलाफ पूरी सीरीज में आक्रामक बल्लेबाजी कर रन बटोरे। उन्होंने ज्यादातर मैचों में 200 से ऊपर के अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। चोपड़ा ने कहा बांग्लादेश के खिलाफ तीनों टी20 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। पहले टी20आई में पांड्या ने 16 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। इसके बाद दूसरे में उन्होंने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए। चोपड़ा ने कहा कि पांड्या के खेल से पता चलता है कि उनका मनोबल कितना ऊपर है। उन्होंने कवर पर छक्का लगाया और लेग साइड पर बिना देखे एक हाथ से छक्का लगाया। उनका गेंदबाजों के प्रति व्यवहार बेरहम सा रहा है।

भारत/न्यूजीलैंड : बल्लेबाजों पर आश्रित रहने वाले एटीट्यूड... गौतम गंभीर ने गेंदबाजों के लिए कही बड़ी बात

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज बुधवार से शुरू होने जा रही है। पहला टेस्ट बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। सीरीज के आगाज से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने गेंदबाजों के लिए बड़ी बात कही है। दरअसल, गंभीर का कहना है कि हमें बल्लेबाजों पर आश्रित रहने वाले एटीट्यूड को खत्म करना चाहिए।

बता दें कि, पिछले दशक में क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में खेलने के तरीके में धीरे-धीरे बदलाव आया है। टेस्ट में ज्यादा समय बिताने वाले बल्लेबाजों की जगह गेंदबाजों का दबदबा बढ़ा है।

हाल ही में कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच खेला गया टेस्ट मैच में भी इस बात का गवाह रहा। यहां बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण दो दिन से ज्यादा खेल नहीं होने के बावजूद भारतीय टीम ने जीत हासिल की। भारत ने शुरु से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर बांग्लादेश पर दबाव बनाया और फिर गेंदबाजों ने 20 विकेट चटकाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

वहीं कोच गंभीर ने भी कहा है कि अब समय बदल गया है। उन्होंने 20 विकेट और एक हजार रन की दिलचस्प तुलना की। गंभीर के अनुसार, बल्लेबाज भले ही जितने रन बना लें लेकिन जीत की गारंटी नहीं। गंभीर ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, वो दौर बीत चुका है। ये गेंदबाजों का दौर है। बल्लेबाज ही सिर्फ मैच सेटअप करते हैं। हमें बल्लेबाजों के प्रति इस जुनूनी एटीट्यूड को खत्म करना होगा। अगर कोई बल्लेबाज, 1000 रन भी बना लेता है तो उसके बाद भी जीत की गारंटी नहीं मिलती। लेकिन अगर कोई गेंदबाज 20 विकेट निकालने में सफल रहे तो 99 प्रतिशत गारंटी है कि हम टेस्ट मैच जीतेंगे।

कोच ने आगे कहा कि, इसलिए चाहे टेस्ट मैच हो या कोई अन्य फॉर्मेट, गेंदबाज आपको मैच और टूर्नामेंट जिताते हैं। इस दौर में हम बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाजों के बारे में ज्यादा बात करेंगे और मुझे उम्मीद है कि ये माइंडसेट बदलेगा। 1950 से 1990 के दशक के दौर में अगर बल्लेबाज एक या दो दिन से ज्यादा क्रीज पर टिके रहते थे तो अधिकतर मैच का नतीजा ड्रॉ ही होता था। हालांकि, पिछले कुछ सालों में टेस्ट क्रिकेट में बदलाव का संकेत मिला है।

मुंह के कैंसर के सबसे अधिक मामले भारत में

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई देशों में मुंह के कैंसर के सबसे अधिक मामले भारत में दर्ज किए जा रहे हैं। यह खुलासा हुआ है एक हालिया अध्ययन में। इसका प्रमुख कारण बिना धुएं वाले तंबाकू उत्पादों और सुपारी का बढ़ता उपयोग है। 2022 में विश्वभर में 1,20,200 ओरल कैंसर के मामलों में से 83,400 मामले अकेले भारत में पाए गए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि तंबाकू युक्त पान मसाला, गुटखा, खैनी और सुपारी के सेवन से मुंह का कैंसर तेजी से फैल रहा है। अध्ययन के अनुसार, महिलाओं में मुख कैंसर के 30प्रतिशत मामले सुपारी के सेवन से, जबकि 28 प्रतिशत मामले तंबाकू वाले पान मसाले से जुड़े पाए गए। वहीं, गुटखा और खैनी के कारण क्रमशः 21प्रतिशत और 21प्रतिशत मामले सामने आए। पुरुषों में खैनी के सेवन से 47प्रतिशत और गुटखा के सेवन से 43प्रतिशत मामले दर्ज किए गए, इसके बाद तंबाकू वाले पान मसाले (33प्रतिशत) और सुपारी (32प्रतिशत) का नंबर आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना धुएं वाले तंबाकू और सुपारी के सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं, जिनमें मुंह का कैंसर प्रमुख है। दुनियाभर में 1,20,200 से अधिक ओरल कैंसर के मामले ऐसे थे जो बिना धुएं वाले तंबाकू और सुपारी के सेवन से हो सकते थे।

इंडिगो के दो विमानों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, जांच शुरू

मुंबई। एयर इंडिया के बाद अब इंडिगो की दो फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इन फ्लाइट्स की सुरक्षा जांच शुरू की गई है। पहली फ्लाइट मुंबई से जेद्दा जा रही थी, जिसका नंबर 6ई56 है इसको बम से उड़ने की धमकी मिली। वहीं, दूसरी मुंबई से मस्कट जा रही फ्लाइट नंबर 6ई1275 को भी धमकी दी गई है। दोनों फ्लाइट्स की सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई है। वहीं इंडिगो प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा है कि मुंबई से मस्कट जाने वाली फ्लाइट 6ई 1275 को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। प्रोटोकॉल के मुताबिक फ्लाइट को एक अलग खाड़ी में ले जाया गया, और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए, अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई है। आगे इंडिगो प्रवक्ता ने कहा कि मुंबई से जेद्दा जा रही इंडिगो की दूसरी फ्लाइट नंबर 6ई 56 को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। प्रोटोकॉल के मुताबिक विमान को एक अलग जगह पर ले जाया गया और सुरक्षा जांच शुरू की गई। इससे पहले सुबह एयर इंडिया के एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, जिसकी दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिग कराई गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो का एक विमान को उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई है। जल्द ही दोनों विमानों को उड़ान भरने की अनुमति मिल जाएगी। जानकारी में बताया कि तीन विमानों को बम की धमकी मिली थी।

दशहरा के बाद से दिल्ली की हवा हुई खराब, एक्यूआई 224 पर पहुंचा

-गिरने लगा तापमान, सुबह होने लगा हल्की ठंड का एहसास

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में तापमान गिरने लगा है और सुबह के वक्त हल्की ठंड का एहसास हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ हवा का स्तर भी अब बिगड़ने लगा है। दिल्ली में ठंड की शुरुआत से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगता है लेकिन अभी दशहरे के अगले दिन से दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खराब स्थिति में पहुंच गई। दशहरा समारोह के दौरान दिल्ली के खुले मैदान में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इसके बाद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के बुलेटिन के मुताबिक 13 अक्तूबर को शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 224 पर पहुंच गया। वायु गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) उप-समिति ने, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) ने वर्तमान वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान की समीक्षा की, जिसके मुताबिक दशहरा के बाद दिल्ली के वायु प्रदूषण में पहले से ही गिरावट शुरू हो गई है, जो शाम 5 बजे तक गिरकर 222 पर आ गई और आगे भी गिरावट की उम्मीद जताई जा रही है। आईएमडी आईआईटीएम का भी कहना है कि हवा की गुणवत्ता में सुधार होकर एक्यूआई मध्यम श्रेणी में पहुंच सकता है। आज यानी सोमवार सुबह 7 बजे के आसपास भी दिल्ली का औसत एक्यूआई खराब बना हुआ है। दिल्ली का एक्यूआई 222 मापा गया। वहीं, दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 324 यानी बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांडर- बहराइच के फरार संदिग्ध ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'यार तेरा गैंगस्टर है जानी'

लखनऊ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में उत्तर प्रदेश के फरार संदिग्ध शिव कुमार गौतम ने शान दिखाने के मकसद से खुद को 'गैंगस्टर' बताते हुए सोशल मीडिया पर हाल में ही पोस्ट करना शुरू किया था। गौतम ने 24 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा था, 'यार तेरा गैंगस्टर है जानी।' फोटो में दिख रहा है कि वह मोटरसाइकिल पर सवार है। पोस्ट के बैकग्राउंड में एक हरियाणवी गाना बज रहा है। गौतम उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के गंडारा गांव का रहने वाला है। स्थानीय लोगों और पुलिस ने कहा कि गांव में उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह महाराष्ट्र के पुणे शहर में कबाड़ की एक दुकान पर काम करता है। आठ जुलाई को गौतम ने एक पोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, 'शरीफ बाप है, हम नहीं।' उसने 26 मई को एक वीडियो साझा किया था, जिसके बैकग्राउंड में 'केजीएफ' का संगीत और चर्चित डायलॉग 'ताकतवर लोग पॉवरफुल जगह से आते हैं...' बज रहा था। गौरतलब है कि 'केजीएफ' के लीड किरदार की मां ने मरने से पहले उससे वादा लिया था कि वह जिये जैसे भी, लेकिन मरेगा दुनिया का सबसे अमीर आदमी बनकर। दिलचस्प बात यह है कि इंस्टाग्राम पर गौतम को फॉलो करने वाले लोगों की संख्या में रातोंरात जबरदस्त इजाफा हुआ है। रविवार को साइट पर 299 लोग उसे फॉलो करते थे। सोमवार को उसके फॉलोअर की संख्या बढ़कर 504 हो गई।

प्रवासी श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन में लगने वाला समय और लागत कम किया जाना चाहिय: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा कि प्रवासी मजदूरों को एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने परिवारों को पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत में कमी लाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विदेशों से पैसा भेजने में समय और लागत कम करने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के बयान का स्वागत करते हुए यह बात कही। रमेश ने कहा, ''आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बहुत सही तरीके से धन प्रेषण की लागत और समय कम करने पर जोर दिया है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों से हमारी अर्थव्यवस्था में इस वर्ष लगभग 124 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा, जिससे वे सेवा निर्यात के बाद बाह्य वित्तपोषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बन जाएंगे।''

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर लिखा, ''उसी समय यह भी याद किया जाना चाहिए कि 10 भारतीयों में से तीन किसी न किसी प्रकार से आंतरिक प्रवासी हैं। इसलिए आंतरिक प्रेषण के समय और लागत को कम करने पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए जो एक राज्य में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों द्वारा अपनी बचत की रकम को दूसरे राज्यों में रह रहे अपने परिवारों को भेजना शामिल है।'' उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि आंतरिक प्रेषण पर सही तरीके से आंकड़े नहीं जुटाए गए। रमेश ने कहा कि कुछ साक्ष्यों से पता चलता है कि इस तरह के अंतरराज्यीय प्रेषण विदेश से प्रेषित इस तरह के धन का दसवां हिस्सा हो सकते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ वर्ष पहले किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि केरल से अन्य राज्यों को भेजी जाने वाली धनराशि, दक्षिणी राज्य को अन्य देशों से प्राप्त होने वाली धनराशि का लगभग एक तिहाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी आय का आधे से भी कम हिस्सा औपचारिक संस्थागत चैनलों के माध्यम से प्राप्त होता है। दास ने सोमवार को विदेश भेजे जाने वाले धन में लगने वाले समय और लागत को कम करने की वकालत की, जो भारत सहित विभिन्न विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पिछले वर्ष भारत का धन प्रेषण अन्य सभी देशों से बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के अनुमान के अनुसार, वैश्विक सीमा पार भुगतान का मूल्य 2027 तक 250 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। दास ने कहा कि सीमा पार श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन की महत्वपूर्ण मात्रा, पूंजी के सकल प्रवाह का बढ़ता आकार और सीमा पार ई-कॉमर्स के बढ़ते महत्व ने इस वृद्धि में उत्प्रेरक का काम किया है।

प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे

नई दिल्ली। अगले साल प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी-एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी-अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है। फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है। ये तीनों संप्रदाय अलग-अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन-तीन अखाड़े हैं। मान्यता प्राप्त 13 अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन 2016 में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है।

पप्पू यादव ने दी लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती और कहा- 24 घंटे में इस दो टके का नेटवर्क खत्म कर दूंगा

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती दी है। पप्पू यादव ने कहा है अगर कानून अनुमति दे तो 24 घंटे में लॉरेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने लिखा कि यह देश है या हिजड़ों की फौज। एक अपराधी जेल में बैठकर चुनौती दे रहा है, लोगों को मार रहा है, लेकिन सभी मूकदर्शक बने हुए हैं। पप्पू यादव ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने कभी मूसेवाला को मरवा दिया, कभी करणी सेना के मुखिया को मरवाया और अब एक उद्योगपति राजनेता को मरवा डाला।

पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई को दो टके का अपराधी बताया है। उन्होंने इसी पोस्ट में गैंगस्टर को चुनौती देते हुए कहा कि अगर कानून इजाजत दे तो 24 घंटे में इस लॉरेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी को पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। इससे पहले पप्पू यादव ने जो पोस्ट की थी, उसमें बाबा सिद्दीकी को बिहार का बेटा बताया था। दरअसल बाबा सिद्दीकी बिहार के ही रहने वाले थे और बाद में मुंबई जाकर अपनी राजनीति शुरू की थी। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र में महाजंगलराज बताया था। पप्पू यादव ने लिखा था कि वाय श्रेणी की सिक्योरिटी सुरक्षा में सरकार समर्थक पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी जी की हत्या महाराष्ट्र में महाजंगलराज का शर्मनाक प्रमाण है। बिहार के बेटे बाबा सिद्दीकी की हत्या अत्यंत दुःखद है. भाजपा गठबंधन सरकार अपने दल के इतने रसूख वाले नेताओं की रक्षा न कर पा रही है तो अमलोगों का क्या होगा?

अगर हिम्मत है तो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपियों का एनकाउंटर करें

-शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर बोला हमला

मुंबई (एजेंसी)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से जुड़े मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अगर हिम्मत है, तो बाबा सिद्दीकी पर जिन्होंने गोली चलाई, जो इस वारदात के सूत्रधार हैं, उनका एनकाउंटर कीजिए। अब सिंघमगिरी दिखाएं। अगर हिम्मत है और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करें। बता दें कि एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन मुंबई पुलिस अभी इस दावे की पुष्टि नहीं कर रही है। पुलिस ने 15 टीमें बनाकर कई एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भी राज्य सरकार पर गंभीप आरोप लगाए हैं। राउत ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि इस सरकार के आने के बाद मुंबई में गैंगवार और अंडरवर्ल्ड की ताकत बढ़ सकती है। इस सरकार को अंडरवर्ल्ड का भी समर्थन मिला हुआ है और वह अंडरवर्ल्ड गुजरात से चलाया जा रहा है। गुजरात में पांच हजार करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है। इसका मतलब है कि देश में 50 हजार करोड़ रुपए की ड्रग्स पहले ही वितरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गुजरात की साबरमती जेल में बंद और गुजरात एटीएस की हिरासत में एक गैंगस्टर बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेता है। यह केंद्रीय गृह मंत्री के लिए एक चुनौती है जो गुजरात से हैं। अजित पवार को अमित शाह का इस्तीफा मांगना चाहिए। उन्होंने (सीएम शिंदे) अक्षय शिंदे जो बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी है को गोली मारने के बाद खुद को सिंघम घोषित किया था। अब यहां सिंघमगिरी दिखाएं। अगर हिम्मत है और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करें। बता दें बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने उन्हें भीड़भाड़ वाले स्थानों पर न जाने की सलाह दी है। उनके बांद्रा स्थित निवास गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। सलमान खान के परिवार ने भी सलमान के चाहनेवालों से अपील की है कि वे अभी सलमान खान से मिलने न आएं। बता दें कि लोग सलमान की एक झलक पाने घंटों गैलेक्सी के बाहर खड़े रहते हैं।

वीआरएसआई और आरएसएसडीआई ने की पहली डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग गाइडलाइन जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत में 101 मिलियन (10.1 करोड़) से ज्यादा लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, इसलिए यह देश दुनिया की मधुमेह राजधानी बन गया है। नतीजतन, मधुमेह से जुड़े दृष्टिहीनता (विजन लॉस) के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है, जो चिंता का विषय है, जबकि समय पर पहचान और उपचार से इन मामलों को रोका जा सकता मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी की समय पर जांच और इससे निपटने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ को रेफर करने में मधुमेह विशेषज्ञ की अहम भूमिका होती है। विट्रीओ रेटिनल सोसाइटी ऑफ इंडिया और रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया ने मिलकर अपनी तरह की पहली डायबिटिक रेटिनोपैथी जांच गाइडलाइन तैयार की है जिससे भारत में हर डॉक्टीर और मधुमेह विशेषज्ञ को अपने रोगियों को डायबिटिक रेटिनोपैथी के बारे में जागरूक करने में मदद मिलेगी।

जीवनशैली में बदलाव, शहरों की ओर पलायन, मोटापा और तनाव के कारण देश में मधुमेह रोगियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, साथ ही मधुमेह से संबंधित दृष्टिहीनता के मामलों भी बढ़े हैं। टाइप-2 मधुमेह कामकाजी आयु वर्ग के लोगों में आम है, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। अगर समय पर इसकी जांच नहीं की जाती है तो यह भारत में दृष्टि हीनता का प्रमुख कारण बन सकता है, जिससे भारी आर्थिक बोझ पड़ सकता है। मधुमेह रेटिनोपैथी के 12.5% और दृष्टि को खतरे में डालने वाले 'मधुमेह रेटिनोपैथी' के 4% राष्ट्रीय फैलाव के साथ, लगभग 3 मिलियन (30 लाख) भारतीयों को अंधेपन का खतरा है। यह स्थाई दृष्टि हीनता रोकने के लिए मधुमेह के प्रत्येक रोगी की समय पर जांच की जरूरत को दशार्ता है। इस खतरे को शुरूआती चरण में पहचानना मुश्किल होता है, इसलिए इसको 'दृष्टि का साइलेंट चोर' कहा जाता है।

इस पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल करने वाले प्रोफेशनल्स को सशक्त बनाना है जो अक्सर मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए पहला संपर्क बिंदु होते हैं। इसके तहत स्वास्थ्य देखभाल करने वाले प्रोफेशनल्स को इस खतरे की शीघ्र पहचान और उपचार को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपकरण और ज्ञान प्रदान किया जाता है जिससे मधुमेह रेटिनोपैथी के कारण होने वाली गंभीर दृष्टिहानि और दृष्टिहीनता के जोखिम को कम किया जा सके।

भारत में चिकित्सकों के लिए मधुमेह रेटिनोपैथी जांच गाइडलाइनः वीआरएसआई और आरएसएसडीआई द्वारा दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन में पोजीशन स्टेटमेंट जारी किया गया, जिसमें जाने-माने हेल्थकेयर प्रोफेशनल और उद्योग संगठनों के लीडर शामिल हुए। डॉ. सुधा चंद्रशेखर, डॉ. आर. किम, डॉ. मनीषा अग्रवाल, डॉ. राकेश सहाय और डॉ. संजय अग्रवाल ने इस सत्र के दौरान अपने विचार साझा किए, जिसमें भारत में मधुमेह रेटिनोपैथी की स्थिति और स्थापित सिफारिशों द्वारा दूर किये जा रहे अंतराल पर भी प्रकाश डाला गया।

ट्रूकॉलर ने भारत में यूपीआई का उपयोग करके नेम वेरीफिकेशन सेवा की शुरूआत की

एजेंसी

रांची : ट्रूकॉलर ने भारत में प्रीमियम सेवाओं के सभी यूजर्स के लिए ब्लू टिक वेरिफिकेशन की शुरूआत की है। इस नई वेरीफाइड बैज सेवा की मदद से यूजर्स को सरकार के सहयोग से संचालित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिये अपनी पहचान को वेरीफाई करने की सुविधा मिलती है, और इस तरह वे आपने सही नाम की पुष्टि कर सकते हैं।

बीते कुछ सालों के दौरान वेरीफाइड बैज एक ऐसे फीचर के तौर पर सामने आया है, जिसकी मांग ट्रूकॉलर के यूजर्स के बीच सबसे ज्यादा है। ज्यादातर यूजर्स ने यह इच्छा जाहिर की है कि इसे प्राप्त करने के तरीके को अधिक पारदर्शी और सुलभ बनाया जाए। लोगों की इस जबरदस्त मांग को पूरा करने के लिए ट्रूकॉलर ने वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को नया रूप दिया है, ताकि उन्हें ज्यादा सटीक और भरोसेमंद समाधान उपलब्ध कराया जा सके। ट्रूकॉलर के इस नए वेरीफाइड बैज फीचर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिये बाहरी वेरीफिकेशन की सुविधा का उपयोग किया जाता है। इस तरह, देश के बड़े वित्तीय संस्थानों द्वारा अपनाए गए भरोसेमंद तरीकों का उपयोग करके यूजर्स की पहचान प्रमाणित की जाती है। इसमें यूजर्स को वढक से प्राप्त जानकारी के आधार पर खुद से वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू करने की सुविधा मिलती है, जिसके लिए उन्हें वह नाम चुनना होता है जिसे वे प्रदर्शित करना चाहते हैं।

नए फीचर के लॉन्च के बारे में बात करते हुए, भारत में ट्रूकॉलर के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर एवं एमडी, ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, हमने अपने प्रीमियम यूजर्स के फीडबैक को ध्यान में रखकर इस नए वेरीफाइड बैज को लॉन्च किया है, जो चाहते हैं कि उनके पास अपनी पहचान को प्रमाणित करने के लिए अधिक दमदार और भरोसेमंद तरीका उपलब्ध हो। इसके लिए, हमने वढक पर आधारित वेरिफिकेशन को इससे जोड़ा है। इस तरह, बड़े पैमाने पर अपनाए गए और पूरी तरह सुरक्षित तरीके का लाभ उठाकर हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि, हमारे प्लेटफॉर्म पर लोगों की पहचान बिल्कुल सही और भरोसेमंद हो। इस फीचर के लॉन्च से यह बात जाहिर होती है कि हम अव्वल दर्जे की सेवाएँ उपलब्ध कराने पर अपने इरादे पर अटल हैं। यह हमारे यूजर्स को पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी डिजिटल उपस्थिति पर नियंत्रण रखने में भी सक्षम बनाती है। हम मानते हैं कि, हमारी यह पहल संचार को सभी के लिए सुरक्षित बनाने के हमारे विजन की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। इसकी शुरूआत भारत में हो रही है, लेकिन जल्द ही इसे दूसरे देशों में भी शुरू किया जाएगा। इस लॉन्च के साथ, ट्रूकॉलर पूरी दुनिया में यूजर्स के प्रोफाइल की पहचान करने वाले सबसे भरोसेमंद साधनों में से एक बन सकता है।

इस नए वेरीफाइड बैज के लॉन्च के साथ ट्रूकॉलर डिजिटल संचार के क्षेत्र में भरोसे की एक नई मिसाल कायम कर रहा है, जो यूजर्स को पारंपरिक आईडी की तुलना में बेहतर पहचान की सुविधा और विश्वसनीयता प्रदान करता है।

जयशंकर होंगे एससीओ बैठक में शामिल, क्या कहता है पाकिस्तान मीडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जा रहे हैं। बैठक 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होने वाली है। दशक बाद भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला पाकिस्तान दौरा है जिसे लेकर पाकिस्तान मीडिया में कई खबरें चल रही हैं। वहां की मीडिया में कहा जा रहा है भारतीय विदेश मंत्री का पाकिस्तान आने का फैसला क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने का एक प्रयास है।

पाकिस्तान के एक प्रमुख अखबार ने हाल ही में विदेश मंत्री के पाकिस्तान दौरे को लेकर दो अलग-अलग खबरें प्रकाशित की। एक खबर में विदेश मंत्रालय का बयान है जिसमें विदेश मंत्री के 15 अक्टूबर को पाकिस्तान जाने की पुष्टि की गई थी। अखबार ने लिखा कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि 15-16 अक्टूबर के बीच होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए भारत के विदेश मंत्री एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान का दौरा करेंगे।

अखबार ने लिखा कि करीब एक दशक में किसी भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला विदेश दौरा है। पिछले साल मई में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो एससीओ विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने भारत आए थे। करीब 12 सालों में भारत का दौरा करने वाले वह पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एससीओ बैठक में भारत का शामिल होना एक नाजुक संतुलन बनाने की कोशिश है जो दिखाता है कि संगठन के अंदर चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर भारत सतर्क है और इसके खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग की जरूरत को समझता है। एससीओ की आर्थिक रणनीतियों में चुनिंदा रूप से शामिल होकर, भारत एक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपना रहा है। इसका मकसद मध्य एशियाई देशों के साथ रचनात्मक संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीनी प्रभुत्व को संतुलित करना है।

अखबार ने आगे लिखा कि पाकिस्तान में आयोजित बैठकों में हिस्सा लेने को लेकर भारत में हमेशा से एक हिचकचाहट रही है। ये नवंबर 2016 में 19वें सार्क शिखर सम्मेलन के बहिष्कार से शुरू हुई जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को करनी थी। बहिष्कार के कारण गतिरोध पैदा हो गया, जिससे बैठक नहीं हो पाई क्योंकि सार्क चार्टर में यह अनिवार्य है कि शिखर सम्मेलन के लिए सभी सदस्य देशों का मौजूद होना जरूरी है। इसके विपरीत, एससीओ में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

अखबार ने दूसरी खबर में विदेश मंत्री का शनिवार को दिया गया बयान छापा है जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दौरे में वह द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई चर्चा नहीं करेंगे। जयशंकर ने नई दिल्ली में कहा कि संबंधों की प्रकृति को देखते हुए मीडिया की इसमें काफी रुचि होगी। जयशंकर ने कहा कि लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह एक बहुपक्षीय कार्यक्रम होगा। मैं वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं वहां एससीओ का एक अच्छा सदस्य बनने जा रहा हूं। मैं एक विनम्र और सभ्य इंसान हूं और पाकिस्तान में वैसा ही व्यवहार करूंगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि विदेश मंत्री पाकिस्तान आने का फैसला कर ये संकेत दे रहे हैं कि हम एससीओ को कम नहीं आंक रहें...जब तय हुआ कि बैठक पाकिस्तान में होगी तो हम इसमें हिस्सा लेंगे। जब बिलावल भुट्टो गए थे भारत, उन्होंने कश्मीर पर बात की थी, जयशंकर ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया था, तब मीडिया को बड़ा मसाला मिला था। इस बार जयशंकर के पाकिस्तान आने से भी ऐसा ही होने वाला है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**